www.mcu.ac.in

2022-23
प्रवेश विवरणिका

MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

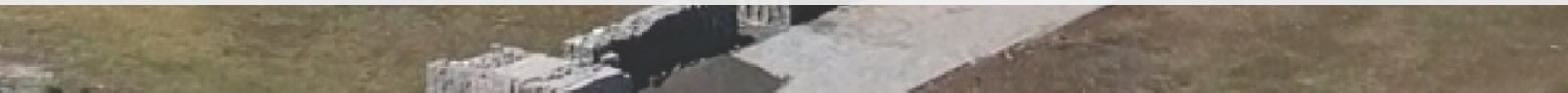

मूल्य

- ✓ अकादमिक उत्कृष्टता और अखंडता
- ✓ विद्वत्तापूर्ण शोध और पेशेवर नेतृत्व
- ✓ शिक्षण, अनुसंधान और सेवा का एकीकरण
- ✓ व्यक्तिगत और सामूहिक उत्कृष्टता
- ✓ विविधता, समानता और सामाजिक न्याय
- ✓ पूरे जीवन काल में व्यक्तियों की शिक्षा
- ✓ सामूहिकता और सहयोग
- ✓ अच्छी व्यावसायिक नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना।

लक्ष्य

मीडिया, संचार और पत्रकारिता के सभी नवीन क्षेत्रों से जुड़ाव एवं गहन सामुदायिक भावना रचनात्मकता, अनुसंधान और बौद्धिक ईमानदारी के विशिष्ट वातावरण द्वारा सभी छात्रों के जीवन में बदलाव लाना साथ ही ज्ञान के विस्तार, जागरुकता के स्तर एवं मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना।

विजन

हम प्रभावी शैक्षणिक वातावरण, कार्यक्रम की उत्कृष्टता, नवाचारी अनुसंधान एवं समाज के प्रति सहानुभूतिपूर्ण भागीदारी के द्वारा अपने समुदाय के लिए योगदान करने की इच्छा तथा जीवन के पेशेवर और आध्यात्मिक आयाम में प्रभावी नेतृत्व के लिए छात्रों में संतुलित दृष्टिकोण के विकास से पहचाने जाते हैं।

सूचकांक

संदेश : अध्यक्ष, महापरिषद

कुलपति की कलम से

शहर के बारे में

विश्वविद्यालय के बारे में

सकारात्मक अंतर

हमारा सम्मान

छात्र सुविधाएं

गतिविधियां @ एमसीयू

करियर और रोजगार के अवसर

विभिन्न पाठ्यक्रमों के बार में

पाठ्यक्रम संरचना

प्रवेश प्रक्रिया

छात्रों के लिए निर्देश

झीलों का शहर

भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल भारत के केंद्र और हृदय स्थल में बसता है। प्राकृतिक रूप से हरे-भरे इस शहर को झीलों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। 11वीं शताब्दी में स्थापित यह शहर राजा भोज द्वारा बसाया गया था जो पहले उनके नाम 'भोजपाल' के नाम से ही जाना जाता था। 463 वर्ग किलोमीटर के विस्तारित योजना क्षेत्र के साथ भोपाल भारत के 15 सबसे बड़े शहरों में से एक है।

औद्योगीकरण के बावजूद यह शहर अपने पुराने वैभव को बरकरार रखे हुए है। पुराना भोपाल जहां जरदोजी कारीगरी, खान-पान और भोपाली अंदाज के कारण काफी मशहूर है तो वहीं शहर का नया हिस्सा बेहतर योजनाबद्ध तथा पार्कों और बगीचों से भरा है। भोपाल मध्यप्रदेश का आर्थिक, औद्योगिक, राजनीतिक और शैक्षिक केंद्र है। यहां राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कई प्रतिष्ठान और मुख्यालय मौजूद हैं। इस शहर ने विज्ञान, राजनीति, कला-साहित्य और संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विश्वविद्यालय का परिचय

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय (MCNUJC) जनसंचार, मीडिया, पत्रकारिता, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, डिजिटल मीडिया और प्रबंधन के क्षेत्र में देश का एक अग्रणी शिक्षा संस्थान है 31 साल पहले 1990 में स्थापित यह विश्वविद्यालय उत्कृष्टता की विरासत को लगातार आगे बढ़ा रहा है। प्रदेश सरकार ने इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय को महान संपादक, कवि, साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी पं. माखनलाल चतुर्वेदी की याद में उनके सामाजिक और पत्रकारिता के आदर्शों को अनुसरण करने हेतु स्थापित किया था। यह पूरे एशियाई उपमहाद्वीप में पहला अकादमिक केंद्र है जहां संचार, मीडिया और आईटी की सभी प्रचलित एवं आधुनिक विधाओं और तकनीक में वर्तमान मीडिया क्षेत्र की जरुरतों के लिए संचार के सभी पारंपरिक और आधुनिक तरीकों से विद्यार्थियों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह विश्वविद्यालय यूजीसी की धारा 12 (बी) के तहत भी मान्यता प्राप्त है।

मीडिया और कम्प्यूटर में आज के समय की आवश्यकताओं और नए रुझानों को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय पत्रकारिता, प्रसारण पत्रकारिता, विज्ञापन और जनसंपर्क, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, मीडिया प्रबंधन और संचार शोध में स्नातकोत्तर, स्नातक और कौशल विकास के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। पारंपरिक रूप से चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के अलावा, विश्वविद्यालय कई रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने में भी अग्रणी रहा है, जिन्हें नियोक्ताओं ने सराहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य प्रोफेशनल तैयार करना है जिसके लिए यहां प्रभावी शिक्षण विधियों तथा कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण के अभिनव तरीकों को प्रयोग में लाया जाता है। मीडिया, जनसंचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की जरुरतों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने छात्रों को च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अंतर्गत अपनी पसंद के विषयों का अध्ययन करने का अवसर देने के लिए पाठ्यक्रम को नवीनतम स्वरुप में विकसित किया गया है। मीडिया एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग के क्षेत्र में पी.एचडी. पाठ्यक्रम के शोधार्थियों द्वारा किए गए कार्य अत्यंत सराहनीय रहे हैं । विश्वविद्यालय के अधिकांश शिक्षको के पास पी.एच.डी. उपाधि के अतिरिक्त किए गए शोध कार्यो का भी गहन अनुभव है।

विश्वविद्यालय परिवार मीडिया और आईटी क्षेत्र के प्रोफेशनल्स तथा शिक्षाविदों का एक अनूठा संगम है जो अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज विश्वविद्यालय दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1600 से अधिक संबद्ध अध्ययन संस्थानों के एक विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहा है, जहां सालाना लगभग एक लाख छात्र नियमित रुप से कक्षाओं में आकर विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय की सफलता, स्वीकार्यता, लोकप्रियता और मान्यता का सूचक है।

विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी देश के बड़े और जाने-माने प्रिंट मीडिया संस्थानों, टेलीविज़न चैनल्स, विज्ञापन एजेंसीज, जनसंपर्क क्षेत्र, ग्राफ़िक डिजाइनिंग, मल्टीमीडिया वर्ल्ड, सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर इंडस्ट्री में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत हैं और वे अपने कार्यक्षेत्र मे अभिनव बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं।

हमारे शिक्षकों को उनके गतिशील दृष्टिकोण, अनुसंधान और समर्पण के लिए जाना जाता है। वे छात्रों के लिए सुलभ तथा उत्साहवर्धक हैं जो अपने विषयों को सरल एवं रोचक बनाते हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों के सपनों और आकांक्षाओं को सफलता के वैश्विक अवसरों में बदलना है। पूरे देश में मीडिया, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिए यह विश्वविद्यालय छात्रों की पहली पसंद है, क्योंकि यह व्यापक रुप से शिक्षा के हर पहलू के साथ मीडिया क्षेत्र के हर पहलू पर व्यापक रुप से एवं अत्यंत कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्रदान करता है (शीघ्र ही इसका नवीन विशाल परिसर भी आगामी कुछ समय में छात्रों के लिए उपलब्ध होगा।)

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय की महापरिषद और प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं। महापरिषद विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निर्णय लेने वाली समिति है। यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों को निर्देशित करती है। कई प्रतिष्ठित व्यक्ति जैसे प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, जाने-माने अखबारों के संपादक, एडिटर गिल्ड के प्रतिनिधि, सूचना प्रौद्योगिकी के प्रसिद्ध व्यक्ति, देश और राज्य के जाने-माने शिक्षक और प्रसिद्ध व्यक्ति, महापरिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाते हैं। विश्वविद्यालय की प्रबंधन समिति नीतिगत और प्रशासनिक मामलों में दिशा निर्देश प्रदान करती है। मार्गदर्शन प्रदान करती है।

विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के पास प्रबंधन, शिक्षण और प्रशासनिक मामलों की जिम्मेदारी होती। विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद में मीडिया और कम्प्यूटर के प्रख्यात और अनुभवी शिक्षक, सीनियर प्रोफेशनल्स और विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रमुख शामिल हैं। अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय के शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध सम्बंधित मामलों में निर्णय करती है तथा कुलपति अकादमिक परिषद के अध्यक्ष हैं।

बिशनखेड़ी में विश्वविद्यालय
का आगामी परिसर

नवीन परिसर

विश्वविद्यालय का वर्तमान मुख्य शिक्षण परिसर भोपाल शहर के मध्य में स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स के समीप एक व्यावसायिक क्षेत्र एम.पी. नगर में एक बहु-मंजिला इमारत में स्थित है। यह परिसर 7000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित सात मंजिला भवन के इस परिसर में कक्षाएं, स्टूडियो, प्रयोगशालाओं सहित सभी आवश्यक सुविधाएं हैं। आगामी सेमेस्टर से विश्वविद्यालय अपने नवनिर्मित परिसर में अपनी समस्त गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिए सुसज्जित हो रहा है। नए परिसर में स्थानांतरित होने पर भी यह परिसर विश्वविद्यालय के साथ अपने शहर के परिसर के रूप में विद्यमान रहेगा। विश्वविद्यालय का नया परिसर शहर के पास ही 50 एकड़ क्षेत्र में लगभग तैयार अवस्था में है। 58 लाख वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र के साथ यह परिसर प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है।

इसे आधुनिक सुविधाओं एवं नवीन तकनीकों से युक्त एवं सुसज्जित किया जा रहा है, जो अगले सेमेस्टर अर्थात जनवरी 2022 में अधिकांश विभागों के लिए पूर्ण रुप से तैयार हो जाएगा। इसमें छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल सुविधा, खेल के मैदान, कैफेटेरिया, कैंटीन, छात्रों के लिए क्लिनिक, संकाय सदस्यों और अधिकारियों के लिए आवास जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त इसमें मनोरंजन केंद्र, इनडोर और आउटडोर खेल, स्टेडियम सभागार, अधिक सुसज्जित प्रयोगशालाएं, कम्प्यूटर केंद्र, स्टूडियो, पुस्तकालयों, आवश्यक सामानों की खरीद के लिए दुकानें, 24 घंटे एटीएम सुविधा, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल, आधुनिक जिम इत्यादि की सुविधाएं मौजूद हैं।

सकारात्मक अंतर

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय अपने अदभुत शैक्षणिक अवसर, छात्रों की संतुष्टि, अग्रणी गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता मानकों की ओर सतत् अग्रसर है। विश्वविद्यालय छात्रों को उनके शैक्षणिक अध्ययन और पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रावधान प्रदान करता है, जो उन्हें विश्वविद्यालय के जीवन से परे एक बहुत लंबा रास्ता तय करने में मदद करता है। नियोक्ता सक्रिय रूप से छात्रों की तलाश करते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अंतिम प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के लिए उनकी मदद करते हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को उनकी प्रतिभा एवं उनके विषयों में लगन दोनों को एक साथ अंकुरित कर उन्हें जगाने का प्रयास करता है जो उनके कौशल और ताकत को विकसित करने में मदद करता है। विश्वविद्यालय सामाजिक रूप से संवेदनशील नागरिक तैयार करने के लिए छात्रों के बीच सही मूल्यों को विकसित कर शिक्षा में समग्र दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। इस प्रकार यह न केवल पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों को बल्कि सह-पाठ्यचर्या, पाठ्येत्तर एवं विस्तारित गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है। इस विश्वविद्यालय ने मीडिया, विज्ञापन, जनसंचार पत्रकारिता, प्रबंधन, कम्प्यूटर और पुस्तकालय विज्ञान में कई विकल्पों के साथ अपने सभी स्नातक और स्नातकोत्तर कार्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम शुरु किए हैं । छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए यह पाठ्यक्रम व्यापक विविधता पर जोर देते हैं। शैक्षिक वातावरण से लेकर पाठ्येत्तर गतिविधियों की आश्चर्यजनक श्रृंखला के अंतर्गत विश्वविद्यालय छात्रों को डिग्री से परे की रुचि विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे कुलपति के शब्दों में हम आपको 'भविष्य बनाने' में मदद करते हैं।

हमारे सम्मान

विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही यह सम्मानीय संस्थानों को परामर्श भी प्रदान करता है। सभी शिक्षण विभाग नियमित रूप से पाठ्यक्रम या अन्य सामान्य मुद्दों से संबंधित विषयों पर प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों के सहयोग से सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करते हैं।

- इंडिया टुडे सर्वे के अनुसार हमारा विश्वविद्यालय भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में 34वें स्थान पर है।
- भोपाल स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन।
- इंडिया टुडे सर्वे में हमारे विश्वविद्यालय को भारत के शीर्ष 12 मीडिया कॉलेजों में स्थान दिया गया है
- महामारी के मुद्दों के बारे में जागरुकता पैदा करने और सूचना प्रसारित करने के लिए यूनिसेफ के साथ समझौता ज्ञापन (सार्वजनिक स्वास्थ्य रिपोर्टिंग कार्यक्रम के लिए समालोचनात्मक मूल्यांकन कौशल (CAS)
- मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् के साथ समझौता ज्ञापन
- महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार के साथ समझौता ज्ञापन
- एमओयू, यूनाइटेड नेशन्स
- एमओयू, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
- एमओयू, एमसीयू एवं एल एन सी टी, भोपाल
- एमओयू, एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर
- एमओयू, चौधरी चरन सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी
- एमओयू, मीडिया एवं इंटरटेरमेंट स्किल्स कांउसिल, नई दिल्ली
- मध्यप्रदेश के जनसंपर्क अधिकारियों के लिए प्रशिक्षक के संबंध में राजपत्र अधिसूचना।
- डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के साथ अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।
- अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के साथ समझौता ज्ञापन।
- आनंद विभाग, मप्र के साथ समझौता ज्ञापन।
- "डेटा साइंस" पर कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा आयोजित एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम।
- "संगठनात्मक व्यवहार" पर प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम।
- "उद्यमिता विकास" पर प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित ईडीआईआई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम।
- "डिजिटल युग में अभिनय व्यवसाय कार्यों" पर प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
- "प्रसारण मीडिमा के बदले आयाम" पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
- विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग द्वारा "सिनेमैटिक कम्युनिकेशन" पर आयोजित एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम।

गुणवत्ता शिक्षा और अद्यतन पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय मीडिया उद्योग के लिए अपने अद्यतन पाठ्यक्रमों के माध्यम से आवश्यक उच्च गुणवत्ता तथा अपने कार्य में निपुण विद्यार्थियों को तैयार करता है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रम, रोजगार, नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और पेशे से संबंधित नैतिकता एवं मूल्यों के तैयार किए गए हैं। पाठ्यक्रमों को अपने क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों, राष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, मीडिया विशेषज्ञों एवं पूर्व छात्रों जैसे विभिन्न हितधारकों से इनपुट्स लेते हुए तैयार किया गया है।

विश्वविद्यालय में सभी विभागों द्वारा एक मानक शैक्षणिक कैलेंडर का पालन सुनिश्चित किया जाता है। शैक्षणिक कक्षाओं के लिए न्यूनतम 90 कार्य दिवसों के साथ सेमेस्टर आधारित प्रणाली लागू है। यूजीसी द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार शिक्षा के नवीन तथा प्रभावी विधियों के प्रयोगों को उपयोग मे लाते हुए 2017-18 में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में च्वाइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम (CBCS) प्रणाली को लागू किया गया है। इस वर्ष से विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित नए पाठयक्रम शुरु कर रहा है।

शिक्षण विधियाँ

हम छात्रों को शिक्षित करने की अपेक्षा सीखने पर अधिक जोर देते हैं। विश्वविद्यालय इंटरेक्टिव सत्रों के माध्यम से छात्रों को एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है, ताकि वे अधिक सीख सकें। विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे सभी पाठ्यक्रमों में उचित शिक्षण पद्धति से शिक्षण कार्य किया जाता है। परिसर में उपलब्ध अन्य शिक्षण सुविधाएं विद्यार्थियों को सीखने के और अधिक अवसर प्रदान करती हैं जो उन्हें चुने हुए क्षेत्र के प्रोफेशनल बनने के लिए मददगार होती हैं। महामारी के समय में डिजिटल प्लेटफार्म जैसे गूगल मीट, जूम वेब एप्स, स्काइप आदि का उपयोग करके शैक्षणिक कक्षायें संचालित की जाती रहीं है। इसके साथ अन्य शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं।

योग्य एवं अनुभवी शिक्षक

किसी भी शैक्षणिक संस्थान में शिक्षकों की योग्यता सबसे महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय में पदस्थ सभी शिक्षक उच्च शैक्षणिक योग्यता और प्रोफेशनल अनुभव प्राप्त हैं। नियमित शिक्षकों में प्रतिष्ठित शिक्षाविद और संबंधित व्यवसाय के अनुभवी व्यक्ति शामिल हैं। नियमित शिक्षकों के अतिरिक्त मीडिया तथा आईटी उद्योग से जुड़े व्यक्ति भी कक्षा में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके कार्यस्थलों पर नियमित रूप से निरंतर संपर्क में रहते हैं। विद्यार्थियों को इस प्रकार के संवाद से विषय में एक अलग अंतर्दृष्टि मिलती है जिसमें विशेषज्ञों के समृद्ध औद्योगिक अनुभव का आदान-प्रदान होता है। वे छात्रों को पुस्तकों से परे देखने और अनुभव से सीखने के साथ विषय को समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

उद्योग-अकादमिक सहभागिता

अपने पाठ्यक्रमों के बेहतर बनाने के लिए तथा छात्रों को संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण का वास्तविक अनुभव प्रदान करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों और संबंधित उद्योग के बीच बेहतर संबंध की आवश्यकता है। उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों का यह संबंध संपर्क अनुसंधान, परामर्श, सतत शिक्षा और इंटर्नशिप के लिए अवसर पैदा करने में मदद करता है। विश्वविद्यालय मीडिया और आईटी उद्योग के साथ लगातार संपर्क स्थापित रखता है क्योंकि यह शिक्षण अधिगम पद्धति और पाठ्यक्रम को अद्यतन रखने के प्रयास का अभिन्न अंग है। विश्वविद्यालय मीडिया छात्रों के लिए विभिन्न मीडिया हाउस, पीआर फर्मों, प्रोडक्शन हाउस और कम्प्यूटर संबंधित विषयों के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फर्मों और आईटी सेवाएं देने वाली संस्थाओं से नियमित संपर्क के लिए उनकी शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन करता रहता है। इन प्रयासों से छात्रों को अपने कार्यस्थल पर आने वाली वास्तविकताओं से परिचय होता है तथा भविष्य के कार्यस्थल पर किए जा रहे कार्यों के बारे में अनुभव प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय मीडिया उद्योगों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन करता है। मीडिया उद्योग के अग्रणी व्यक्तियों, वरिष्ठ संपादकों, पत्रकारों, विज्ञापन विशेषज्ञों, मीडिया प्रबंधकों, कंप्यूटर और आईटी विशेषज्ञों को छात्रों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है ये लोग अपने क्षेत्र के व्यापक अनुभव तथा ज्ञान, विद्यार्थियों के ज्ञान संवर्द्धन तथा रोजगार के व्यापक अवसरों को बताने के लिए उनसे साझा करते है। अपने पाठ्यक्रमों को और अधिक प्रभावशाली और अधिक उद्योग-उन्मुख बनाने के लिए के लिए विश्वविद्यालय देश-विदेश की महत्वपूर्ण उद्योग संस्थानों जैसे FICCI, NASCOM, CSI आदि संगठनों से प्राप्त समीक्षा रिपोर्ट, सिफारिशें और सलाह को भी अपनाता है।

मेरिट छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

छात्रवृत्ति और बैंक ऋण छात्रों की पढ़ाई की लागत को पूरा करने में मदद करते हैं। विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश के मूल निवासी छात्रों के लिए सीमित संख्या में मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान करता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए सीमित संख्या में शिक्षण शुल्क में रियायत की सुविधा भी उपलब्ध है। यह छात्रों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और परिसर में आचरण के आधार पर दी जाती है। रक्त संबंध रखने वाले (भाई-बहन, भाई-भाई आदि) नामांकित छात्रों को भी शिक्षण शुल्क में रियायत प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग को, शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को म.प्र. सरकार के नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय छात्रों को राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण प्राप्त करने में मदद भी प्रदान करता है।

शुद्ध भाषा लेखन और प्रवीणता के लिए सुविधाएं

भाषाओं में प्रवीणता मीडिया या संचार पेशेवरों की मूल आवश्यकता है। विश्वविद्यालय ने एक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला का निर्माण किया है जिसमें सॉफ्टवेयर की मदद से छात्रों को हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने के सही तरीके बताए जाते हैं जो वास्तविक परिस्थितियों में प्रयोग के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। छात्रों को अपने संचार कौशल में सुधार के लिए डिजिटल लैब में अभ्यास और ट्यूटोरियल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

सूचनाएं पत्रकारिता एवं संचार क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए जीवन-रेखा के समान हैं। वह शोध के मूल में स्थापित हैं और ज्ञानार्जन का प्रमुख तत्व है। विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों की पहुंच सूचना के लगभग हर स्त्रोत तक हो।

विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय उनकी इस आवश्यकता की पूर्ति करता है। विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय सुव्यववस्थित तथा O P A C सुविधायुक्त है, जिसमें विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें एवं स्त्रोत उपलब्ध हैं। इसमें मीडिया, पत्रकारिता, साहित्य, भाषा, जनसंपर्क, फिल्म, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित विषयों पर लगभग 41,000 पुस्तकें हैं।

पुस्तकालय छात्रों को ई-पुस्तकें, ऑनलाइन पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय को प्रयोग करने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। यहां रोजाना 40 से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्र आते हैं और उन्हें पठन-पाठन तथा संदर्भों के लिए पुस्तकालय में रखा जाता है। इसके अलावा, लगभग 100 विशिष्ट विषयों पर केन्द्रित पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं। साथ ही विद्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षा आधारित पत्रिकाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं। पुस्तकालय में पत्रकारिता, मीडिया और संचार, आईटी और कम्प्यूटर क्षेत्रों पर अनुसंधान पत्रिकाओं का भी विशाल संग्रह है। पुस्तकालय में एशिया पैसिफिक मीडिया एजुकेटर, जर्नलिज्म, कम्यूनिकेशन, विदुरा, पीआर कम्युनिकेशन एज, साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोशियो-पॉलिटिकल स्टडीज जैसी साठ से अधिक शोध पत्रिकाओं की सदस्यता भी है।

मीडिया से संबंधित शोध में सहायता के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ने 300 विशिष्ट विषयों पर समाचार पत्रों की कतरनों का संग्रह विकसित किया है और नियमित रूप से इसको अपडेट कर रहा है। छात्रों को पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित करने हेतु हर साल एक विद्यार्थी को पुरस्कार प्रदान किया जाता है जो पुस्तकालय में सबसे अधिक समय व्यतीत करता है। केन्द्रीय पुस्तकालय के अलावा, प्रत्येक शिक्षण विभाग के पास पुस्तकों एवं पत्रिकाओं तथा जर्नल्स के साथ अपना स्वयं का पुस्तकालय भी है।

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सुविधाएं

विश्वविद्यालय छात्रों को नियोक्ताओं और पूर्व छात्रों की मदद से चुने हुए क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाने में और सफलता प्राप्त करने में मदद करता है। मीडिया और आईटी उद्योगों की प्रसिद्ध कंपनियां सक्रिय रूप से लगातार हमारे संपर्क में रहती हैं तथा अधिकांश छात्रों को पाठ्यक्रम समाप्ति के पूर्व ही छात्रों को रोजगार प्रदान करती हैं। विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्रों के लिए एक केंद्रीकृत प्लेसमेंट प्रकोष्ट है। हॉलाकिं बाजारों में नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा अधिक है किन्तु, हमारे छात्र अपने चुने हुए क्षेत्र में प्रगति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से पूरी तरह से सुसज्जित हैं। अत: उनको नौकरियों की कोई कमी नहीं है। मीडिया क्षेत्र के प्रोफेशनल्स योग्य सलाहकारों की हमारी टीम निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है जो विद्यार्थियों को आगे के अध्ययन और छात्रों के करियर के विकास के संदर्भ में हमेशा कुछ नया ही पेश करती रहती है। कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र चयनित होते हैं। विश्वविद्यालय में कैंपस के माध्यम से चयनित विद्यार्थी लगभग सभी मीडिया संस्थानों में कार्यरत हैं। जिनमें से प्रमुख है - BBC, NDTV, ABP News, AajTak, Zee News, ETV, Door Darshan, LokSabha TV, RajyaSabha TV, Times of India, Sahara, Star News।

करियर परामर्श प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने प्रवेश के समय संभावित छात्रों को सही मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक परामर्श प्रकोष्ठ भी स्थापित किया है। प्रत्येक शिक्षण विभाग ने छात्रों को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से भी एक कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ छात्रों के साथ लगातार मिलकर काम करता है ताकि उनके समग्र व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सके। वे अलग खड़े हो सकें और प्रतिस्पर्धी माहौल में सफल हो सकें। मीडिया सम्बंधित उद्योगों से संपर्क और संबद्ध क्षेत्र के अग्रणी व्यक्तियों के साथ बातचीत के अवसर प्रदान कर हम छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

छात्रावास सुविधाएं

अच्छे अनुशासन और पर्याप्त उच्च सुरक्षा वाले विश्वविद्यालय परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। रैगिंग मुक्त वातावरण और सुसज्जित कमरों के साथ प्रत्येक लड़के और लड़कियों के छात्रावास की क्षमता 150 है। प्रत्येक कमरे में एक छात्र के लिए आवश्यक फर्नीचर अर्थात् बिस्तर, मेज, कुर्सी, अलमारी आदि उपलब्ध कराया जाता है। छात्रावास का संचालन मुख्य वार्डन द्वारा किया जाता है और वार्डन/सहायक वार्डन द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। योग्यता के आधार पर छात्रों को छात्रावास आवंटित किया जाता है। लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग मेस है। मेस के सुचारू संचालन के लिए छात्रावास समिति, मेस समिति के साथ समन्वय करती है। भोजन की गुणवत्ता की समीक्षा और निरीक्षण नियमित अंतराल पर किया जाता है।

प्रतिभा

विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'प्रतिभा' के तहत हर साल विश्वविद्यालय द्वारा अंतर-विभागीय खेल तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय परिसर में बहुत सारी सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ होती हैं। 'प्रतिभा' कार्यक्रम के दौरान छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। विविध पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से आए छात्रों को अपनी खेल, कला, कौशल, साहित्य एवं अन्य कलाओं के प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान किया जाता है। वार्षिक उत्सव के तहत समूह नृत्य, पश्चिमी एकल और शास्त्रीय एकल, पावर प्वाइंट प्रस्तुति, स्टोरी बोर्डिंग, माइम, स्क्रिप्ट, तत्कालिक भाषण, फोटोग्राफी और वाद-विवाद आयोजित किया जाता है। क्रिकेट, फुटबॉल, शतरंज, बैडमिंटन और कैरम खेल जैसे इंडोर और आउटडोर गेम्स भी आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालयीन प्रतिभा में विजयी प्रतिभाशाली छात्र राज्य स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर अंतर-विश्वविद्यालय या क्षेत्रीय युवा उत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

खेल और पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए, प्रत्येक छात्र को खेल और पाठ्येत्तर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

रेल किराए में छूट

25 वर्ष से कम आयु के छात्र, शैक्षणिक कैलेंडर में घोषित छुट्टियों के दौरान अपने गृहनगर, शैक्षिक भ्रमण पर जाने-आने और अंतिम वर्ष के अंत में अपने घर जाने की यात्रा के लिए रेलवे किराये में रियायत की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

उत्पादन गतिविधियाँ

हमारा उद्देश्य प्रत्येक छात्र को अपने कैरियर और जीवन के विविध क्षेत्रों में सफलता के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए स्वयं करके देखना गतिविधि जो शिक्षण के बेहतर उत्पादक और अभिनव तरीकों में से एक को अपनाते हैं। हर सप्ताह छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रोग्राम संयोजन गतिविधि शुरु की है। इस विश्वविद्यालय में छात्रों को इन गतिविधियों के माध्यम से फिल्म, फोटोग्राफी, प्रिंट जर्नलिज्म और मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग, अनुसंधान आधारित क्षेत्र सर्वेक्षण, पैकेजिंग डिजाइनिंग, वृत्तचित्र, पटकथा लेखन, समाचार बुलेटिन, डिजिटल पोस्टर, लोगो आदि डिजाइन करना, इन-हाउस जर्नलिंग डिजाइनिंग सहित विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियों पर व्यावहारिक अभ्यास करने का अवसर मिलता है। ये गतिविधियाँ छात्रों को बाजार की वास्तविक स्थितियों में नौकरी प्राप्त करने के शीघ्र ही अनुकूल तथा सक्षम बनाती हैं। कम्प्यूटर अनुप्रयोग के छात्र अपनी क्षमताओं को बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर परीक्षण करने के लिए उद्योगों द्वारा प्रायोजित लाइव प्रोजेक्ट करते हैं।

विश्वविद्यालय प्रकाशन

विश्वविद्यालय का अपना प्रथक प्रकाशन विभाग है जो सभी प्रकाशन कार्यों के प्रलेखन का रखरखाव करता है। प्रकाशन विभाग के माध्यम से विभिन्न पुस्तक एवं शोध का प्रकाशन किया जाता है। इसके अलावा यह जनसंचार, पत्रकारिता, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मीडिया प्रबंधन और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के क्षेत्र में प्रतिष्ठित और सम्मानित जर्नल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड त्रैमासिक शोध पत्रिका "मीडिया मीमांसा" ISSN2229-5593 को प्रकाशित करता है।

हिंदी को अधिक महत्व देने के साथ ही भारतीय भाषाओं में मीडिया और संचार सुविधाओं को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने हिंदी और अंग्रेजी में महत्वपूर्ण शैक्षणिक सामग्री के विकास तथा प्रकाशन कार्य प्रगति की है। विश्वविद्यालय ने एक सामग्री निर्माण और प्रकाशन सेवा का विकास किया है, जिसके माध्यम से कई उच्च गुणवत्ता की किताबें एवं नियमित तथा समय-समय पर प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं आदि का प्रकाशन संभव हुआ है। विश्वविद्यालय ने मीडिया और पत्रकारिता से संबंधित मुद्दों के मूल्यांकन और सुधार के लिए देशव्यापी कई शोध परियोजनाएं भी संचालित की हैं।

विश्वविद्यालय ने साहित्य पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, प्रेस कानून, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, खेल पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता और अन्य संचार संबंधी महत्वपूर्ण विषय पर 77 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन किया है। प्रख्यात संपादकों के योगदान और व्यक्तित्व पर केन्द्रित 30 मोनोग्राफ भी प्रकाशित किए हैं।

पूर्व छात्र संघ

विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण हो चुके छात्रों की प्रतिभा और अनुभव का लाभ लेने के लिए विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इसके लिए देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर पूर्व विद्यार्थियों की बैठक आयोजित की जाती है। इस तरह की बैठकें पूर्व विद्यार्थियों को नए छात्रों के साथ उनका अनुभव साझा करने का अवसर देती हैं और वर्तमान छात्रों को उनका संदर्भ प्रदान करते हुए अच्छी संस्थाओं में नौकरी मिलने के अवसर देकर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करती है। वर्तमान छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने पूर्व छात्रों की सफलता की कई कहानियाँ प्रकाशित की हैं।

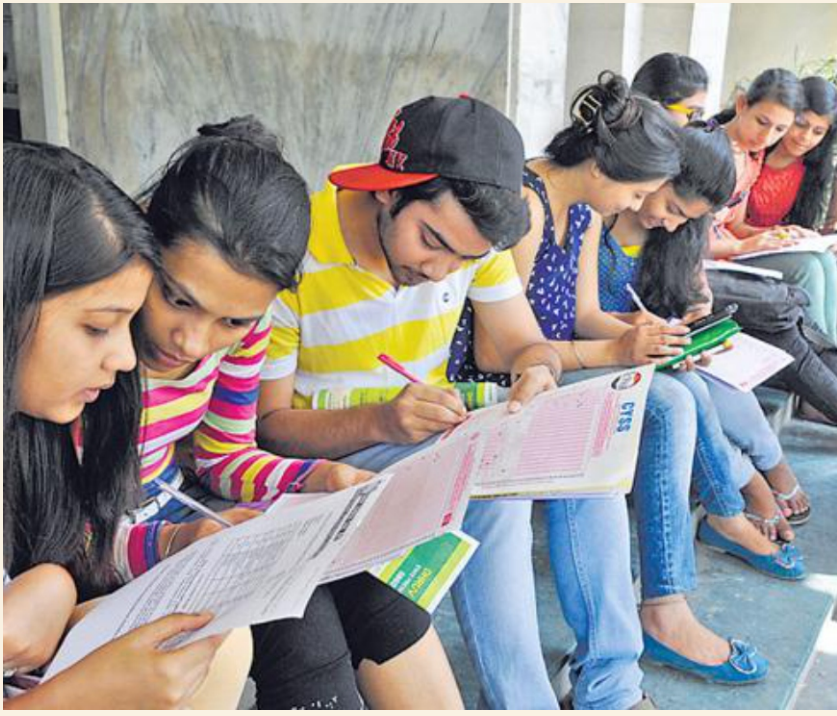

व्यायामशाला तथा प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं

विश्वविद्यालय छात्रों को एक बुनियादी व्यायामशाला और प्राथमिक चिकित्सा सहायता की सुविधाएं प्रदान करता है। प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा तथा एक डॉक्टर विश्वविद्यालयीन कार्य समयों के दौरान परिसर में उपलब्ध रहता है। वरिष्ठ चिकित्सक भी समय-समय पर या आवश्यकता के अनुसार परिसर का दौरा करते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त पुरस्कार

अपनी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी को निभाने के लिए विश्वविद्यालय ने संचार के क्षेत्र से संबंधित व्यक्तियों को इस क्षेत्र में अपना योगदान प्रदान करने एवं प्रोत्साहन देने के लिए पुरस्कार स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर संचार क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। पुरस्कार प्रदान करने के लिए उपयुक्त व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं तथा प्राप्त आवेदनों के आधार पर उनमें से सर्वाधिक उचित व्यक्ति का चयन एक पूर्ण पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाते हुए एक निर्णायक मंडल द्वारा किया जाता है।

शोध

विश्वविद्यालय मीडिया और कंप्यूटर अनुप्रयोगों के विषयों में अपने संकाय सदस्यों के साथ-साथ पीएचडी के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों के माध्यम से अपने गुणवत्ता अनुसंधान योगदान के लिए जाना जाता है।

नामांकन

किसी भी स्नातक तथा स्नाकतोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों को नियमानुसार विश्वविद्यालय में अपनी नामांकन प्रक्रिया को पूर्ण करना आवश्यक है। नामांकन के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज निर्धारित तिथि से पहले संबंधित विभाग में जमा करना आवश्यक है। यह प्रकिया न करने पर छात्र का प्रवेश स्वतः रद्द माना जाएगा। इसी तरह पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद विश्वविद्यालय छात्र के आवेदन के आधार पर माइग्रेशन सर्टिफिकेट जारी करेगा।

छात्र की उपस्थिति

विश्वविद्यालय में सेमेस्टर की शुरुआत के साथ ही कक्षाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। छात्रों को सभी कक्षाओं में उपस्थित रहना आवश्यक है। कक्षाओं और व्यावहारिक कार्य में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। इससे कम उपस्थिति के मामले में छात्रों को विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली आंतरिक परीक्षाओं में तथा सेमेस्टर के अंत मे होने वाली मुख्य परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बिना किसी पूर्व सूचना के लगातार छह दिनों तक अनुपस्थित रहने पर छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है। कुछ विशेष मामलों के तहत उन्हें अपेक्षित शुल्क के भुगतान और आवश्यकताओं की पूर्ति करने की शर्त के आधार पर ही पुनः प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। छात्र अध्ययन के दौरान केवल एक नियमित पाठ्यक्रम कर सकते हैं। किसी भी छात्र को कोर्स के दौरान कोई भी नियमित नौकरी करने की अनुमति नहीं है।

आचरण और अनुशासन

विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में और परिसर से बाहर छात्रों के आचरण-व्यवहार के लिए उच्च मानक निर्धारित किए हैं। परिसर में छात्रों से अनुशासन और अच्छे व्यवहार के साथ-साथ परिसर से बाहर आचरण के उच्चतम मानकों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। विश्वविद्यालय परिसर पूरी तरह से रैगिंग-मुक्त हैं तथा रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध है इस संबंध में शिकायत मिलने पर कोई रियायत नहीं बरती जाती है। विश्वविद्यालय ने यूजीसी रैगिंग विनियमन के अनुसार रैगिंग मामले की निगरानी के लिए एंटी-रैगिंग दस्ते और समिति का गठन किया है। कैंपस / हॉस्टल / परिसर के बाहर भी किसी भी तरीके से रैगिंग में भाग लिए जाने के दोषी पाए जाने पर छात्र के खिलाफ निष्कासन या दंडात्मक कार्रवाई सहित कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के प्रावधान हैं। प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक सत्र भर में उसके उचित आचरण के लिए उसके / उसके अभिभावक / माता-पिता द्वारा विधिवत रूप से प्रतिज्ञापत्र, लिखित रूप में प्रस्तुत करना आवश्यक है। छात्र और उसके अभिभावक द्वारा और विश्वविद्यालय के नियमों और मानदंडों का पालन करने के लिए अच्छे व्यवहार का प्रतिज्ञा पत्र भी दिया जाना अनिवार्य है। छात्र विश्वविद्यालय के संबंधित एचओडी / विरोधी-रैगिंग समिति को उसके साथ हुई रैगिंग संबंधी घटना (यदि कोई हो) के बारे में अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। छात्रों को उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशा निर्देशों और विश्वविद्यालय की आचार संहिता का भी सख्ती से पालन करना होगा। इसके उल्लंघन पर छात्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी अथवा छात्र को निलंबित / निष्कासित भी किया जा सकता है।

सोशल मीडिया नीति

विश्वविद्यालय में छात्रों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सावधानीपूर्वक और रचनात्मक उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। किन्तु उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अन्य छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों के अधिकारों या निजता का उल्लंघन नहीं करेंगे। यह भी अपेक्षित है कि वे सोशल सीडिया पर अन्य छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के बारे में गलत विचार या टिप्पणी नहीं करेंगे। सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद, टिप्पणी या प्रतिक्रिया करते समय छात्रों को विशेष ध्यान रखना चाहिए। छात्रों को अपने व्यक्तिगत सोशल मीडिया अकाउंट पर किसी भी मामले में पोस्ट करते समय उच्चतम आचार एवं मानकों को बनाए रखना चाहिए। कार्यालयीन सदस्यों, शिक्षकों, अन्य छात्रों से संबंधित कोई भी पोस्ट, जो मानहानि, भेदभावपूर्ण, धमकी देने वाली हो, जिससे किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे, उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट नहीं किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत, आपत्तिजनक पोस्ट या टिप्पणी किए जाने और सम्बंधित आचार संहिता का उल्लंघन करने पर सम्बंधित छात्र के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा

विश्वविद्यालय पूर्ण सजगता, वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता के साथ सेमेस्टर / आंतरिक / व्यावहारिक परीक्षाएं आयोजित करता है। शैक्षणिक कैलेंडर में ही निर्धारित कार्यक्रम के साथ प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान विशेष रूप से तीन आंतरिक विभागीय परीक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं। सेमेस्टर की अंतिम परीक्षाएं प्रतिवर्ष दिसंबर-जनवरी और मई-जून में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुसार आयोजित की जाती हैं। मूल्यांकन में निरंतर मूल्यांकन और सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा का मूल्यांकन शामिल है। छात्रों से परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए परीक्षा नियमावली के तहत जारी गाइडलाइन का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन भरे जाते हैं। विश्वविद्यालय के पास शैक्षणिक या परीक्षा प्रणाली में संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित है।

सेमेस्टर पंजीकरण

विश्वविद्यालय सभी छात्रों से अकादमिक सत्र की शुरुआत में घोषित वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर में उल्लेखित सभी गतिविधियों का समयानुसार सख्ती से पालन करने की अपेक्षा रखता है। इसके लिए प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में सभी छात्रों को विभाग द्वारा घोषित निर्धारित तिथि पर संबंधित विभागों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। छात्रों को सीबीसीएस पद्धति में प्रदान किए गए अन्य विभागों के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (ओपन इलेक्टिव) की सूची में से अपनी पसंद के अनुसार पाठ्यक्रम को पंजीकरण के दौरान चयन करना अनिवार्य है। छात्र को पंजीकरण के समय ही सेमेस्टर के लिए अपने पाठ्यक्रम में उपलब्ध सेमेस्टर के वैकल्पिक विषयों (कोर इलेक्टिव) का चयन भी करना होगा। छात्रों को पंजीकरण के समय अपने सभी बकाया शुल्क और राशि, यदि कोई हो तो, को भी अदा करना होगा।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)

छात्रों में राष्ट्रीय भावना और अनुशासन को विकसित करने के लिए एनसीसी सेना विंग की शुरुआत विश्वविद्यालय में वर्ष 2015 में भारतीय सेना की 4 एमपी बटालियन, भोपाल के अंतर्गत एक शाखा के रुप मे की गई थी। विश्वविद्यालय की एनसीसी शाखा में वर्तमान में 54 कैडेट शामिल हैं। कंपनी में वर्तमान में एनसीसी अधिकारी मुकेश कुमार चौरासे हैं। वे 2017 से विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय कैडेट कोर एक व्यक्ति के चरित्र को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह टीम वर्क और व्यक्तियों के प्रबंधन की भावना को बढ़ावा देता है और समग्र व्यक्तित्व को और अधिक निखारता है।

- एनसीसी निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है:
- युवा पुरुषों की ऊर्जा और गतिशीलता को उनके लिए और समाज के लिए फायदेमंद गतिविधियों में बढाने के लिए प्रयास करना।
- अवकाश के समय का रचनात्मक उपयोग, मनोरंजन, व्यापक सांस्कृतिक सहानुभूति, सामाजिक चेतना और सतर्कता का माहौल बनाना।
- एनसीसी के महत्व को पहचानते हुए संस्थान छात्रों को एनसीसी का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करना।
- संस्थागत प्रशिक्षण में कैडेटों को बुनियादी सैन्य पहलुओं में प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि शारीरिक फिटनेस, फुट ड्रिल और कमांड, हथियार प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, सिविल डिफेंस, मैप रीडिंग आदि के साथ-साथ गार्ड ऑफ ऑनर और परेड गणतंत्र दिवस(26 जनवरी), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना(NSS) राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। देश में यह योजना गांधी जी की जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में प्रारंभ की गई थी। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है।महिला एवं बाल विकास, साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, नशा मुक्ति अभियान, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित लोगों की सहायता आदि। विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई में वर्तमान में 112 विद्यार्थी शामिल हैं। डॉ. गजेन्द्र सिंह अवास्या इस योजना के कार्यक्रम अधिकारी हैं।

NCC
NCC

गतिविधियां@एमसीयू

सभी शिक्षण विभाग नियमित रूप से छात्रों के लाभ के लिए पाठ्यक्रम या अन्य समसामयिक महत्वपूर्ण मुद्दों से संबंधित विषयों पर प्रख्यात पेशेवरों द्वारा सेमिनार, कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित करते हैं। कुछ प्रख्यात वक्ता जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया –

- डॉ. राजेन्द्र सिंह, पर्यावरण़विद् एवं रेमन मेगसेस, पुरस्कार विजेता
- श्री अजीत राय, वरिष्ठ फिल्म समीक्षक
- प्रो. खेम सिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
- श्री आशुतोष तिवारी, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मंडल
- प्रो. बल्देव भाई शर्मा, कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय
- श्री अनिल हसानी, प्रबंधक, आरबीआई
- श्री वीरेंद्र मिश्रा, एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
- श्रीमती मोनिका अरोरा, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट
- श्री अतुल गंगवार, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्क्रिप्ट राइटर
- श्री आकाशादित्य लामा, स्क्रिप्ट राइटर एवं डायरेक्टर
- प्रोफेसर डॉ. शीतल शर्मा, स्कूल ऑफ़ इन्टरनेशनल स्टडीस, जेएनयू
- श्री अशोक शरण, प्रख्यात फ़िल्म निर्माता
- श्री मोहित सोनी सीईओ, मीडिया एंड इंटरटेनमेंट स्किल काउंसिल, नई दिल्ली
- श्री श्रीधर राममूर्ति, कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फ़ॉर एशिया, मीडिया सेंटर इग्नू अन्ना विश्वविद्यालय एवं पूर्व निदेशक, आईआईटी रुड़की
- श्री उमेश उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार, अध्यक्ष एवं मीडिया निदेशक, रिलाइंस इंडस्ट्री लिमिटेड
- प्रो. उमेश आर्य, डीन, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार में मीडिया अध्ययन विभाग
- श्री विजय एस, जोधा, डायरेक्टर फिल्म एंड फोटोग्राफी सेंटर फॉर सोशल कम्युनिकेशन एंड चेंज
- श्री सुशांत सिन्हा, टीवी एंकर एवं वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय शिक्षण मण्डल, नीति आयोग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार वि
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रा
" राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्रियान
01-02 मार्च 2021

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
8 मार्च 2021, अपराह्न 3:30 बजे
"नारी नेतृत्व : एक समान भविष्य की ओर"

सम्पर्क अधिकारि
दो दिवसीय
14 -
17 दिसम्बर

Workshop on
Public Health and Evidence Based Reporting (EBS)

Prof K G Suresh VC M...
Dr. Mani Nair, Bhopal.
deepak parvatiyar
Dr.Rakhi Tiwari

प्रिय विद्यार्थियों का स्वागत
एवं
नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

- श्री अभिजीत मजूमदार, संस्थापक एवं एडिटर इन चीफ, Earshot media
- पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, संस्थापक निदेशक, माधवराव सप्रे संग्रहालय, समाचार पत्र और अनुसंधान संस्थान, भोपाल
- डॉ. शिरीष काशीकर, निदेशक, भारतीय जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, अहमदाबाद
- प्रो. विनय कपूर मेहरा, कुलपति, डॉ. बीआर अम्बेडकर नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी
- सुश्री मार्गरिट ग्वाडा चीफ, यूनिसेफ, मध्यप्रदेश
- श्री प्रभु चावला, वरिष्ठ पत्रकार
- श्री मुकुल कानिटकर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल
- श्री विवेक अग्निहोत्री, फिल्म निर्देशक
- महामहिम श्री आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, केरल
- प्रो. जयंत सोनवलकर, कुलपति, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय
- श्री भरत शरण, अध्यक्ष, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग
- श्री विनीत कौशिक, विशेषज्ञ, ऊर्जा सरंक्षण, भारत सरकार
- श्री कामाख्या नारायण सिंह, चर्चित फिल्म निर्देशक
- श्री टी.एस. वर्मा क्षेत्रीय निदेशक अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
- श्री आदित्य सेठ फिल्म मेकर एवं फिल्म एकेडमीशियन
- श्री राहुल रवैल निर्माता निर्देशक, केंद्रित एफडीपी
- डॉ. राजेंद्र सिंह, पर्यावरणविद और जल संरक्षक
- श्री सुरेश श्रीवास्तव, महासचिव, इंडियन फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन नई दिल्ली
- श्री दीपक पर्वतयार, पर्यावरण पत्रकार एवं मीडिया सलाहकार इंडियन फेडरेशन यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन
- सुश्री मीतू समर, सीईओ, रेपुटेशन मेकिंग फर्म "एमिनेंस"
- श्री अतुल तारे, वरिष्ठ पत्रकार
- श्री आलोक वर्मा, उद्यमी, प्रतिष्ठित डिजिटल मीडिया प्रोफेशनल
- पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय
- डॉ. श्रीनिवास के राव, वैज्ञानिक, न्यूयॉर्क
- श्री प्रफुल्ल कृष्ण, वैज्ञानिक, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस
- प्रोफेसर नंद किशोर पाण्डेय, डीन, राजस्थान विश्वविद्यालय, निदेशक (अनुसंधान)
- डॉ प्रकाश बरतुनिया, चांसलर, बाबा साहेब अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ

- पद्मश्री, वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, केंद्रीय आयुष मंत्रालय
- श्री जयंत राव सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, विज्ञान भारती
- डॉ उमाशंकर पचौरी, राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय शिक्षण मंडल
- प्रोफेसर मजहर आसिफ, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
- डॉ मोहन यादव, मंत्री, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश
- डॉ निर्मल मणि अधिकारी, प्रोफेसर, काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल
- श्री पंकज मित्तल, उप निदेशक
- डॉ. मिहालिस हॉलकीडिस, सीईओ, एमसीएम प्राइम (यूएसए)
- डॉ सुमित नरुला, निदेशक, एमिटी स्कूल, संचार, ग्वालियर
- जी. सुमनसेकरा, अध्यक्ष, कोलंबो चैंबर्स ऑफ कॉमर्स
- श्री आलोक वर्मा, संपादक और संस्थापक Nyoooz.com
- डॉ वंदना भाटिया, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, यूनिसेफ
- श्रीमती नविका कुमार, समूह संपादक, टाइम्स नेटवर्क
- डॉ. संतोष शुक्ला, अपर निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
- श्री संजय अभिज्ञान, कार्यकारी संपादक, अमर उजाला समूह
- डॉ. आनंद पाण्डेय, डायरेक्टर, सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी विभाग, धर्मशिला सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल
- श्री संजय देव, वरिष्ठ पत्रकार
- डॉ. पी.के. सिंघल शिशु चिकित्सक इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली
- प्रो. प्रकाश सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- श्री उमेश उपाध्याय, मीडिया निदेशक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष

रेडियो
दस्तक
90.8 FM
नेगा उज्जैन - बढ़ेगा उज्जैन

Our Placements in Media Organisations
Our Placements in IT Organisations

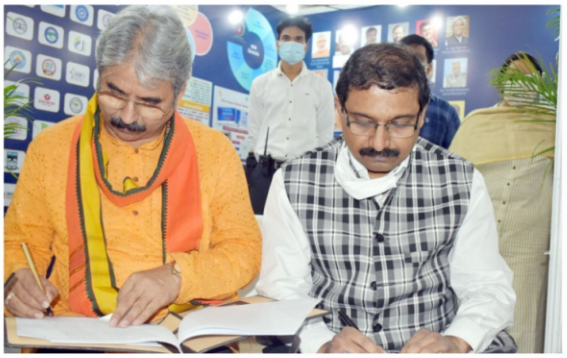

सार्थक

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय
पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

Department
Blog

PHOTO
EXHIBITION
DHAR & JHABUA
AT BHOPAL
WORLD CHILDREN'S
DAY

राष्ट्रीय सेवा योजना
(NSS)

INTERNATIONAL CONFERENCE
CHANGING DIMENSIONS OF BROADCAST MEDIA

साहित्यिक यात्रा

Celebration of
NATIONAL SCIENCE
Day 2021
Date - 09 March, 2021
Time - 11:30 AM - 2:00PM
ORGANISED BY:
SUPPORTED BY :

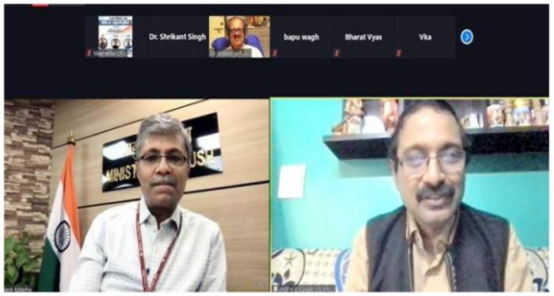
Dr. Shrikant Singh
bapu wagh
Bharat Vyas
Vka

पत्रकारिता विभाग
नया साल-नई उमंग

करियर और छात्र रोजगार सेवा

- हमारे मिशन के अनुसार ही हमारे व्यावसायिक रूप से प्रासंगिक पाठ्यक्रम लोगों के दैनिक जीवन में गुणवत्ता बढ़ाने वाले हैं। इस विश्वविद्यालय से डिग्री लेकर आप अपने आपको एक ऐसे करियर के लिए तैयार करते हैं जो नौकरी से संतुष्टि प्रदान करता है साथ ही समाज की भलाई में योगदान देता है।
- जॉब मार्केट के तेजी से प्रतिस्पर्धी होने के साथ हम निरंतर यह चाहते हैं कि हमारे छात्र अपने चुने हुए क्षेत्र में प्रगति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से पूरी तरह सुसज्जित हों। हमारे कई पाठ्यक्रम उन लोगों के उद्देश्य हेतु हैं तो पहले से ही एक विशिष्ट क्षेत्र में काम रहे हैं और पदोन्नति हासिल करने या प्रबंधकीय पद की योग्यता पाना चाहते हैं।
- हमारा उद्यमिता और प्लेसमेंट सेल डिग्री, अध्ययन का विषय, अध्ययन के स्तर या करियर योजना के चरण की उपेक्षा कर सभी छात्रों का समर्थन करती है। पेशेवर रूप से योग्य सलाहकारों को हमारी टीम प्रत्येक विषय क्षेत्र के साथ मिलकर काम करती है ताकि आपकी आवश्यकतानुसार सहायता सुनिश्चित हो।
- एम्प्लॉयबिलिटी सेंटर आपके करियर अनुसंधान का संचालन करने और 'ड्रॉप-इन' आधार पर करियर टीम के सदस्यों के साथ संवाद करने के लिए एक आरामदायक स्थान प्रदान करता है। आप इन विषयों पर सेमिनार और सम्मेलनों में भाग ले सकते हैं जैसे- साक्षात्कार का सामना कैसे करें, रेज्यूम लेखन, व्यक्तित्व विकास आदि।
- आप जो भी योग्यता पर विचार कर रहे हैं, याद रखें कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय अपने निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आगे के अध्ययन तथा करियर को विकसित करने के रूप में हमारे पास आपको देने के लिए हमेशा कुछ और ज्यादा होगा।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism & Communication

Our Placements in Media Organisations

Our Placements in IT Organisations

अकादमिक विभाग
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग
कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
सिनेमा अध्ययन विभाग
पत्रकारिता विभाग
जनसंचार विभाग
विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग
प्रबंधन विभाग
न्यू मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग
संचार अनुसंधान विभाग
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

प्रस्तावित कार्यक्रम

1.	मास्टर ऑफ आर्ट्स (पत्रकारिता)	MA(J)
2.	मास्टर ऑफ आर्ट्स (डिजिटल पत्रकारिता)	MA(DJ)
3.	मास्टर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)	Msc(EM)
4.	मास्टर ऑफ आर्ट्स (प्रसारण पत्रकारिता)	MA(BJ)
5.	मास्टर ऑफ आर्ट्स (विज्ञापन और जनसंपर्क)	MA(APR)
6.	मास्टर ऑफ साइंस (फिल्म निर्माण)	Msc(FP)
7.	मास्टर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन)	MA(MC)
8.	मास्टर ऑफ साइंस (न्यू मीडिया)	Msc(NM)
9.	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (मीडिया बिजनेस मैनेजमेंट)	MBA(MBM)
10.	मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन	MCA
11.	मास्टर ऑफ साइंस (मीडिया रिसर्च)	Msc(MR)
12.	ग्रामीण पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	PGDRJ
13.	कला स्नातक (पत्रकारिता और रचनात्मक लेखन)	BA(JCW)
14.	बैचलर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) (ऑनर्स)	Bsc(EM)
15.	बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन) (ऑनर्स)	BA(MC)
16.	बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ई-कॉमर्स)	BBA(ECOM)
17.	बैचलर ऑफ़ कॉमर्स (मैनेजमेंट) (ऑनर्स)	Bcom (Managemnet)
18.	बैचलर ऑफ़ साइंस: फिल्म एंड कम्युनिकेशन स्टडीज़	BSc(FCS)Hons
19.	बैचलर ऑफ साइंस (मल्टीमीडिया)	BSc(MM)
20.	बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (मुद्रण और पैकेजिंग)	BTech(PP)
21.	बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (मुद्रण और पैकेजिंग पार्श्व प्रवेश)	BTech(PP)LE
22.	बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)	BCA (Hons)
23.	बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस	BLIS
24.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमना इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	PGDCA
25.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा	DCA
26.	बी.ए. (विज्ञापन और जनसंपर्क) (ऑनर्स)	BA(APR)
27.	बी.एससी. (ग्राफिक्स और एनिमेशन)	B.Sc.(GA)
28.	मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस	MLIS
29.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म जर्नलिज्म	PGDFJ
30.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ग्रामीण पत्रकारिता	PGDRJ

पत्रकारिता विभाग

पत्रकारिता विभाग की स्थापना वर्ष 1991 में हुई। विश्वविद्यालय भी इसी वर्ष अस्तित्व में आया। विभाग की स्थापना का एक स्पष्ट उद्देश्य, कुशल एवं दक्ष पत्रकार तैयार करना है। वर्तमान में विभाग विद्यार्थियों को पत्रकारिता से संबंधित प्रशिक्षण के साथ-साथ डिजिटल पत्रकारिता, सृजनात्मक लेखन एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में कैरियर बनाने की दृष्टि से प्रशिक्षित और प्रोत्साहित करता है और विभाग सतत प्रयत्नशील है कि विद्यार्थी मीडिया जगत में चल रहे रुझानों व परिवर्तनों से भलीभांति परिचित रहें. इसके लिए उन्हें जनसंचार, पत्रकारिता के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक कौशल अर्जित करने के पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं। विद्यार्थी शैक्षणिक विशेषज्ञों के निरंतर संपर्क में रहते हैं और उनका विशेषज्ञों से वैचारिक मंथन एवं संवाद का सिलसिला जारी रहता है।

- मीडिया उद्योग के विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर गुणात्मक सुधारों की दृष्टि से पाठ्यक्रम संशोधित एवं नवीनीकृत किए जाते हैं।
- सब प्रयासों के पीछे एक ही आशय है विद्यार्थियों को बदलते मीडिया परिदृश्य की आवश्यकता के अनुसार तैयार करना।
- विभाग अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण तथा नवाचार के लिए जाना जाता है। फैकल्टी अपने विषयों की विशेषज्ञ तो है ही, इसके अतिरिक्त मीडिया जगत के विशेषज्ञों को भी विशेष व्याख्यान देने के लिए समय-समय पर आमंत्रित किया जाता है।
- विभाग के पास स्वयं की लाइब्रेरी, मीडिया लैब न्यूज रुम एवं कॉफ्रेंस हॉल है।

विभाग पत्रकारिता के वर्तमान रुझानों, सामयिक विषयों एवं जनसंचार, मीडिया कानून, ले-आउट डिजाइन, फीचर लेखन एवं डिजिटल पत्रकारिता जैसे विषयों पर नियमित रुप से कार्यशालाओं का आयोजन करता है। वर्तमान में विभाग के अनेक पूर्व विद्यार्थी मीडिया जगत के श्रेष्ठ संस्थानों में कार्यरत हैं। इनमें प्रमुखतः द हिन्दू, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान टाइम्स, इंडिया टुडे, अमर उजाला, नवभारत टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस, आज तक, टाइम्स ऑफ इंडिया ,न्यूज-18, सीएनबीसी, जी न्यूज, साधना न्यूज, एबीपी न्यूज, एनडीटीवी, आकाशवाणी, बी.बी.सी डॉट कॉम, दूरदर्शन जैसे अन्य प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल संस्थान शामिल हैं।

शिक्षक परिचय

डॉ. राखी तिवारी
सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. रंजन सिंह
वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक

डॉ. मणि नायर
सहायक प्राध्यापक

श्री लोकेन्द्र सिंह राजपूत
सहायक प्राध्यापक

प्रो. शिवकुमार विवेक
अनुयोजित प्राध्यापक

श्री सतेन्द्र डेहरिया
सहायक प्राध्यापक

पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम

एम.ए. (पत्रकारिता)

पाठ्यक्रम अवधि : 02 वर्ष (4 सत्र) सीट - 40

शैक्षणिक योग्यता-आवेदक का मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के बारे में

प्रिन्ट मीडिया हमारे जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय घटनाओं से अवगत कराने के मामले में काफी प्रभावकारी माध्यम सिद्व हुआ है। इसके अलावा वह हमें विश्लेषण करने में समर्थ करता है और जनसामान्य से जुड़े विषयों एवं समस्याओं के प्रति जागरूक करता है।

यह पाठ्यक्रम प्रिन्ट मीडिया के विभिन्न पहलुओं जैसे-समाचार लेखन, संपादन, समाचार संकलन के साथ-साथ आधुनिक मीडिया पर केन्द्रित है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- दक्ष और पेशेवर पत्रकार तैयार करना, जो मीडिया तकनीक के उन्नत सिद्धान्तों से परिचित हों।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान कार्य एवं प्रासंगिक विषयों की समझ बढ़ाना।
- विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना, मानवीय मूल्यों, संस्कृति, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, समाज संबंधित सामयिक विषयों की विवेचना करना।
- इसकी सहायता से मौखिक एवं लिखित संचार क्षेत्र में दक्षता अर्जित करना।

यदि आप सामयिक विषयों के बारे में ज्ञान और समाचार मूलक विषयों में रुचि रखते है एवं समाचार लेखन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य क्षेत्र को व्यवसाय के रूप में अपनाने की इच्छा रखते हैं तब यह पाठ्यक्रम आपके लिए है।

इस पाठ्यक्रम के बाद आप निम्नलिखित व्यवसाय चुन सकते है-

- संपादक, सहायक संपादक, उपसंपादक सहित संपादकीय विभाग के विभिन्न कार्य दायित्व।
- रिपोर्टर और संवाददाता , स्तंभकार
- राजनीतिक विश्लेषक, मीडिया सलाहकार, मीडिया शिक्षक
- मनोरंजन पत्रकार, खेल पत्रकार, फोटो पत्रकार
- कॉपी एवं रूपक लेखक और फ्रीलांसर या स्वतंत्र पत्रकार
- भारतीय सूचना सेवा अधिकारी
- न्यूज़ एंकर, प्रोड्यूसर या निर्माता

पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम

एम.ए. (डिजिटल पत्रकारिता)

पाठ्यक्रम अवधि- 02 वर्ष (4 सत्र) सीट - 40

शैक्षणिक योग्यता: आवेदक का मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय से स्नातक होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के बारे में

- डिजिटल मीडिया के प्रभाव में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।
- मीडिया संस्थानों के बीच समाचार संकलन व उनके प्रसारण को लेकर आपस में प्रतिस्पर्धा है।
- डिजिटल मीडिया ने रोजगार के नए अवसर खोले हैं।
- यह पाठ्यक्रम वर्तमान परिदृश्य को समझने के साथ डिजिटल पत्रकारिता के बुनियादी सवालों और विषय वस्तु को समझने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

- डिजिटल संचार एवं डिजिटल पत्रकारिता की समझ और योग्यता विकसित करना।
- डिजिटल मीडिया के गुणों, अवगुणों तथा सीमाओं को समझना।
- डिजिटल पत्रकारिता में प्रयुक्त होने वाले आवश्यक साधनों के बारे में विद्यार्थी को प्रशिक्षित करना।
- ऑनलाइन अनुसंधान की योग्यता उत्पन्न करना और वैश्विक इंटरनेट प्लेटफार्म पर ट्रेंड होने वाले अंतरराष्ट्रीय विषयों की समझ विकसित करना।
- मोबाइल पत्रकारिता में विद्यार्थी को प्रशिक्षित करना।

इस पाठ्यक्रम के बाद आप निम्न व्यावसायिक क्षेत्रों को चुन सकते है:

- डिजिटल एवं मोबाइल पत्रकारिता
- टीवी समाचार निर्माता और फिल्म निर्माता
- टीवी एवं रेडियो रिपोर्टर
- समाचार एंकर
- फोटो पत्रकार
- राजनीतिक दलों के मीडिया सलाहकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (ईवेंट मैनेजमेंट)
- गैरसरकारी संगठन (एनजीओ)
- वीडियोग्राफर
- सामग्री निर्माता (कन्टेन्ट तैयार करना)
- अनुसंधानकर्ता
- यूट्यूबर
- ब्लॉगर
- सोशल मीडिया विशेषज्ञ

पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम

कला स्नातक (ऑनर्स/रिसर्च) पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन

पाठ्यक्रम अवधि: 4 वर्ष (3+1 वर्ष) (8 सेमेस्टर) सीट - 50

शैक्षणिक योग्यता: 10+2 (किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण)

पाठ्यक्रम के बारे में

बीए (ऑनर्स रिसर्च) पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित है। नवीन शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में विकसित करना है। इस संदर्भ में सभी उपाधि विकल्पों, विषयों के मिश्रण, प्रवेश/ निकास के विकल्पों की व्यवस्था को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लागू किया गया है। यह सभी हमारी शिक्षा पद्धति में बड़ा परिवर्तन लाएंगे।

पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों को विस्तृत ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। गहन ज्ञान हमारे समाज के प्रति पत्रकारिता संबंधी दृष्टिकोण के संदर्भ में है और यह पाठ्यक्रम पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाले साधनों और तकनीक में कौशल अर्जन व दक्षता को बढ़ाने पर केंद्रित है।

पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया है जिससे विद्यार्थी क्रमशः अपनी योग्यता का संवर्धन कर सकें। सभी जनसंचार माध्यमों के लिए एडिटिंग और रिपोर्टिंग के साथ कंटेंट (आडियो विजुअल) विकसित कर सकें। यह वर्तमान मीडिया परिदृश्य में रचनात्मक लेखन, पत्रकारिता कौशल और स्वयं का प्रकाशन आरंभ करने को बढ़ावा देगा।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता एवं रचनात्मक लेखन बीए-(जेसीडब्लू) कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश या निकास (एक्ज़िट) के विकल्प उपलब्ध हैं:

प्रथम वर्ष	सेमेस्टर 1 व 2: पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन में प्रमाण-पत्र (36 क्रेडिट)
द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर 3 व 4: पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (80 क्रेडिट)
तृतीय वर्ष	सेमेस्टर 5 व 6: पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन में बीए (ऑनर्स) में डिग्री (3 वर्ष 120 क्रेडिट)
चतुर्थ वर्ष	सेमेस्टर 7 व 8: पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन के साथ ऑनर्स बीए (4 साल-160 क्रेडिट) या पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन में बीए (शोध) डिग्री। (4 वर्ष- 196 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम के शैक्षणिक उद्देश्य:

कार्यक्रम तैयार करने के पीछे की मंशा

- पत्रकारिता तथा सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में प्रशिक्षण की बढ़ती आवश्यकता पर ध्यान देना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म की कार्यशैली से परिचित कराना।
- कथा साहित्य एवं कथेतर साहित्य की विभिन्न विधाओं की शैक्षणिक जानकारी प्रदान करना।
- रचनात्मक और पत्रकारिता संबंधी लेखन कौशल में सुधार और वृद्धि करना।
- लेखन कला क्षेत्र की समझ, योग्यता और पेशेवर या वयावसायिक जानकारी प्रदान करना।
- साहित्यिक और मीडिया टेक्स्ट के संरचनात्मक तत्वों को पहचानने में सक्षम बनाना।
- रचनात्मक योग्यता का इस तरह विकास करना जिससे लेखन को व्यवसाय के तौर पर अपनाया जा सके।
- मीडिया प्रोफेशनल को वर्तमान मीडिया परिदृश्य के कंटेंट क्रिएटर की तरह विकसित करना।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान कार्य एवं प्रासंगिक विषयों की समझ बढ़ाना।
- विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना, मानवीय मूल्य, संस्कृति, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, समाज संबंधित सामयिक विषयों की विवेचना करना। इसकी सहायता से मौखिक एवं लिखित संचार क्षेत्र में दक्षता प्राप्त करना।
- वर्तमान कार्यक्रम मीडिया प्रदर्शन में रचनात्मक लेखन, पत्रकारिता कौशल एवं स्वयं का प्रकाशन आरंभ करने को बढ़ावा देता है।

इस पाठ्यक्रम के बाद व्यवसाय के क्षेत्र:

- कॉपी लेखक/पटकथा लेखक/ तकनीकी लेखक
- सोशल मीडिया संपादक/ वेब लेखक
- ब्लॉग और फीचर लेखक
- पुस्तक लेखक/ उपन्यासकार
- ब्लॉगर / यात्रा वृत्तांत लेखक/ कहानीकार
- फिल्म / कला समीक्षक
- न्यूज़ एंकर/ उद्घोषक/भाषण लेखक
- जनसंपर्क विशेषज्ञ / राजनीतिक अभियान मैनेजर
- स्वतंत्र पत्रकार

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

प्रसारण पत्रकारिता ही वह माध्यम है जिससे इस नये दौर में आपको समाचार तथा सुचनाएं प्राप्त होती हैं। पारंपारिक पत्रकारिता क्षेत्र के कौशल के साथ नई तकनीकों के प्रयोग में पत्रकारिता के क्षेत्र में नये आयामों को खोला है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर प्राप्त हुये हैं। इस विभाग की स्थापना 1998 में उभरते हुये इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्षेत्र के लिये प्रोफेशनल तैयार करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग प्रारंभ से ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं एमए प्रसारण पत्रकारिता का संचालन कर रहा है।

विभाग अपने छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर तथा शोध पाठ्यक्रमों से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्षेत्र से संबंधित विस्तृत ज्ञान प्रदान करता है। जिससे वे इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कार्यों को कुशलता से करने के लिये तैयार हो सकें। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को रेडियो, टेलीविजन तथा ऑनलाईन पत्रकारिता के विविध आयामों के लिए रिपोर्टिंग, एंकरिंग, लेखन, विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण तथा शोध कार्यों के लिये आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्रदान किया जाता है। विभाग में छात्रों के सैद्धांतिक व प्रायोगिक कार्यों में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समय-समय पर मीडिया क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, संगोष्ठी तथा कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिये विभाग में कम्प्यूटर लैब तथा स्टूडियो की व्यवस्था है। जहां छात्रों को साउंड व वीडियो रिकार्डिंग, कैमरा संचालन तथा संपादन आदि का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। व्यवहारिक ज्ञान एवं कौशल में दक्ष बनाने छात्रों के लिये विभाग द्वारा समय-समय पर समाचार बुलेटिन एवं डॉक्यूमेंट्री का निर्माण किया जाता है, जिसमे कई राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी हो चुकी है।

विभाग में एक पुस्तकालय भी है जिसमें इस क्षेत्र की नवीन जानकारियों से संबंधित पुस्तकों के साथ ही मीडिया शिक्षा और संबंधित रिसर्च जर्नल उपलबध है। विभाग के पूर्व छात्र प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों जैसे बीबीसी, एनडीटीवी, जीन्यूज़, एबीपी न्यूज़, आज तक, न्यूज़18, इटीवी भारत, टी.वी.9 में पदस्थ हैं।

संकाय सदस्य

डॉ. श्रीकांत सिंह
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. संजीव गुप्ता
एसो. प्रोफेसर

लेफ्टि. मुकेश चौरासे
सहायक प्राध्यापक

राहुल खड़िया
सहायक प्राध्यापक

दीपक चौकसे
प्रोड्यूसर

मनोज पटेल
प्रोड्यूसर

शशांक रावत
ट्यूटर

प्रियंका सोनकर
प्रोडक्शन सहायक

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

एम.ए. ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म (M.A. Broadcast Journalism)

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उतीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म का यह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रसारण पत्रकारिता (जैसे रेडियो, टेलीविजन एवं ऑनलाइन चैनल्स) के लिए आवश्यक पत्रकारीय एवं संपादकीय विधाओं में रचनात्मक तथा व्यवसायिक कौशल प्रदान करता है। पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी इस क्षेत्र में एक विशेषज्ञता प्राप्त मीडियाकर्मी के रूप में अपनी पहचान और करियर बना सकते हैं। विद्यार्थी टेलीविजन, रेडियो एवं ब्रॉडकास्ट मीडिया की पत्रकारिता में समाचार निर्माण एवं रचनात्मक रूप से विविध कायर्क्रम निर्माण में दक्षता हासिल कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- वर्तमान ब्रॉडकास्ट मीडिया इंडस्ट्री (टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन ब्रॉडकास्ट मीडिया) के लिए आवश्यक सैद्धांतिक, अवधारणात्मक, तकनीकी, व्यावसायिक एवं रचनात्मक समझ और कौशल प्रदान करना।
- ब्रॉडकास्ट मीडिया जैसे टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन माध्यमों में रिपोर्टिंग, संपादन, एंकरिंग, समाचार निर्माण एवं बुलेटिन प्रोडक्शन के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थियों में जनहितकारी एवं खोजपरक प्रसारण पत्रकारिता के साथ योग्य और कुशल प्रसारणकर्ता के गुणों का विकास करना।

विद्यार्थियों में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों की जानकारी एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना। साथ ही उनमें शोधपरक दृष्टि से तथ्यों को प्रस्तुत करने की कला का संवर्धन करना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- रेडियो एवं टेलीविजन चैनलों के लिए रिपोर्टर, कॉपी एडिटर, संपादक
- वॉयस ओवर आर्टिस्ट, रेडियो जॉकी, न्यूज एंकर
- प्रोमों, डाक्यूमेंट्री एवं विज्ञापन फिल्म के लिए प्रोड्यूसर
- कैमरा पर्सन, वीडियो एडीटर, पैनल एवं ब्रॉडकास्ट प्रोड्यूसर
- स्वतंत्र पत्रकार/प्रोड्यूसर, स्वरोजगार उद्यम, इनोवेटिव मीडिया स्टार्टअप

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

एस.एस-सी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (ई.एम.)

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

यह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन ब्रॉडकास्ट मीडिया के प्रोडक्शन एवं संचालन के लिए आवश्यक सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इंडस्ट्री के लिए आवश्यक विभिन्न विधाओं में तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल अर्जित कर सकते हैं। पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी इस क्षेत्र में एक कुशल मीडिया कर्मी रूप में अपना करियर बना सकते हैं। विद्यार्थी टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन मीडिया की पत्रकारिता एवं मनोरंजन के क्षेत्र में रचनात्मक एवं तकनीकी क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को टेलीविजन एवं रेडियो माध्यम की तकनीकी एवं संचालनात्मक जानकारियां प्रदान करना।
- न्यूज रुम प्रोडक्शन एवं संपादन में अनुप्रयोगात्मक अभ्यास से विद्यार्थियों को कुशल एवं दक्ष बनाना।
- टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन माध्यमों के लिए युवाओं में कैमरा संचालन, रिपोर्टिंग, संपादन, एंकरिंग जैसे कौशल का विकास करना, वहीं इन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रोडक्शन, प्रबंधन एवं संचालन में दक्ष बनाना।
- सामाजिक रुप से संवेदनशील एवं पत्रकारीय मूल्यों के प्रति समर्पित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोफेशनल तैयार करना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- रेडियो एवं टेलीविजन चैनलों के लिए रिपोर्टर, कॉपी एडिटर, संपादक
- वॉयस ओवर आर्टिस्ट, रेडियो जॉकी, न्यूज एंकर
- प्रोमों, डाक्यूमेंट्री एवं विज्ञापन फिल्म के लिए प्रोड्यूसर
- कैमरा पर्सन, वीडियो एडीटर, पैनल एवं ब्रॉडकास्ट प्रोड्यूसर
- स्वतंत्र पत्रकार/प्रोड्यूसर, स्वरोजगार उद्यम, इनोवेटिव मीडिया स्टार्टअप

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग

बैचलर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) ऑनर्स (बीएससी (ईएम) ऑनर्स)

स्तर - स्नातक अवधि - 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट - 40

शैक्षणिक अर्हता– किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेंडरी परीक्षा (10+2) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

यह स्नातक कार्यक्रम टेलीविजन, रेडियो और ऑनलाइन मीडिया जैसे विभिन्न मास मीडिया के उत्पादन, संचालन के लिए आवश्यक प्रारंभिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आवश्यक तकनीकी और व्यावसायिक कौशल हासिल कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी मीडिया क्षेत्र में एक कुशल पेशेवर के रूप में अपना भविष्य बना सकते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को रचनात्मक ढंग से विकसित कर तकनीकी के सहयोग से टेलीविजन, रेडियो, ऑनलाईन मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी विशेषज्ञता के रूप में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में प्रवेश भी प्राप्त कर सकते हैं। स्नातक पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति 2021 पर आधारित है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- टेलीविजन, रेडियो और ऑनलाइन मीडिया के लिए कैमरा संचालन, रिपोर्टिंग, संपादन, एंकरिंग और विशेष कार्यक्रम निर्माण हेतु कौशल निर्माण करना।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों में संपादन, प्रबंधन और संचालन का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों और समाज के साथ इसके अंतर संबंध के बारे में एक विश्लेषणात्मक समझ विकसित करना।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और समसामयिक मुद्दों के बारे में समझ और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण बढ़ाना।
- केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति 2021 के अनुसार उच्च अध्ययन हेतु मार्ग प्रशस्त करना ।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश एवं निकास विकल्प उपलब्ध हैं :-

निम्नलिखित समयावधि पूर्ण होने पर	विद्यार्थी को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री(ऑनर्स)/डिग्री(ऑनर्स) (शोध सहित) प्रदान किया जाएगा
1 वर्ष	इलेक्ट्रॉनिक मीडया में प्रमाणपत्र
2 वर्ष	इलेक्ट्रॉनिक मीडया में डिप्लोमा
3 वर्ष	बीएससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (3 वर्ष)
4 वर्ष	बीएससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (शोध सहित) (4 वर्ष)

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- रिपोर्टर, कॉपी एडिटर, रेडियो और टेलीविजन चैनलों के संपादक
- वॉयस और आर्टिस्ट, वीडियो जॉकी, रेडियो जॉकी, न्यूज एंकर
- प्रोमो, डाक्युमेन्ट्री, लघु फिल्मों के निर्माता
- कैमरा पर्सन, वीडियो एडिटर, पैनल और ब ॉडकास्ट प्रोड्युसर
- स्वतंत्र पत्रकार/प्रोड्युसर, मीडिया स्टार्टअप उद्यमी

जनसंचार विभाग

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग की स्थापना वर्ष 2001 में हुई। स्थापना से ही विभाग का उद्देश्य योग्य, सक्षम, दूरदर्शी, नैतिक मूल्यों से युक्त मीडिया विशेषज्ञ, शोधार्थियों और मीडिया अध्येयताओं का निर्माण करते हुए मीडिया शिक्षा में उत्कृष्ट मापदंड स्थापित करना है।

गत 21 वर्षों में विभाग ने लगभग 1000 जनसंचार विशेषज्ञ प्रशिक्षित किए हैं, जो कि देश के महत्वपूर्ण मीडिया संगठनों, एनजीओ तथा जनसंचार की विविध विधाओं में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। विभाग में योग्य व अनुभवी शिक्षकों की उपस्थिति मीडिया शिक्षा को नित्य नये आयाम प्रदान कर रही है। मीडिया घरानों के वरिष्ठ एवं अनुभवी पेशेवरों को विभाग में आमंत्रित करके उनके अनुभवों का लाभ भी विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है। विभाग का पाठ्यक्रम निरंतर अद्यतन किया जाता है, जिससे पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर की नवीन प्रवृत्तियों का समावेश किया जा सके।

विभाग में विभिन्न समसामयिक विषयों को लेकर संगोष्ठी और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए पृथक से विभागीय पुस्तकालय सुसज्जित कम्प्यूटर लैब तथा न्यूज रुम की स्थापना की गई है।

शिक्षक परिचय

डॉ. आरती सारंग
सहायक प्राध्यापक
एवं विभागाध्यक्ष

गिरिश उपाध्याय
अनुबंधक प्राध्यापक

प्रदीप देहरिया
सहायक प्राध्यापक

डॉ. रामदीन त्यागी
प्रोडयूसर

डॉ. उर्वशी परमार
सहायक प्राध्यापक

गरिमा पटेल
ट्यूटर

परेश उपाध्याय
सहायक प्रोग्रामर

शलभ श्रीवास्तव
ट्यूटर

जनसंचार विभाग

एम.ए. जनसंचार

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में जनसंचार प्रक्रिया की समझ विकसित करता है और मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण पर इसके प्रभाव का अध्ययन करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना है। साथ ही मीडिया संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य प्रकार की संस्थाओं के लिए जनसंचार वृत्तिज्ञों (प्रोफेशनल्स) को तैयार करना जो उनकी आवश्यकता के अनुरुप सूचनाओं का निर्माण, विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण और प्रसार करने की क्षमता रखते हों।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जनसंचार और समाज पर इसके प्रभाव की व्यापक समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक ज्ञान और व्यावसायिक कौशल प्रदान करना।
- रचनात्मकता, व्यावहारिक दृष्टिकोण, भाषा कौशल, तकनीकी कौशल, नैतिकता और अन्य आवश्यक कौशल के साथ बड़े पैमाने पर संचारक के रुप में विद्यार्थियों को तैयार करना।

यह पाठ्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए है जो उत्साही हैं, रचनात्मक हैं और वे पारंपरिक समाचार क्षेत्रों जैसे रेडियो, प्रिंट मीडिया और प्रकाशन, संचार, विज्ञापन, जनसम्पर्क और नए जनसंचार क्षेत्रों जैसे ब्लागिंग एवं वेब पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- पत्रकार
- समीक्षक (पुस्तक/फिल्म/कला संस्कृति)
- टीवी न्यूज और फिल्म निर्माता
- टीवी संवाददाता
- जनसम्पर्क अधिकारी
- रेडियो जॉकी
- कंटेंट लेखक
- संपादन (प्रिन्ट एवं दृश्य-श्रव्य)
- समाचार एजेन्सियों में
- फोटो पत्रकार
- विज्ञापन एजेंसियों में
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

जनसंचार विभाग

बी.ए. जनसंचार (ऑनर्स/शोध)

स्तर: स्नातक (ऑनर्स) अवधि रु 3+1 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– उम्मीदवार को उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है या किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा समानान्तर परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के बारे में

बी.ए. जनसंचार (ऑनर्स/शोध) कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 पर आधारित है। इस कार्यक्रम में अनेक प्रवेश एवं निकास विकल्प के साथ ही उपयुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक व्यापक शिक्षण ढांचा प्रदान करना है जिसके अन्तर्गत जनसंचार, पत्रकारिता और मानव पूंजी कार्यक्रम जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग (एम एण्ड ई उद्योग) की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसका उद्देश्य मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने और सफल कैरियर बनाने की क्षमता वाले पेशेवरो को तैयार करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संचार की मूल अवधारणाओं, नई संचार प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और समाज के प्रति जिम्मेदारी की समझा पैदा करना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को जनसंचार की समझ प्रदान करना और उन्हें वैश्विक दृष्टि से समाज के प्रति जिम्मेदार मीडिया पेशेवर, शोधकर्ता, शिक्षाविद् के रूप में विकसित करना।
- विद्यार्थियों को मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए सक्षम और कुशल पेशेवर के रूप में तैयार करना।
- डिजिटल मीडिया साक्षरता और दक्षताओं सहित सूचना संचार प्रौद्योगिकी कौशल प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना एवं समग्र और बहु-विषयक शिक्षा विद्यार्थियों तक पहुंचाना।
- अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता की संस्कृति को आत्मसात करना।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश एवं निकास विकल्प उपलब्ध हैं :-

निम्नलिखित समयावधि पूर्ण होने पर	विद्यार्थी को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री(ऑनर्स)/डिग्री(ऑनर्स) (शोध सहित) प्रदान किया जाएगा
1 वर्ष	जनसंचार में प्रमाणपत्र
2 वर्ष	जनसंचार में डिप्लोमा
3 वर्ष	बीए (ऑनर्स) जनसंचार (3 वर्ष)
4 वर्ष	बीए जनसंचार (ऑनर्स/शोध) (4 वर्ष)

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित कैरियर के क्षेत्र

- पत्रकार एवं संवाददाता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादन (प्रिन्ट एवं दृष्य-श्रव्य)
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- समीक्षक
- जनसम्पर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार एजेन्सियाँ
- विज्ञापन एजेंसियाँ
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग

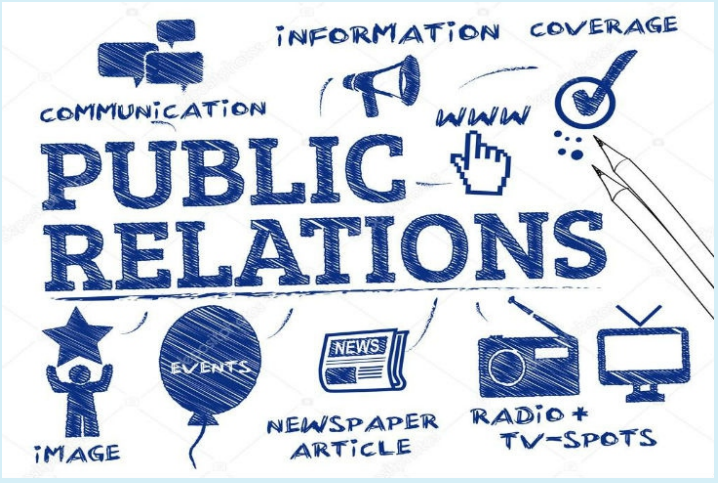

तेजी से बदलती दुनिया में सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में हो रहे बदलावों ने विज्ञापन एवं जनसंपर्क के नवीन आयामों को जन्म दिया है। आधुनिकता और ज्ञान के इस नए दौर में उद्योग जगत के संचालकों के सामने अनेक नई चुनौतियां आई है इन्ही चुनौतियों को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय द्वारा 1991 में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग की स्थापना की गई। विभाग द्वारा विज्ञापन एवं जनसंपर्क व्यवासाय की आवश्यकता को ध्यान में रखकर तीन/चार वर्षीय बी.ए. विज्ञापन एवं जनसंपर्क (आनर्स/रिसर्च) पाठ्यक्रम तथा दो वर्षीय एम.ए. विज्ञापन एवं जनसंपर्क स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में व्यापक रूप से शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं उद्योग आधारित शिक्षण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला एवं सेमिनार के आयोजनों के साथ-साथ उद्योग जगत की नामचीन हस्तियों को आमंत्रित कर विद्यार्थियों से रुबरु कराया जाता है।

विभाग परिवार

डॉ. पवित्र श्रीवास्तव
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. गजेन्द्र सिंह अवास्या
सहायक प्राध्यापक

डॉ. जया सुरजानी
ट्यूटर

तुशार भोंसले
ट्यूटर

विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग

एम.ए. (विज्ञापन और जनसंपर्क)

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय हायर सेंकडरी प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्र आपस में पूरक होने के साथ-साथ मीडिया के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के बीच सर्वाधिक लोकप्रिय है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित यह पाठ्यक्रम युवाओं को विज्ञापन एवं जनसंपर्क उद्योग की तकनीकी जरूरतों के साथ रचनात्मक एवं रणनीतिक संचार के लिए तैयार करता है। यह पाठ्यक्रम ऐसे युवाओं के लिए है जो आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ प्रभावशाली संचार की दक्षता हासिल करना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम विज्ञापन एवं जनसंपर्क व्यवसाय की कार्यपद्धति एवं उसके वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम में विज्ञापन एवं जनसंपर्क के परंपरागत आयामों के साथ-साथ वेब एडवरटाइजिंग एवं ई-पब्लिक रिलेशंस के मॉड्यूल्स भी शामिल किए गए हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- युवाओं में विज्ञापन एवं जनसंपर्क के क्षेत्र के लिए सैद्धांतिक ज्ञान, अनुप्रयोग तथा उसके लिए आवश्यक कौशल का विकास करना तथा इसके लिए एक गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करना।
- उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरुप विज्ञापन एवं जनसंपर्क प्रोफेशनल्स तैयार करना।
- विकास और परिवर्तन के लिए संचार के सिद्धान्तो के अनुप्रयोग की क्षमता विकसित करना।

यदि आप रचनात्मक हैं, नवाचारी हैं, आपके अंदर एक प्रभावशाली संचार कौशल क्षमता है, तो विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्र में आपके लिए कैरियर की अपार संभावनाएं हैं।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- कॉपी लेखन
- विपणन संचार
- रचनात्मक निर्देशन
- डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ
- कॉर्पोरेट संचार
- जनसंपर्क
- शासकीय जनसंपर्क
- विज्ञापन
- मीडिया नियोजन
- ब्रांड प्रबंधन
- आयोजन प्रबंधन

विज्ञापन एवं जनसम्पर्क विभाग

बी.ए. विज्ञापन एवं जनसंपर्क (आनर्स/रिसर्च)

स्तर- स्नातक पाठ्यक्रम अवधि- 4 वर्ष- (8 सेमेस्टर) प्रारूप- 3+1 वर्ष, मल्टीपल एंट्री एंड मल्टीपल एक्जिट आप्शंस, नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सीट- 30

शैक्षणिक अर्हता– आवेदक को मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण होना चाहिए।

पाठ्यक्रम के बारे में

विज्ञापन एवं जनसंपर्क मीडिया, मनोरंजन और संचार उद्योग के दो महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्र की वर्तमान वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह स्नातक पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। चार वर्ष का यह एकीकृत पाठ्यक्रम युवाओं के भीतर विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्र की रचनात्मक एवं रणनीतिक कौशलों को सीखने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण कर विद्यार्थी वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में इस क्षेत्र के सभी कौशलों को सीखते हुये शोध एवं विश्लेषणात्मक कौशल में भी निपुण होंगे। यह पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए एकदम उपयुक्त है जो कुशल संचारकर्मी बनने के साथ-साथ इस क्षेत्र की सभी विधाओं में पूरी तरह से समझ हासिल करना चाहते हैं। पाठ्यक्रम विज्ञापन एवं जनसंपर्क उद्योग के कार्य मानकों पर आधारित है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जनसंपर्क और विज्ञापन के दर्शन, सिद्धांत और तकनीकों में गहन अंतर्दृष्टि के साथ उनके अनुप्रयोग कौशल के लिए छात्रों को तैयार करता है।
- जनसंपर्क और विज्ञापन के क्षेत्र में शोध कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करना।
- संचार के सिद्धांतों को लागू करने की क्षमता छात्रों में विकसित कर उन्हें सक्षम बनाता है।

प्रथम वर्ष के पूर्ण होने पर	संचार में प्रमाण पत्र
द्वितीय वर्ष के पूर्ण होने पर	विज्ञापन एवं जनसंपर्क में पत्रोपाधि
तृतीय वर्ष के पूर्ण होने पर	बीए (आनर्स) विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातक
चतुर्थ वर्ष के पूर्ण होने पर	बीए (आनर्स) विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातक (शोध के साथ)

करियर के अवसर-

यदि आप रचनात्मक, संवेदनशील एवं आउट-ऑफ-द-बॉक्स थिंकिंग वाले व्यक्ति हैं और विज्ञापन और जनसंपर्क के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह कार्यक्रम आपके लिए उपयुक्त है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- जनसम्पर्क
- विज्ञापन
- मीडिया नियोजन
- अनुसंधान और विश्लेषण
- ब्रांड प्रबंधन
- इवेंट मैनेजमेंट
- विपणन संचार
- रचनात्मक निर्देशन
- डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ
- कॉपी राइटिंग
- सामाजिक संचार
- शासकीय जनसंपर्क

चलचित्र विभाग

सिनेमा हमारे समाज में मनोरंजन और संचार का एक प्रमुख रूप है। यह एक अत्यधिक शक्तिशाली जन माध्यम के रूप में विकसित हुआ है। इस क्षेत्र के रोजगार के बहुत सारे अवसर भी उपलब्ध हैं, जो इसे मास मीडिया संचार के अन्य रूपों से अधिक प्रभावी बना देते हैं। डिजिटल/ओटीटी प्लेटफार्म के आगमन के साथ पूरे व्यवसाय ने उत्पादन और व्यूअरशिप में बड़े बदलाव किये हैं।

इस बहुआयामी उद्योग में कुशल एवं दक्ष पेशेवर की भारी मांग को देखते हुए फिल्म निर्माण के शिल्प पर उचित जोर देने के लिए चलचित्र विभाग की स्थापना की गयी है। मार्च 2022 में स्थापित विभाग दो प्रमुख कार्यक्रम स्नातक और स्नातकोत्तर के साथ आया है।

बीएससी (एच/आर) (एफसीएस) 3/4 वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम
एमएससी (एफपी) 2 वर्षीय पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

ये कार्यक्रम छात्रों को सेमिनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रतियोगिताओं, लैबवर्क, इंटर्नशिप आदि के रूप में उद्योगकर्मियों के साथ नियमित संवाद के माध्यम से सक्षम वैचारिक स्पष्टता के अलावा अनुभव भी प्राप्त करते हैं। छात्र पेशेवर दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल के साथ कार्य में दक्ष हो जाते हैं।

डॉ. पवित्र श्रीवास्तव

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

चलचित्र विभाग

स्नातक कार्यक्रम

बैचलर ऑफ साइंस: फिल्म एंड कम्युनिकेशन स्टडीज (ऑनर्स/रिसर्च)

बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स/रिसर्च) (फिल्म एंड कम्युनिकेशन स्टडीज) (बीएससी (एच/आर) (एफसीएस))

स्तर- यूजी कार्यक्रम, जुलाई 2022 से प्रभावी | अवधि- 3+1 वर्ष | सीट- 30

शैक्षणिक अर्हता– 10+2 (मान्यता प्राप्त बोर्ड से कोई भी स्ट्रीम में)

यह यूजी कार्यक्रम फिल्म, सिनेमा और फिल्म निर्माण के अन्य विभिन्न पहलुओं के प्री-प्रोडक्शन से लेकर पोस्ट-प्रोडक्शन तक के सिद्धांत और व्यवहार की विस्तृत जानकारी देता है।

कार्यक्रम के बारे में

यह स्नातक कार्यक्रम फिल्म एवं संचार अध्ययन के विभिन्न पहलुओं के प्रोडक्शन और संचालन के लिए आवश्यक प्रारंभिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी फिल्म निर्माण में आवश्यक तकनीकी और व्यावसायिक कौशल सीखते हैं। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, छात्र एक कुशल पेशेवर के रूप में इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। विद्यार्थी रचनात्मक फिल्में तैयार कर सकते हैं और उसे पर्दे पर प्रस्तुत कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के बाद छात्र सिनेमा के क्षेत्र में आगे विशेषज्ञता के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- वर्तमान वैश्विक मीडिया परिवेश के अनुसार फिल्म, टेलीविजन और न्यू मीडिया के प्रोडक्शन पहलुओं में छात्रों को अवगत कराना।
- विभिन्न मीडिया और उससे संबंधित सेवाओं के विपणन और ब्रांडिंग प्रबंधन के साथ-साथ नवीनतम प्रोडक्शन तकनीकों पर उचित जोर देने के साथ मीडिया व्यवसाय के प्रोडक्शन और प्रबंधकीय पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- मीडिया उद्योग के विषय सामग्री निर्माण प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक रचनात्मक स्वभाव और मानसिकता विकसित करना।
- प्रोफेशन के अनुरूप काम करने सम्बन्धी क्षमताओं का कौशल सिखाना।
- मीडिया उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण के लिए उद्योग जगत से व्यापक संपर्क स्थापित करना।
- विभिन्न माध्यमों के लिए सामग्री निर्माण के संबंध में उत्पादन की पूरी प्रक्रिया से सम्बन्धित पाइप लाइन के माध्यम से छात्रों को विषय सामग्री निर्माण और मीडिया व्यवसाय से संबंधित व्यावसायिक पहलुओं के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

प्रथम वर्ष का समापन	फिल्म एवं संचार अध्ययन में प्रमाणपत्र (36 क्रेडिट)
द्वितीय वर्ष का समापन	फिल्म एवं संचार अध्ययन में डिप्लोमा (80 क्रेडिट)
तृतीय वर्ष का समापन	बी.एससी. : फिल्म एवं संचार अध्ययन (3 वर्ष) (120 क्रेडिट)
चतुर्थ वर्ष का समापन	बी.एससी. : फिल्म एवं संचार अध्ययन (ऑनर्स) (4 वर्ष) (160 क्रेडिट) या बी.एससी. : फिल्म एवं संचार अध्ययन (अनुसंधान) (4 वर्ष) (160 क्रेडिट)

कार्यक्रम के परिणाम

- संचार, फिल्म निर्माण, छायांकन, संपादन, निर्देशन, ऑडियोग्राफी और अनुसंधान पद्धति सहित विषयों की अच्छी वैचारिक समझ विकसित होगी।
- किसी भी रणनीतिक संचार योजना, फिल्म और संचार अध्ययन कार्यक्रमों के निष्पादन के लिए अनुसंधान और तर्क योग्यता विकसित होगी।
- स्वयं सीखने और डिजिटल योग्यता के आधार पर विचार के लिए रचनात्मक और चिंतनशील सोच का विकास होना।
- पेशे की चुनौतीपूर्ण स्थितियों के लिए विश्लेषणात्मक और समस्या समाधान कौशल विकसित होगा।
- पटकथा और पटकथा, निर्देशक और शोधकर्ताओं की भूमिकाओं में फिल्म निर्माण में उच्च योग्यता और नैतिकता के साथ स्वतंत्र रूप से काम करेंगे।

कैरियर के अवसर

- पटकथा लेखन
- रचनात्मक निर्देशन
- फिल्म संचार
- निर्देशक
- फिल्म संपादक
- निर्माता और प्रोड्यूसर
- छायाकार
- डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ
- फोटोग्राफर
- विज्ञापन फिल्म निर्माता
- ऑडियोग्राफर
- प्रबंधक अनुसंधान

चलचित्र विभाग

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

मास्टर ऑफ साइंस (फिल्म निर्माण) [एमएससी (एफपी)]

फिल्म निर्माण में मास्टर ऑफ साइंस को छात्रों को फिल्म निर्माण में पेशेवर दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम में निर्देशन, पटकथा लेखन, छायांकन, ध्वनि डिजाइन, रिकॉर्डिंग, संपादन, वीएफएक्स और एसएफएक्स शामिल हैं।
इस पाठ्यक्रम के दो वर्षों के दौरान, छात्रों को व्यावहारिक अनुभव की सहायता से उद्योग के नवीनतम रुझानों के ज्ञान के साथ सशक्त बनाया जाता है। उन्हें विशेष व्याख्यानों के माध्यम से उद्योग के विशेषज्ञों से भी सीखने को मिलता है।

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

फिल्म प्रोडक्शन में मास्टर ऑफ साइंस कार्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है जिससे विद्यार्थी फिल्म निर्माण में पेशेवर और सक्षम बन सकें। पाठ्यक्रम में निर्देशन, पटकथा लेखन, छायांकन, ध्वनि डिजाइन, रिकॉर्डिंग, संपादन, वीएफएक्स और एसएफएक्स शामिल है। इस पाठ्यक्रम के दो वर्षों के दौरान छात्रों को व्यावहारिक अनुभव की मदद से उद्योग के नवीनतम रुझानों वाले ज्ञान के साथ सशक्त बनाया जाता है। विद्यार्थियों को विशेष व्याख्यानों के माध्यम से उद्योग के विशेषज्ञों से भी सीखने को मिलता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- फिल्म प्रोडक्शन की गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करते हुए उसके लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान, अनुप्रयोग एवं कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों में फिल्म प्रोडक्शन की सभी विधाओं का रचनात्मक एवं तकनीकी कौशल विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी मुद्दों की अवधारणा एवं विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना जिससे वे व्यापक परिप्रेक्ष्य में फिल्म प्रोडक्शन निर्माण कर सकें।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- फिल्म निर्देशन
- साउंड इंजीनियरिंग
- फिल्म निर्माण
- स्क्रिप्ट राइटिंग
- फिल्म संपादन
- फिल्म समीक्षा
- आर्ट डायरेक्शन

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग की स्थापना 1993 में हुई थी। विभाग की स्थापना का मूल उद्देश्य कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग के मुख्य क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स तैयार करना है। यह विभाग, पीएचडी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न परिवर्तनों तथा उन्नयनों के आधार पर तथा इस क्षेत्र के अग्रणी शिक्षाविदों तथा सॉफ्टवेयर उद्योग में कार्यरत व्यक्तियों के साथ गहन मंथन करते हुए यह विभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों को तैयार करता है।

यह विभाग उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग में उच्च शिक्षित तथा अनुभवी शिक्षक कार्यरत हैं तथा आधुनिक कम्प्यूटर लैब है जो आवश्यक ज्ञान अर्जन में सहायक है। विभाग का अपना एक पुस्तकालय है, जिसमें कम्प्यूटर जगत में होने वाली विभिन्न शोध की रिपोर्ट तथा उन्नत क्षेत्रों पर नवीनतम पुस्तकों का एक बड़ा संग्रह है। विभाग में समय-समय पर छात्रों के लिए नवीन तकनीकी ज्ञान को विकसित करने के लिए कार्यशालाओं तथा सेमीनार आदि का आयोजन किया जाता है। विभाग के पूर्व छात्र देश -विदेश की कई प्रख्यात साफ्टवेयर कंपनियों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं जिनमें प्रमुख तौर पर आईबीएम, अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक, विप्रो, इन्फोसिस, सेमसंग, माइक्रोसाफ्ट, वर्ल्ड पे, सीआईएससीओ, एचसीएल, जिंदल एवं वेब दुनिया आदि हैं। इसके अतिरिक्त अनेक पूर्व छात्र देश-विदश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा कुछ छात्रों ने कम्प्यूटर के क्षेत्र में कंपनियों की स्थापना भी की है।

विभाग परिवार

डॉ. सी.पी. अग्रवाल
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. मनीष माहेश्वरी
प्राध्यापक

डॉ. सुनीता द्विवेदी
सह प्राध्यापक

डॉ. मनोज पचारिया
सह प्राध्यापक

श्री आर.एम शर्मा
सह प्राध्यापक

श्री अनिल सक्सेना
ट्यूटर

श्री आलोक अस्थाना
सहायक प्रोग्रामर

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग

कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (एमसीए)

पाठ्यक्रम स्तर - स्नातकोत्तर अवधि- 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट -60

शैक्षणिक अर्हता– बी.सी.ए/कम्प्यूटर साइंस विषय के साथ इंजीनियरिंग स्नातक या समकक्ष उपाधि अथवा 10+ 2 स्तर पर या स्नातक स्तर पर गणित विषय के साथ बीएससी/बी.कॉम./बी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण (विश्वविद्यालय द्वारा तय किए गए मापदंडों के अनुसार अतिरिक्त ब्रिज पाठ्यक्रम के साथ)। {पात्रता परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत} {आरक्षित वर्ग के उम्मीदरवार के मामले में 45 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य}

पाठ्यक्रम के बारे में

मास्टर इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स (एमसीए) यह एक द्विवर्षीय स्नातकोत्तर (AICTE APPROVED) पाठ्यक्रम है। एमसीए के पाठ्यक्रम को सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर के क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल को तैयार करने और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम में मुख्य विषय जैसे डेटाबेस, नेटवर्किंग, डेटास्ट्रक्चर तथा C++, नेट और जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को भी शमिल किया गया है। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को विभिन्न उन्नत विषयों जैसे साइबर सुरक्षा, मोबाइल अनुप्रयोग विकास, इंटरनेस ऑफ थिंग्स आईओटी, डेटा एनालिटिक्स आदि का भी ज्ञान दिया जाता है। वैकल्पिक विषय का चयन कर छात्र, क्लाउड कम्प्यूटिंग, बिग डेटा एवं सूचना सुरक्षा से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- कम्प्यूटर की विभिन्न तकनीकों में बुनियादी कौशल को विकसित करना।
- कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने के लिए गहन विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।
- छात्रों को आधुनिक कम्प्यूटिंग संसाधनों और तकनीकों का चयन करने और उनको निपुणता के साथ उपयोग करने में सक्षम बनाना।

यदि आप आईटी उद्योग, कम्प्यूटर विज्ञान अनुसंधान, वेब और मोबाइल विकास, डेटा विश्लेषण, सूचना सुरक्षा आदि में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की तलाश कर रहे हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- सॉफ्टवेयर डेवलपर
- डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर
- प्रोग्रामर
- सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
- सिस्टम एनालिस्ट
- वेब डिजाइनर और डेवलपर
- कम्प्यूटर सपोर्ट इंजीनियर
- नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स) कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (ऑनर्स)

पाठ्यक्रम स्तर - स्नातक अवधि- 3 + 1 वर्ष (6 या 8 सेमेस्टर) सीट-60

शैक्षणिक अर्हता- मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स) प्रोग्राम "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020" पर आधारित है, जो देश की शिक्षा प्रणाली में भारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। उच्च शिक्षा में लचीले डिग्री विकल्प, विषय संयोजन अद्वितीय प्रवेश / निकास विकल्प लागू किए गए हैं। तेजी से बढ़ती सूचना प्रौद्योगिकी और संचार प्रणाली लगभग हर कंपनी की योजना के महत्वपूर्ण घटक बन गए हैं। नई सूचना प्रौद्योगिकियों और संचार प्रणालियों का लाभ उठाने वाली सभी कंपनियों को विशेषज्ञ पेशेवरों की आवश्यकता होती है, जो समस्याओं को हल करने और व्यापार और प्रौद्योगिकी के बीच इंटरफेस करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान के सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

6 से 8 सेमेस्टर का यह स्नातक पाठ्यक्रम आपको इस कार्य हेतु कुशल स्नातक बनाता है जो विभिन्न उद्योग जैसे वाणिज्य, विज्ञान, मनोरंजन और सार्वजनिक क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कम्प्यूटर आधारित समाधानों को डिजाइन तथा विकसित करने की योग्यता रखता है।

इस पाठ्यक्रम में छात्रों को कम्प्यूटर और आईटी के आधारभूत विषयों के साथ-साथ उद्योग में प्रयुक्त होने वाली नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के विकास के लिए विभिन्न कम्प्यूटर भाषाओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है ताकि छात्र डेस्कटॉप, नेटवर्क आधारित, वेब आधारित या मोबाईल अनुप्रयोगों के विकास के लिए खुद को एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में विकसित कर सकें।

बीसीए कार्यक्रम में निम्नलिखित निकास या प्रवेश विकल्प उपलब्ध हैं:

पूरा होने के बाद	छात्र तदानुसार प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/डिग्री (ऑनर्स) प्राप्त कर सकते हैं।
1 वर्ष के बाद	"कम्प्यूटर संचालन में प्रमाण पत्र"
2 वर्ष के बाद	"कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और अनुप्रयोगों में डिप्लोमा"
3 वर्ष के बाद	बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)
4 वर्ष के बाद	बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स विद रिसर्च) या बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों की आईटी क्षेत्र का एक योग्य पेशेवर बनाने के लिए समग्र और सर्वांगीण विकास करना।
- विश्लेषण तथा डिजाइन की क्षमता को बढ़ाते हुए छात्रों में कई क्षेत्रों के लिए सॉफ्टवेयर समाधान तैयार करने की योग्यता को विकसित करना।
- वास्तविक दुनिया में आनेवाली समस्या को समझने उनका विश्लेषण करने और उनके लिए व्यवहारिक कम्प्यूटिंग समाधानों का निर्माण करने की क्षमता को विकसित करना।
- व्यावसायिक विश्लेषक बनने से संबंधित क्षमताओं को विकसित करना जो ग्राहकों की आवश्यकताओं का सही प्रकार से विश्लेषण करते हुए उनके लिए डेस्कटॉप/ नेटवर्क/वेब/मोबाईल वातावरण के लिए सॉफ्टवेयर निर्माण का कार्य कर सकें तथा उनके लिए सिस्टम की उच्च स्तरीय डिजाइन, दस्तावेजों तथा उसका कार्यान्वयन करते हुए विश्वसनीय सॉफ्टवेयर सिस्टम बनाना।
- ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना जो नए सॉफटवेयर समाधानों का विकास कर सके तथा उसके लिए आवश्यक तकनीकों, आधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर टूल्स का उपयोग करने का कौशल रखते हों।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- कम्प्यूटर प्रोग्रामर
- सॉफ्टवेयर डेवलपर
- वेब डेवलपर
- मल्टी मीडिया डेवलपर
- डीटीपी पब्लिशर
- वेब डिजाइनर
- नेटवर्क प्रशासक
- सिस्टम मैनेजर
- सॉफ्टवेयर परीक्षक
- उच्च अध्ययन जैसे एमसीए इत्यादि प्राप्त करने के योग्य।

प्रबंधन विभाग

मीडिया और प्रबंधकीय गुणों को विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2010 में मीडिया प्रबंधन विभाग अस्तित्व में आया। मीडिया व्यवसाय मैनेजमेंट मुख्य रूप से मीडिया उद्योग में प्रबंधन के कार्यों से संबंधित है। वर्तमान में मीडिया की बदलती हुई प्रवृति, आवश्यकताओं और उपलब्ध अवसरों का विश्लेषण करने के लिए मीडिया प्रबंधन विषय का संपूर्ण ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञों की मांग बढ़ती जा रही है। विभाग उत्कृष्टता की प्रतिबंधता के साथ छात्रों को अकाउन्ट प्लानिंग एवं मैनेजमेंट, ब्रांण्ड निर्माण , मीडिया प्लानिंग मैनेजमेंट और बाजार शोध की वर्तमान अवधारणाओं से परिचित करवाता है।

पाठ्यक्रम में मीडिया और प्रबंधन के मुख्य विषयों के साथ छात्रों को वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही मीडिया तकनीक, बाजार का अध्ययन, व्यवसाय विकास, संगठन और अर्थशास्त्र की जानकारी भी दी जाती है। विभाग में योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों का समृद्ध समूह है तथा पाठ्यक्रम को उद्योग की वर्तमान एवं निकट भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अग्रणी शिक्षाविदों, विशेषज्ञों तथा उद्योग के ख्याति नाम व्यक्तियों से नियमित चर्चाओं के आधार पर तैयार किया गया है।

शिक्षक परिचय

प्रो. (डॉ.) अविनाश बाजपेयी

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

प्रो. (डॉ.) कंचन भाटिया

प्राध्यापक

डॉ. कपिल आर चन्दौरिया

सहायक प्राध्यापक

मनिषा वर्मा

सहायक प्राध्यापक

प्रशांत पराशर

ट्यूटर

प्रबंधन विभाग

एम.बी.ए. (मीडिया बिजनेस प्रबंधन) MBA(MBM)

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 60

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उपाधि (अनुसूचित जाति तथा जनजाति के विद्यार्थियों के लिए 45 प्रतिशत)

पाठ्यक्रम के बारे में

यह पाठ्यक्रम छात्रों में बदलते मीडिया परिवेश को समझने की योग्यता को विकसित करता है। साथ ही शोध और तकनीक का विश्लेषण एवं व्यावसायिक वातावरण के अलावा प्रभावशाली प्रबंधक बनने में सहायक है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम 2 वर्ष का है जिसमें छात्र प्रथम वर्ष में बुनियादी प्रबंधन का अध्ययन करता है, जो छात्रों को वर्तमान बाजार का ज्ञान देता है। द्वितीय वर्ष में विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार मनोरंजन संचार, विज्ञापन एवं विपणन संचार, कार्पोरेट संचार एवं ई-कामर्स प्रबंधन विषेषज्ञता का चयन कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रबंधन के सामान्य अनुशासन एवं मीडिया उद्योग और संगठन के बीच सामंजस्य स्थापित करना है।
- छात्रों को मीडिया के बदलते परिदृश्य को समझना तथा तकनीकी पहलुओं और व्यापार से संबंधित वातावरण से परिचित करवाना।
- छात्रों को मीडिया क्षेत्र से परिचित करना तकि उन्हें मीडिया उद्योग की कार्यप्रणाली एवं प्रबंधन से अवगत कराया जा सके।
- विद्यार्थियों को मीडिया उद्योग में उपयोग होने वाली नवीन व आधुनिकतम तकनीक व सेवाओं से परिचित करवाना।
- छात्रों में मनोरंजन, विज्ञापन, विपणन, कार्पोरेट संचार, जनसंपर्क तथा ई-कामर्स तथा मीडिया उद्योग की विभिन्न विधाओं की समझ को विकसित करना।

यदि आप चुनौती पूर्ण एवं तेजी से बढ़ते हुए मीडिया उद्योग में अपना करियर बनाना चाहते हैं व नवीन डिजिटल तकनीकों का प्रयोग करते हुए स्वयं तथा संगठन को विकसित करने की भावना आपको प्रभावित करती है, तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए उपयोगी है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- मीडिया रणनीतिकार
- विपणन विश्लेषक
- विपणन प्रबंधक
- मीडिया प्रबंधक
- टी.वी. कार्यक्रम निर्माता
- डिजिटल मीडिया प्रबंधक
- कार्पोरेट संचार प्रबंधक
- जनसंपर्क अधिकारी
- ई-कामर्स विशेषज्ञ

प्रबंधन विभाग
बीबीए (ई-कॉमर्स) BBA(EC)

पाठ्यक्रम स्तर – स्नातक	अवधि - 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)	सीट - 40

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय हायर सेंकडरी प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स या ई -कॉमर्स एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। यही कारण है कि यह छात्रों को अपना करियर बनाने के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। ई-कॉमर्स कम्प्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट का उपयोग करके उत्पादों और सेवाओं को खरीदने और बेचने की एक प्रक्रिया है। ईमेल, ऑनलाइन कैटलॉग, शॉपिंग कार्ट, इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज (ईडीआई) और अन्य वेब सेवाओं के विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से ई-कॉमर्स का संचालन किया जाता है। ई-कॉमर्स नेटवर्किंग और प्रोग्रामिंग की विशेषज्ञता वाला पाठ्यक्रम है। ई-कॉमर्स पाठ्यक्रम में मैनेजमेंट, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और नेटवर्किंग का आवश्यक ज्ञान दिया जाता है। ई-कॉमर्स (बीबीए पाठ्यक्रम) वेब निर्माण, वेब विपणन, सामान्य व्यवसाय प्रबंधन में अवधारणाओं का ज्ञान प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों को वर्तमान समय की प्रासंगिक समस्याओं को पहचानने, उन्हें हल करने एवं हल करने की प्रक्रियाओं को लागू करने में सक्षम बनाना।
- ई-कामर्स को करियर बनाने हेतु छात्रों में ई-कॉमर्स का ज्ञान एवं बुद्धिमत्ता विकसित करना।
- वैश्विक परिवेश की प्रतिस्पर्धा में छात्रों में निर्णय प्रक्रिया का कौशल विकसित करना।
- ई-कॉमर्स प्रक्रिया के मॉडल और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली को समझने में छात्रों की सहायता करना।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों को स्टार्टअप्स की योजना बनाने, उनके विकास और निरंतर विकास की रणनीतियों को बनाने के लिए प्रेरित करता है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- मीडिया उद्योग
- विज्ञापन
- मनोरंजन उद्योग
- सेवा उद्योग
- कॉर्पोरेट उद्योग
- ई वाणिज्य उद्योग
- इवेंट उद्योग
- सरकारी क्षेत्र
- मुख्य तकनीकी अधिकारी
- कम्प्यूटर सिस्टम मैनेजर
- व्यवसायी

प्रबंधन विभाग
बी.कॉम. - मैनेजमेंट (आनर्स)

स्तर :- स्नातक अवधि :- चार वर्ष (आठ सेमेस्टर) स्थान - 30

शैक्षणिक अर्हता– अधिकृत बोर्ड से किसी भी विषय के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविधालय के मीडिया प्रबंधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार चार वर्षीय बी. कॉम. ऑनर्स (प्रबंधन) पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है । यह पाठ्यक्रम लेखा, वित्त, प्रबंधन, कानून और विपणन का एक अनूठा मिश्रण है । बी. कॉम. पाठ्यक्रम व्यापक रूप में व्यावसायिक संगठनों के वाणिज्यिक लेन-देन, लेखांकन, वित्त, विपणन और मानव संसाधन जैसे विभिन्न व विशिष्ट कार्यों को प्रभावशाली रूप से सम्पन्न करने के लिए आवश्यक गुण व कौशल विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । बी. कॉम. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में विभिन्न व्यवसाय और संगठनों के प्रबंधन के लिए वैचारिक और व्यावहारिक समझ उत्पन्न करना है और छात्रों को उधोग व व्यवसाय की वर्तमान प्रतियोगिता पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भलीभांति तैयार करना है

कॉमर्स शिक्षा शैक्षणिक के साथ-साथ व्यावसायिक मोर्चों पर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। यह चार वर्षीय स्नातक डिग्री पूर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा हेतु एम.कॉम, सीएफए, एमबीए आदि पाठ्यक्रमों को चुना जा सकता है। कॉमर्स शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् छात्र शिक्षाविद या व्यावसायिक पेशेवर का करियर चुन सकते हैं ।

बीबीएम (आनर्स) पाठ्यक्रम में निम्नानुसार प्रवेष व निकास के विकल्प उपलब्ध होगें :-

निम्न वर्ष पूर्ण होने पर	छात्र निम्नानुसार प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा /(ऑनर्स) डिग्री प्राप्त कर सकते हैं
1 वर्ष	वाणिज्य में सर्टिफिकेट
2 वर्ष	वाणिज्य में डिप्लोमा
3 वर्ष	त्रिवर्षीय बीकॉम स्नातक
4 वर्ष	चतुर्थ वर्षीय बीकॉम स्नातक (ऑनर्स)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- व्यापार जगत में अर्थव्यवस्था के समक्ष आने वाले मुद्दों की समझ को समग्रता के साथ बढ़ाना ।
- छात्रों में व्यावसायिक संसार एवं उसकी जटिलताओं को समझने की क्षमता व ज्ञान उत्पन्न करना ।
- छात्रों के रोजगार विकल्प को बढ़ाने के लिए छात्रों को व्यावसायिक प्रबंधक के बजाय संवेदनशील और तकनीकी रूप से मजबूत व्यावसायिक लीडर के रूप में विकसित करने में सहायता करना एवं इसके लिए छात्रों में आवश्यक दृष्टिकोण और चरित्र विकसित करना ।
- शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यता के उच्च मानकों को स्थापित करना ।
- वाणिज्य में स्नातक (ऑनर्स) के चार वर्ष पूर्ण करने के पश्चात छात्रों को वाणिज्य के व्यावहारिक क्षेत्रों में कार्य करने का पूर्ण आधार प्रदान करना ।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक (सीएफए)
- वित्तीय जोखिम प्रबंधक
- व्यापार विश्लेषक
- डिजिटल मार्केटर
- बैंकर
- प्रबंधक
- व्यापार लेखा और कराधान

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग मीडिया अध्ययन के नए प्रारूप में सन 2011 में स्थापित किया गया। भारत में इस तरह का प्रथम विभाग हैं जो मीडिया और संचार के क्षेत्र में कन्वर्जेन्स तकनीक की सुविधा को और अधिक बढ़ावा देने के लिए है। नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग अपने पाठ्क्रमों के माध्यम से नवीन मीडिया आधारित कंटेंट और तकनीक को सुचारू रुप से और अधिक पहचानने, समझने और प्रदान करने एवं अधिगम करने के लिए डिजिटल कंटेंट बनाना और निरंतर ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करने हेतु है। विभाग द्वारा 3 स्नातक प्रोग्राम प्रस्तावित हैं- बी.एस.सी. (आनर्स) मल्टीमीडिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, बी.एस.सी.(ग्राफिक्स और एनिमेशन), बी.टेक (प्रींटिंग एण्ड पैकेजिंग) और एक स्नातकोत्तर प्रोग्राम एम.एस.सी. (नवीन मीडिया) हैं। इसके अलावा यह एक रचनात्मक विभाग है जो मीडिया और संचार इंण्डस्ट्रीज की कन्वर्जेन्स आवश्यकता को पूर्ण करता है।

विभाग नियमित रुप से विजुअल डिजाइन, सूचना और साइबर सिक्यूरिटी, फेक्ट चेक, डाटा पत्रकारिता, इंटरनेट ऑफ थिंक इत्यादि पर कार्यशाला का आयोजन करता है। विभाग में आधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर टूल सहित मल्टीमीडिया लैब है। विद्यार्थियों के अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए प्रिंटिंग और पैकेजिंग की प्रयोगशाला है, जहां विद्यार्थी प्रिंटिंग और पैकेजिंग मशीन के व्यावहारिक ज्ञान हेतु कार्यरत मॉडल का डिजाईन एवं निर्माण भी करतें हैं। विभाग पुस्तकालय और डिजिटल न्यूज रुम विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए और अधिक अवसर खोलता है। विभाग के पूर्व विद्यार्थी उद्यमिता कौशल के लिए जाने जाते हैं, जिनके स्टार्टअप पैन इण्डिया हैं। साथ ही डीक्यू एंटरटेनमेंट में असिस्टेंट डायरेक्ट, एनिमेटर, ग्राफिक्स डिजाइनर, वीडियो एडिटर, रिसर्च एनालिस्ट हैं। साथ ही कंपनी जैसे एक्साऍमी, क्रिप्स मल्टीमीडिया, विजनफोर्स, प्रिसटिइन, हारबोर पॉल्टिका, स्पेक्ट्रामाइंड फिल्म्स, कानजेनियम क्रिएटिव, सीजी क्राफ्टर्स, एनिमेट्रिक्स, ओसीस एनिमेशन, एसेंचर, इनशॉट का डिजिटल प्लेटफार्म, जी टीवी, इण्डिया टीवी, इटीवी इत्यादि में भी विभिन्न पदो पर हैं।

शिक्षक परिचय

डॉ. पी. शशिकला

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

डॉ. बबिता अग्रवाल

वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक

मनोज कुमार धुर्वे

सहायक प्राध्यापक

अभिषेक पाण्डेय

सहायक प्राध्यापक

डॉ. अनिता सोनी

ट्यूटर

बापु वाघ

प्रोडयूसर

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग

मास्टर ऑफ साइंस (नवीन मीडिया)- एम.एससी.(एनएम)

पाठ्यक्रम- स्नातकोत्तर अवधि- 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट - 30

न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि

पाठ्यक्रम परिचय

एम.एससी. (नवीन मीडिया), 2 - वर्ष (4 सेमेस्टर) स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में नवीन मीडिया स्टडीज के रूप में अपनी क्षमता और अनूठी विशेषताओं के विषय सहित हैं। यह पाठयक्रम च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) योजना के अनुरूप तैयार किया गया है। डिजिटलीकरण, इंटरनेट कनेक्टिविटी और सोशल मीडिया में वृद्ध और परिवर्तन के परिणामस्वरूप मीडिया इण्डस्ट्री पारंपरिक मीडिया से तेजी से वेबआधारित, इंटरैक्टिव और डिजिटल मीडिया में बदल रही है। नवीन मीडिया का बढ़ता दायरा तेजी से उभरते डिजिटल वर्ल्ड और नवीन मीडिया संस्थानों की आवश्यकता को जन्म देता है। अतः ऑनलाइन मीडिया विशेषज्ञों को दर्शको से जोड़ने के लिए एम.एससी.नवीन मीडिया को आकार दिया गया है।

एम.एस.सी (एनएम) पाठ्यक्रम, डिजिटल प्लेटफार्म के लिए नवीन मीडिया कंटेंट डिजाइन और जनरेशन, लेआउट, एडिटिंग और पब्लिशिंग में स्पष्ट समझ को प्रदान करता है। पाठ्यक्रम की संरचना और कंटेंट ऑनलाइन मीडिया को समझने के साथ-साथ डेटा पत्रकारिता, नवीन मीडिया शोध, बिग डाटा एनालिटिक्स और समकालीन नवीन मीडिया के लिए आवश्यक कंटेंट बनाने, प्रस्तुतीकरण और वितरण करने की तकनीकी कौशल को पूर्ण करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

एम.एससी. (नवीन मीडिया) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित शैक्षणिक उद्देश्य हैः

- डेटा एनालिटिक्स, वेब, सोशल मीडिया और मोबाइल पत्रकारिता के साथ नवीम मीडिया संचार और प्रौद्योगिकी में मौलिक बातें विकसित करना।
- विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया इण्डस्ट्री के लिए तैयार करना।
- नवीन मीडिया कंटेंट और क्रिटिकल थिंकिंग के सैद्धांतिक, व्यवहारिक और तकनीकी पहलुओं को समझना।
- विद्यार्थियों को नवीन मीडिया कंटेंट निर्माण, प्रकाशन और मार्केटिंग में प्रोफेशनल कौशल के लिए सशक्त बनाना।
- मीडिया और प्रोफेशनल नीति के साथ विद्यार्थियों को उद्यमी, शोध कार्य करने के लिए तैयार करना भी है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- कंटेंट एडिटर
- कंटेंट राइटर
- ग्राफिक्स डिज़ाइनर
- ऑन लाइन न्यूज प्रोडेक्शन
- ऑनलाइन पत्रकारिता
- टेक्निकल एडिटर
- सोशल मीडिया विश्लेषक
- डेटा विश्लेषक और विज़ुलाइजेशन
- नवीन मीडिया रिसर्च
- उद्यमकर्ता

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग
बैचलर ऑफ साइंस : मल्टीमीडिया - बी.एससी.एमएम (ऑनर्स)/(रिसर्च)

पाठ्यक्रम- स्नातक अवधि- 3+1 वर्ष (6 या 8 सेमेस्टर) सीट - 40

न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 10+2 की उपाधि

पाठ्यक्रम का परिचय

बी.एससी.(ऑनर्स) मल्टीमीडिया 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020' पर आधारित है जो देश की शिक्षा प्रणाली में तीव्र बदलाव लाने के तैयार है। नवीन शिक्षा नीति के अनुसार फ्लेक्सिबल उपाधि विकल्प, विषय के चुनाव की स्वतंत्रता एवं फ्लेक्सिबल प्रस्थान विकल्प भी लागू किए गए हैं। यह छह या आठ सेमेस्टर स्नातक पाठ्यक्रम, मल्टीमीडिया और इसके विभिन्न एप्लिकेशन को समाविष्ट करता है। मल्टीमीडिया जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर/मोबाइल की पहुंच और इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ाने में मदद करेगा।
इस पाठ्यक्रम में अनिवार्य इन्टरडिसिप्लिन विषय और वैकल्पिक इन्टरडिसिप्लिन विषय हैं। मल्टीमीडिया का आधारभूत तत्व, एडिटिंग, 2डी और 3डी एनिमेशन, एनिमेशन फॉर गेमिंग, ए आई और रोबोटिक, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी (एआर/वीआर), विजुअल इफेक्ट (वीएफएक्स), यूआई और यूएक्स, बिग डेटा, पत्रकारिता के लिए डेटा एनालिटिक्स, सोशल मीडिया एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, सर्च इंजन ऑप्टिमाजेशन और इसके अतिरिक्त डिजिटल मार्केटिंग को साथ जोड़ा गया है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो रचनात्मक और मल्टीमीडिया कंटेंट निर्माण में अत्यधिक रुचि रखते हैं या मल्टीमीडिया में शोध को आगे बढ़ाने में जिनकी रुचि है।

बी.एससी.(ऑनर्स) में निम्नलिखित आगमन और प्रस्थान विकल्प उपलब्ध हैं:

पूर्ण करने पर	विद्यार्थी तदनुकूल सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री(ऑनर्स) प्राप्त कर सकता है।
प्रथम वर्ष	मल्टीमीडिया में सर्टिफिकेट
द्वितीय वर्ष	मल्टीमीडिया में डिप्लोमा
तृतीय वर्ष	मल्टीमीडिया में 3 वर्ष बी.एससी.(ऑनर्स)
चतुर्थ वर्ष	मल्टीमीडिया में शोध सहित में 4 वर्ष बी.एससी.(ऑनर्स)" या "मल्टीमीडिया में 4 वर्षबी.एससी.(ऑनर्स)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एससी.(ऑनर्स) मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम को तैयार करने के निम्नलिखत शैक्षिणक उद्देश्य हैं:

- मल्टीमीडिया कंटेंट और प्रौद्योगिकी से सम्बंधित मॉड्यूलर निविष्टयां प्रदान करना।
- जनसंचार, विजुअल डिजाइन और संचार में मल्टीमीडिया तत्वों के तकनीकी पहलुओं की अनिवार्यता को समझना।
- मल्टीमीडिया और मनोरंजन इण्डस्ट्री के लिए उपयुक्त डिजिटल कंटेंट प्रोडेक्शन की कौशलता का विकास करना।
- मल्टीमीडिया कंटेंट उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीक कौशलता और नीति बोध का विकास करना।
- इंटरनेट आधारित मीडिया सामग्री (जैसे बिग डाटा) के लिए अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल को विकसित करना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- ग्राफिक्स डिजाइनर
- फोटो पत्रकार
- वीडियो एडिटर
- एनिमेटर
- केटेंट एडिटर
- सोशल मीडिया मैनेजर
- वेब डिजाइनर
- ग्राफिक्स आर्टिस्ट
- विजुअल कंटेंट क्रिएटर

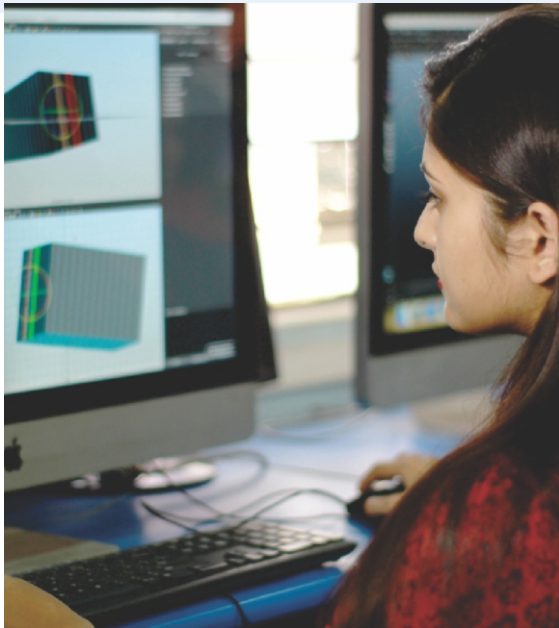

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग

बैचलर ऑफ साइंस ग्राफिक्स एण्ड एनिमेशन में बी.एससी.(जीए)

पाठ्यक्रम- स्नातक	अवधि- 3 वर्ष (6 सेमेस्टर)	सीट - 40

न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 10+2 की उपाधि

पाठ्यक्रम परिचय

बी.एससी.(ग्राफिक्स और एनिमेशन) तीन वर्ष (6 सेमेस्टर) स्नातक पाठ्यक्रम है जिसे विद्यार्थियों के लिए टेक्ट, ग्राफिक्स, ऑडियो, वीडियो और एनिमेशन तत्वों के कन्वर्जेन्स पर कार्य करते हुए डिजिटल मीडिया इण्डस्ट्री में ग्राफिक्स और एनिमेशन कंटेंट बनाने के लिए तैयार किया गया है।

इस पाठ्यक्रम में अनिवार्य अन्तर विषयवस्तु और वैकल्पिक अन्तरविषय वस्तु हैं, जिसमें सृजनात्मकता और डिजाइन की तकनीक, मल्टीमीडिया के आधारभूत तत्व, इमेज एडिटिंग, आडियो और वीडियो, 2डी और 3डी एनिमेशन, ग्राफिक्स डिजाईन, विजुअल कम्युनिकेशन और मीडिया, गेम डिजाइन, गेम के लिए ग्राफिक्स डिजाइन, वीडियो एडिटिंग, ऑग्मेंटेड और वर्चुअल रिएलिटी, मेक्स के द्वारा 3डी डिजाइन, माया द्वारा 3डी डिजाइन, विजुअल इफेक्ट, नवीन मीडिया के लिए एनिमेशन और अन्य विषयों के अलावा यूआई/यूएक्स को जोड़ा गया है।

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक अनुशंसा करना है जो सृजनात्मक केन्द्रित है एवं ग्राफिक्स और एनिमेशन कंटेंट निर्माण में रूचि रखते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एससी. ग्राफिक्स एण्ड एनिमेशन पाठ्यक्रम तैयार करने के निम्नलिखत शैक्षिक उद्देश्य हैं:

- विद्यार्थियों में ग्राफिक्स और एनिमेशन की आर्ट, सृजनात्मकता और तकनीकी समझ विकसित करना।
- गेमिंग के लिए ग्राफिक्स डिजाइन से लेकर नवीन मीडिया के विज्ञापन तक, डिजिटल मीडिया विकास के लिए विद्यार्थियों में कौशलता विकसित करने हेतु है ।
- विद्यार्थियों में ग्राफिक्स और एनिमेशन के सैद्धांतिक पहलुओं को समझना और कंटेंट निर्माण, एडिटिंग और विजुअल के लिए व्यावहारिक क्षमता विकसित करना।
- सोशल मीडिया एनालिटिक्स की क्षमता के साथ विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्लेटफार्म के लिए प्रशिक्षित करना।
- सामाजिक मुद्दों के नवीन आयाम और मीडिया नीति के साथ प्रोफेशनल एवं स्वरोजगार के लिए शोध एवं रूचि उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- ग्राफिक्स डिजाइनर
- गेमिंग डिजाइनर
- एनिमेशन आर्टिस्ट
- 3डी एनिमेटर
- फोटो पत्रकार
- वीडियो एडिटर
- कंटेंट डिजाइनर, कंटेंट लेखक, कंटेंट एडिटर
- सोशल मीडिया मैनेजर
- वेब डिजाइनर
- मोशन ग्राफिक्स डिजाइनर
- वीफएक्स प्रोफेशनल
- टेलिविजन और फिल्म इंडस्ट्रीज के सहायक निदेशक
- सर्च इंजन ऑप्टीमाइजर
- विज्युल कंटेंट निर्माता और अन्य

नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग
बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग और पैकेजिंग) - बी.टेक (पीपी)

पाठ्यक्रम- स्नातक अवधि- 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट - 30

न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिक/गणित/रसायन विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान/इलेकट्रॉनिक्स/सूचना प्रौद्योगिकी/जीव विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास/जैव प्रौद्योगिकी/तकनीकी व्यावसायिक विषय/कृषि /इंजीनियरिंग ग्राफिक्स /बिजनेस स्टडीज/उद्यमिता (इनमें से कोई भी तीन) उपरोक्त विषयों में एक साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण एवं कम से कम 45 : अंक प्राप्त किए हों (आरक्षित वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों के मामलें में 40% अंक)।

या

3 साल के डिप्लोमा परीक्षा में कम से कम 45%अंकों के साथ उत्तीर्ण (आरक्षित वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों के मामलें में 40 अंक) यदि लेटरल एंट्री की रिक्तियां समाप्त हो गई हों एवं यदि प्रथम वर्ष में स्थान रिक्त हों।

विश्वविद्यालय विविध पृष्ठभूमि से आने वाल छात्रों के लिए उपयुक्त ब्रिज कोर्स (गणित, भौतिकी, इंजीनियरिग ड्राइंग, आदि विधाओं में) की पेशकश करेंगे जिससे कि पाठ्यक्रम के वांछित परिणाम प्राप्त हो सकें।

पाठ्यक्रम परिचय

बी.टेक.(प्रिंटिंग और पैकेजिंग) चार वर्ष स्नातक पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों को प्रिंटिंग और पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज में कार्य करने के लिए तैयार करता है। डिजिटल पैकेजिंग पर अधिक ध्यान देने के कारण डिजिटल प्रिंटिंग पैकेजिंग में अवसर बढ़े हैं और कमर्शिल डिजिटल प्रिंटिंग पैकेजिंग ऑप्रेशन स्थापित हुए हैं पर प्रशिक्षित श्रमिकों की कमी अनेक मुद्दों में से एक बड़ा कारण है। इसे ध्यान में रखते हुए व प्रिंटिंग और पैकेजिंग में प्रशिक्षित लोगों की बढ़ती हुई मांग को देखतें हुए विश्वविद्यालय बी.टेक. (प्रिंटिंग और पैकेजिंग) में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम प्रिंटिंग और पैकेजिंग प्रोसेस के सभी पहलुओं का विस्तृत व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम में प्रिंटिंग और पैकेजिग की टेक्नोलॉजी और प्रोसेस सहित स्क्रीन प्रिंटिंग, शीट फेड ऑफसेट प्रिंटिग, फ्लेक्सोग्राफी, ग्रेव्योर, मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजी सहित वेब ऑफसेट, ग्राफिक्स डिजाइन, (सर्फेस डिजाइन), मटेरियल साइंस, प्रोडेक्शन और गुणवत्ता के कंट्रोल के साथ ही साथ रचनात्मक पैकेजिंग और प्रिंटिग आउटपुट बनाने में सहायता प्राप्त करता है। डिजिटल प्रिंटिंग तकनीक में इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडेक्ट प्रिंट करने की आधारभूत जानकारी, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रिएल्टी का परिचय, फूड् और एग्रीकल्चर आधारित पैकेजिंग, 3डी प्रिंटिंग, फैबरिक प्रिंटिंग और 3डी डिजाइन पर प्रिंटर की तकनीक आदि को भी पाठ्यक्रम में समाहित किया गया है।

विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग और पैकेजिंग लैब में अनुसंधान और विकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वयं प्रिंटिंग और पैकेजिंग के वर्किंग मॉडल का डिजाइन और निर्माण करते हैं। विश्वविद्यालय प्रेस में काम करने के अवसर के साथ-साथ विद्यार्थियों को पूर्ण व्यावहारिक ज्ञान के लिए भी विभाग में सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

बी.एससी. ग्राफिक्स एण्ड एनिमेशन पाठ्यक्रम तैयार करने के निम्नलिखत शैक्षिक उद्देश्य हैं:

- विद्यार्थियों में ग्राफिक्स और एनिमेशन की आर्ट, सृजनात्मकता और तकनीक की समझ विकसित करना।
- गेमिंग के लिए ग्राफिक्स डिजाइन से लेकर नवीन मीडिया के विज्ञापन तक, डिजिटल मीडिया विकास के लिए विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने हेतु है ।
- विद्यार्थियों में ग्राफिक्स और एनिमेशन के सैद्धांतिक पहलुओं को समझना और कंटेंट निर्माण, एडिटिंग और विजुअल के लिए व्यावहारिक क्षमता विकसित करना।
- सोशल मीडिया एनालिटिक्स की क्षमता के साथ विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्लेटफार्म के लिए प्रशिक्षित करना।
- सामाजिक मुद्दों के नवीन आयाम और मीडिया नीति के साथ प्रोफेशनल एवं स्वरोजगार के लिए शोध एवं रूचि उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग और पैकेजिंग) - बी.टेक (पीपी) लेटरल एंट्री

पाठ्यक्रम- स्नातक अवधि- 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) सीटों - 30

न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता - बी.टेक. (प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग) लेटरल एंट्री, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा में कम से कम 45% अंक (आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के मामलें में 40%अंक) के साथ न्यूनतम तीन वर्ष/दो वर्ष लेटरल एंट्री डिप्लोमा परीक्षा में उत्तीर्ण।

या

यूजीसी द्वारा परिभाषित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम कम 45% अंकों के साथ (आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के मामलें में 40% अंक) बीएससी डिग्री उत्तीर्ण साथ ही 10+2 परीक्षा गणित विषय के साथ उत्तीर्ण की हो।

या

डी वोक या उससे संबंधित क्षेत्र

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- प्रोडेक्शन अधिकारी
- तकनीकी सेल्स मैनेजर और अधिकारी
- प्रोडेक्ट विकास प्रबंधन
- प्रबंधन मुद्रण
- प्रिंटिंग और पैकेजिंग इण्डस्ट्री में प्रकाशन अधिकारी
- डिजाइनिंग और डिजिटल प्रिंटिंग में कैरियर
- सिक्युरिटी मुद्रण
- प्रिंटिंग इण्डस्ट्री में प्रकाशन अधिकारी
- इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन
- कलर प्रबंधन
- प्रिंट फिनिशिंग और कनवर्टिंग
- उद्यमकर्ता

संचार शोध विभाग

संचार शोध विभाग की स्थापना वर्ष 2014 में मीडिया शोध, विज्ञापन शोध एवं विपणन, सोशल मीडिया, सिनेमा एवं डिजिटल मीडिया में शोध आदि के लिए प्रशिक्षित अनुसंधान व्यवसायियों की बढती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी। नामांकित छात्रों को संचार शोध विधियों के बारे में सैद्धांतिक और साथ ही व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। विभाग एमएस.सी. (मीडिया शोध) एवं पीएच.डी. (कोर्स वर्क) के पाठ्यक्रम को संचालित करता है। विभाग के पास संचार, मीडिया एवं मीडिया शोध के प्रमुख प्रतिबद्ध संकाय सदस्य हैं। मीडिया अनुसंधान के दिग्गजों को समय-समय पर छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग नवीनतम कम्प्यूटर प्रयोगशाला एवं एसपीएसएस जैसे सॉफ्टवेयर के साथ-साथ पुस्तकों, करंट अफेयर एवं शोध पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, ई-पुस्तकों के समानान्तर एक संदर्भ पुस्तकालय से सुसज्जित है। मीडिया एवं अंतः विषयक शोध और मीडिया एवं संचार शोध के व्यक्तियों के साथ बातचीत पर नियमित कार्यशालाएं सेमीनार और आमंत्रित वार्ता आयोजित की जाती हैं। छात्रों को क्षेत्र अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम अपने एल्यूमिना, शोध संगठनों, चैनलों, समाचार पत्रों एवं शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ काम करता है।

डॉ. मोनिका वर्मा

प्राध्यापक

संचार शोध विभाग
एम.एससी. (मीडिया रिसर्च)

पाठ्यक्रम स्तर – स्नातकोत्तर	अवधि-2 वर्ष (4 सेमेस्टर)	सीट - 30

शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया के क्षेत्र के लिए शोधकर्ताओं को तैयार करने हेतु यह दो-वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।विद्यार्थियों को शोध प्रविधि का ज्ञान प्रदान किया जाता है। और उन्हें SPSS, सर्वे, सोशल मीडिया कंटेंट अवलोकन और ट्रेंड स्टडीज में पारंगत किया जाता है। छात्रों को विभिन्न प्रकार के शोध, विपणन शोध, विज्ञापन शोध एवं टेस्टिंग में

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- मीडिया शोध डिजाईन, मीडिया शोध प्रविधि, न्यू मीडिया शोध, राजनैतिक संचार शोध और मीडिया की विस्तृत जानकारी प्रदान करना।
- विभिन्न प्रकार की शोध विधियों और शोध सम्बंधित गतिविधियों जैसे उपकरण निर्माण, वैयक्तिक अध्ययन, अंतर्वस्तु विश्लेषण आदि करते हुए विद्यार्थियों के शोध कौशल में वृद्धि करना।
- पूर्व और वर्तमान परिदृश्य में मीडिया शोध, विपणन, राजनीति, श्रोता और जनमत निर्माण शोध, अनुसंधान से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए मीडिया शोध के बहुआयामी क्षेत्र के बारे में बताना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित कैरियर के क्षेत्र

- शोधकर्ता
- शोध परियोजना प्रबंधक/टीम नेतृत्वकर्ता
- जनसंपर्क शोधकर्ता/विज्ञापन ऐजेन्सियां
- टेलीविजन समाचार चैनलों में शोधकर्ता
- डाटा पत्रकार/डाटा विश्लेषक
- गैर सरकारी संस्थाओं में शोधकर्ता
- वेब अंतर्वस्तु विश्लेषक
- वेब डाटा खननकर्ता
- सोशल मीडिया विश्लेषक
- मीडिया परामर्शदाता
- व्यापार विश्लेषण कर्ता
- मीडिया एवं मनोरंजन विश्लेषक
- राजनैतिक संचार विश्लेषक

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के साधनों का उपयोग करके सूचना प्रबंधन एवं रख-रखाव और संरक्षण का कार्य है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग वर्ष 1993 में स्थापित किया गया था। विभाग द्वारा एक वर्षीय स्नातक बीएलआईएस (बैचलर ऑफ लाईब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साईंस) तथा एक वर्षीय स्नातकोत्तर एमएलआईएस (मास्टर ऑफ लाईब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साईंस) पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। उक्त पाठयक्रम युवाओं को व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं मूल्यों के साथ प्रभावी ढंग और कुशलता से पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबंधन करने के लिए शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम शोध और शिक्षा के साथ में अपना कैरियर बनाने वाले इच्छुक छात्रों को नींव प्रदान करता है। विभाग के पास सुसज्जित कम्प्यूटर लैब और पुस्तकालय है।

संकाय सदस्य

डॉ. आरती सारंग

एसो प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष

डॉ. विजय आनंद

पुस्तकालय सहायक

संतोष के

पुस्तकालय सहायक

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि (बी.एल.आई.एस.)

पाठ्यक्रम- स्नातक	अवधि- एक वर्ष (2 सेमेस्टर)	सीट - 20

शैक्षणिक योग्यता :- मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

इस पाठ्यक्रम में छात्रों को पुस्तकालय विज्ञान के आधारभूत ज्ञान के साथ-साथ नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग एवं जानकारी के अधिग्रहण, प्रबंधन, रख-रखाव व संरक्षण सहित इस क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों को पुस्तकालय के क्षेत्र को पेशे के रूप में समझने और पेशे में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए शैक्षणिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना।
- डिजिटल वातावरण में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालयों का प्रबंधन करने के लिए कौशल विकसित करना और पुस्तकालय एवं सूचना गतिविधियों में कम्प्यूटर और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग का कौशल प्रदान करना।
- बदलते सामाजिक और शैक्षणिक वातावरण में पुस्तकालय के कार्यों और उदेश्य को समझने और सराहना करने के लिए छात्र को सक्षम बनाना।

यदि आप पुस्तकों के संसार से प्रभावित हैं, विविध उपलब्ध सामग्री पढ़ने और जानकारी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एवं इसके प्रबंधन को समझना चाहते हैं और इसके लिए आवश्यक संगठनात्मक कौशल को प्राप्त करना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए है और इसके लिए आवश्यक संगठनात्मक कौशल को प्राप्त करना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- विभिन्न संस्थानों जैसे - स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय, संग्रहालय आदि में लाईब्रेरियन।
- संदर्भ लाईब्रेरियन
- सूचना अभिलेखागार
- सूचना विश्लेषक
- कैटलागर
- इन्डेक्सर
- सूचना अधिकारी
- पुस्तकालय विज्ञान शिक्षक

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एल.आई.एस.)

पाठ्यक्रम :- स्नातक अवधि - एक वर्ष 2 सेमेस्टर सीट - 20

शैक्षणिक योग्यता :- मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बीएलआई एस स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

इस पाठ्यक्रम में छात्रों को पुस्तकालय विज्ञान के आधारभूत ज्ञान के साथ-साथ नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग एवं जानकारी के अधिग्रहण, प्रबंधन, रख-रखाव व संरक्षण सहित इस क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों को पुस्तकालय के क्षेत्र को पेशे के रूप में समझने और पेशे में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए शैक्षणिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना।
- डिजिटल वातावरण में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालयों का प्रबंधन करने के लिए कौशल विकसित करना और पुस्तकालय एवं सूचना गतिविधियों में कप्यूटर और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग का कौशल प्रदान करना।
- बदलते सामाजिक और शैक्षणिक वातावरण में पुस्तकालय के कार्यों और उद्देष्य को समझने और सराहना करने के लिए छात्र को सक्षम बनाना।

यदि आप पुस्तकों के संसार से प्रभावित हैं, विविध उपलब्ध सामग्री पढ़ने और जानकारी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एवं इसके प्रबंधन को समझना चाहते हैं और इसके लिए आवश्यक संगठनात्मक कौशल को प्राप्त करना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए है। हैं और इसके लिए आवश्यक संगठनात्मक कौशल को प्राप्त करना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए हैं ।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- विभिन्न संस्थानों जैसे - स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय, संग्रहालय आदि में लाईब्रेरियन।
- संदर्भ लाईब्रेरियन
- सूचना अभिलेखागार
- सूचना विश्लेशक
- कैटलागर
- इन्डेक्सर
- सूचना अधिकारी
- पुस्तकालय विज्ञान शिक्षक

रीवा परिसर

रीवा परिसर, जनसंचार और कम्प्यूटर अध्ययन अनुप्रयोग के अनुशासन में शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध में नवाचार कर उत्कृष्टता स्थापित करने के लिए किया गया है। परिसर का महत्वपूर्ण मकसद है कि उत्कृष्ट मीडिया और कम्प्यूटर प्रोफेशनल का सृजन और विकास किया जाए। जिससे प्रोफेशनल सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर सकें । रीवा परिसर इस दृष्टि से स्थापित किया गया है कि मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग की शिक्षा में सार्थक योगदान दिया जा सके। विश्वविद्यालय के रीवा परिसर का स्वतंत्र अस्तित्व है जिससे प्रोफेशनल उत्कृष्टता के प्रतिमान स्थापित किये जा सकें। रीवा परिसर की परिकल्पना इस उद्देश्य के साथ की गई है कि महत्वाकांक्षी ऐसे युवा जो मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग के क्षेत्र में अपना करियर संवारने का सपना देखते हैं, अपना समग्र विकास कर सकें।

रीवा परिसर का आधुनिक स्थापत्य और आकल्पन स्वतः प्रोफेशनल शिक्षा के उच्च प्रतिमानों को साकार करने का संदेश देता है। परिसर आधुनिक सुविधाओं, साज.सज्जा और पूर्णतया सक्षम आधारभूत ढांचे से सज्जित है। जिससे पूरे देश से आने वाले विद्यार्थी अपनी क्षमताओं और नजरिए का विकास कर अपना समग्र विकास कर सकें।

रीवा परिसर सृजनशील ऊर्जा और असाधारण उत्साह से भरपूर है। जिससे छात्रों की क्षमताओं का परिमार्जन कर उनका समग्र विकास किया जा सके। इससे विद्यार्थी अपनी भूमिका को पहचान कर अपने कौशल का पूर्ण विकास कर राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें। 5 एकड़ का पूर्णतया विकसित परिसर मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग की शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। जिससे व्यापक सामाजिक कल्याण और समग्र उन्नति के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। परिसर के पास कई योजनाएं हैं जिनमें गत वर्ष ग्रामीण पत्रकारिता में पाठ्यक्रम आरंभ किया गया । परिसर में निम्न पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

1.मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म) MA(J)
2.मास्टर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन) MA (MC)
3.मास्टर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) MSc (EM)
4.बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन) (ऑनर्स) (NEP आधारित पाठ्यक्रम) BA(MC)
5.बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स) BCA
6.बैचलर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रानिक मीडिया) (ऑनर्स) BSc (EM)
7.पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रुरल जर्नलिज्म PGDRJ
8.पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स PGDCA
9.डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स DCA

संकाय सदस्य

बृजेन्द्र शुक्ला
अकादमिक समन्वयक

डॉ. एल बी ओझा
सहायक प्राध्यापक

सूर्यप्रकाश
सहायक प्राध्यापक

रवि साहु
सहायक प्राध्यापक

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर MA(J)

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर	अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर)	सीट – 25

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उतीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

प्रिंट माध्यमों की हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रिंट माध्यम देश दुनिया के राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय घटनाक्रमों व नवीनतम समाचारों को जाननेए उनका विश्लेषण करने तथा जनता की समस्याएं एवं मुद्दों को समझने का प्रभावी माध्यम है। यह पाठ्यक्रम प्रिंट पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं जैसे समाचार लेखनए रिर्पोटिंगए संपादन तथा आधुनिक मीडिया से संबंधित विषयों पर केन्द्रित है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- पत्रकारिता और संचार के सिद्धान्त और व्यवहार के अनुरूप आवश्यक ज्ञान एवं तकनीकी कौशल से सम्पन्न योग्य प्रोफेशनल्स तैयार करना।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में मौलिक शोध कार्य को बढावा देना तथा पत्रकारिताए जनसंचार और उससे संबंधित क्षेत्रों तथा विषयों के प्रति समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्योंए संस्कृतिए पर्यावरणए विकास विज्ञानए खेल और समाज से जुडे समसामयिक मुद्दों पर विश्लेषणात्मक चिंतन व विवेचना की दृष्टि विकसित करना जिससे वे मौखिक व लिखित संचार में प्रवीणता हासिल करें।

यदि आपमें समाचारों को पहचानने की क्षमता है, आपका लेखन कौशल अच्छा है तथा समाचार लेखन की इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में सुर्खियां बटोरकर अपना कैरियर बनाने और आगे बढने की इच्छा रखते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए हैं।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- संपादक, न्यूज एंकर, प्रोड्यूसर
- सहायक संपादक, कॉपी लेखक/फीचर लेखक, टिप्पणीकार/टीकाकार
- उप संपादक, खेल पत्रकार, मीडिया सलाहकार
- रिपोर्टर और संवाददाता, भारतीय सूचना सेवा में अधिकारी
- फोटो पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक, स्वतंत्र पत्रकार, मीडिया प्राध्यापक

एम.ए. जनसंचार एम.ए.एम.सी.

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 25

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जनसंचार प्रक्रिया की समझ, साथ ही मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण पर प्रभाव की व्याख्या करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करना है एवं मीडिया संगठनों, गैर.सरकारी संगठनों और अन्य के उच्च मानकों के अनुसार सूचना का निर्माण, प्रस्तुतिकरण और प्रसार करने की क्षमता रखने वाले वृत्तिज्ञों, प्रोफेशनल्स को तैयार करना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जनसंचार और समाज पर इसके प्रभाव की व्यापक समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मजबूत शैक्षणिक ज्ञान और व्यावसायिक कौशल प्रदान करना।
- रचनात्मकता, व्यावहारिक दृष्टिकोण, भाषा कौशल, नैतिकता और अन्य आवश्यक कौशल के साथ बड़े पैमाने पर संचारक के रूप में विद्यार्थियों को दृष्टि प्रदान करना।

यह पाठ्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए है-

जो भावुक है एवं रचनात्मक हैं और वे पारंपरिक समाचार मीडिया और प्रकाशन, संचार, विज्ञापन, जनसम्पर्क और वेब पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं।

पाठ्यक्रम उपरान्त करियर के अवसर :

- पत्रकार एवं संवाददाता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादन प्रिन्ट दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- समीक्षक
- जनसम्पर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार एजेन्सियाँ
- विज्ञापन एजेन्सियाँ
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

एम.एस-सी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया M.Sc. Electronic Media

पाठ्यक्रम स्तर– स्नातकोत्तर अवधि – 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) सीट – 25

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

यह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन ब्रॉडकास्ट मीडिया के प्रोडक्शन एवं संचालन के लिए आवश्यक सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इंडस्ट्री के लिए आवश्यक विभिन्न विधाओं में तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल अर्जित कर सकते हैं। पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी इस क्षेत्र में एक कुशल मीडिया कर्मी के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं। विद्यार्थी टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन मीडिया की पत्रकारिता एवं मनोरंजन के क्षेत्र में रचनात्मक एवं तकनीकी क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को टेलीविजन एवं रेडियो माध्यम की तकनीकी एवं संचालनात्मक जानकारियां प्रदान करना।
- न्यूजरूम प्रोडक्शन एवं संपादन में अनुप्रयोगात्मक अभ्यास से विद्यार्थियों को कुशल एवं दक्ष बनाना।
- टेलीविजन, रेडियो एवं ऑनलाइन माध्यमों के लिए युवाओं में कैमरा संचालन, रिपोर्टिंग, संपादन, एंकरिंग जैसे कौशल का विकास करना, वहीं इन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रोडक्शन, प्रबंधन एवं संचालन में दक्ष बनाना।
- सामाजिक रूप से संवेदनशील एवं पत्रकारीय मूल्यों के प्रति समर्पित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोफेशनल तैयार करना।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- रेडियो एवं टेलीविजन चैनलों के लिए रिपोर्टर, कॉपी एडिटर, संपादक
- वॉयस ओवर आर्टिस्ट, रेडियो जॉकी, न्यूज एंकर
- प्रोमों, डाक्यूमेंट्री एवं विज्ञापन फिल्म के लिए प्रोड्यूसर
- कैमरा पर्सन, वीडियो एडीटर, पैनल एवं ब्रॉडकास्ट प्रोड्यूसर
- स्वतंत्र पत्रकार/प्रोड्यूसर, स्वरोजगार उद्यम, इनोवेटिव मीडिया स्टार्टअप

बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार:

स्तर : स्नातक (ऑनर्स) अवधि : 3+1 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– उम्मीदवार को उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है या किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा समानान्तर परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के बारे में

बीए.(ऑनर्स) जनसंचार कार्यक्रम "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020" पर आधारित है। इस कार्यक्रम में अनेक प्रवेश एवं निकास विकल्प के साथ ही उपयुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक व्यापक शिक्षण ढांचा प्रदान करना है जिसके अन्तर्गत जनसंचार, पत्रकारिता और मानव पूंजी कार्यक्रम जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग (एम एण्ड ई उद्योग) की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसका उद्देश्य मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने और सफल कैरियर बनाने की क्षमता वाले पेशेवरों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संचार की मूल अवधारणाओं, नई संचार प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और समाज के प्रति जिम्मेदारी की समझ पैदा करना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को जनसंचार की समझ प्रदान करना और उन्हें वैश्विक दृष्टि से समाज के प्रति जिम्मेदार मीडिया पेशेवर, शोधकर्ता, शिक्षाविद् के रूप में विकसित करना।
- विद्यार्थियों को मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए सक्षम और कुशल पेशेवर के रूप में तैयार करना।
- डिजिटल मीडिया साक्षरता और दक्षताओं सहित सूचना संचार प्रौद्योगिकी कौशल प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना एवं समग्र और बहु विषयक शिक्षा विद्यार्थियों तक पहुंचाना।
- अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता की संस्कृति को आत्मसात करना।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश एवं निकास विकल्प उपलब्ध हैं:

निम्नलिखित समयावधि पूर्ण होने पर	विद्यार्थी को प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/ डिग्री (ऑनर्स)/ डिग्री (ऑनर्स) (शोध सहित) प्रदान किया जायेगा।
1 वर्ष	जनसंचार में प्रमाणपत्र
2 वर्ष	जनसंचार में डिप्लोमा
3 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (3 वर्ष)
4 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (शोध सहित) (4 वर्ष)

यह पाठ्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए है-

जो भावुक है, रचनात्मक हैं और वे पारंपरिक समाचार मीडिया और प्रकाशन, संचार, विज्ञापन, जनसम्पर्क और वेब पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- पत्रकार एवं संवाददाता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादन (प्रिन्ट एवं दृश्य-श्रव्य)
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- समीक्षक
- जनसम्पर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार एजेन्सियाँ
- विज्ञापन एजेन्सियाँ
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)

स्तर : कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (ऑनर्स) अवधि : 3+1 वर्ष (6 या 8 सेमेस्टर) सीट – 30

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में हायर सेकेण्डरी प्रमाण पत्र परीक्षा (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स) प्रोग्राम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित है जो देश की शिक्षा प्रणाली में भारी बदलाव लाने के लिए तैयार किया गया है। उच्च शिक्षा में लचीले डिग्री विकल्प, विषय संयोजन अद्वितीय प्रवेश, निकास विकल्प लागू किए गए हैं। तेजी से बढ़ती सूचना प्रौद्योगिकी और संचार प्रणाली लगभग हर कंपनी की योजना के महत्वपूर्ण घटक बन गए हैं। नई सूचना प्रौद्योगिकियों और संचार प्रणालियों का लाभ उठाने वाली सभी कंपनियों को विशेषज्ञ पेशेवरों की आवश्कता होती है जो समस्याओं को हल करने और व्यापार और प्रौद्योगिकी के बीच इंटरफेस करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान के सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

6 से 8 सेमेस्टर का यह स्नातक पाठ्यक्रम आपको इस कार्य हेतु कुशल स्नातक बनाता है जो विभिन्न उद्योग जैसे वाणिज्य, विज्ञान, मनोरंजन और सार्वजनिक क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कम्प्यूटर आधारित समाधानों को डिजाइन तथा विकसित करने की योग्यता रखता है। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को कम्प्यूटर और आईटी के आधारभूत विषयों के साथ-साथ उद्योग में प्रयुक्त होने वाली नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के विकास के लिए विभिन्न कम्प्यूटर भाषाओं का ज्ञान प्रदान किया जाता है ताकि छात्र डेस्कटॉप, नेटवर्क आधारित, वेब आधारित या मोबाईल अनुप्रयोगों के विकास के लिए खुद को एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में विकसित कर सकें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों को आईटी क्षेत्र का एक योग्य पेशेवर बनाने के लिए समग्र और सर्वांगीण विकास करना।
- विश्लेषण तथा डिजाइन की क्षमता को बढ़ाते हुए छात्रों में कई क्षेत्रों के लिए सॉफ्टवेयर समाधान तैयार करने की योग्यता को विकसित करना।
- वास्तविक दुनिया में आने वाली समस्या को समझने, उनका विश्लेषण करने और उनके लिए व्यावहारिक कम्प्यूटिंग समाधानों का निर्माण करने की क्षमता को विकसित करना।
- व्यवसायिक विश्लेषक बनने से संबंधित क्षमताओं को विकसित करना जो ग्राहकों की आवश्यकताओं का सही प्रकार से विश्लेषण करते हुए उनके लिए डेस्कटॉप/ नेटवर्क/ वेब/ मोबाईल वातावरण के लिए सॉफ्टवेयर निर्माण का कार्य कर सकें तथा उनके लिए सिस्टम की उच्च स्तरीय डिजाइन, दस्तावेजों तथा उसका कार्यान्वयन करते हुए विश्वसनीय सॉफ्टवेयर सिस्टम बनाना।
- ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना जो नए सॉफ्टवेयर समाधानों का विकास कर सकें तथा उसके लिए आवश्यक तकनीकों, आधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर टूल्स का उपयोग करने का कौशल रखते हों।

बीसीए कार्यक्रम में निम्नलिखित निकास या प्रवेश विकल्प उपलब्ध हैं:

पूरा होने के बाद	छात्र तदानुसार प्रमाण पत्र डिप्लोमा/डिग्री(ऑनर्स)प्राप्त कर सकते हैं।
1 वर्ष	कम्प्यूटर संचालन में प्रमाण पत्र
2 वर्ष	कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और अनुप्रयोगों में डिप्लोमा
3 वर्ष	बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)
4 वर्ष	बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स विद रिसर्च) या बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (ऑनर्स)

संभावित करियर के क्षेत्र

- कम्प्यूटर प्रोग्रामर
- सॉफ्टवेयर डेवलपर
- वेब डेवलपर
- मल्टी मीडिया डेवलपर
- डीटीपी पब्लिशर
- वेब डिजाइनर
- नेटवर्क प्रशासक
- सिस्टम मैनेजर
- सॉफ्टवेयर परीक्षक
- उच्च अध्ययन जैसे एमसीए इत्यादि प्राप्त करने के योग्य।

बैचलर ऑफ साईंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) ऑनर्स

पाठ्यक्रम स्तर–बीएससी (ईएम) ऑनर्स अवधि – 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट – 40

पात्रता मापदंड - किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेण्ड्री परीक्षा (10+2) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

यह स्नातक कार्यक्रम टेलीविजन, रेडियो और ऑनलाइन मीडिया जैसे विभिन्न मास मीडिया के उत्पादन, संचालन के लिये आवश्यक प्रारंभिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आवश्यक तकनीकी और व्यावसायिक कौशल हासिल कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी मीडिया क्षेत्र में एक कुशल पेशेवर के रूप में अपना भविष्य बना सकते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को रचनात्मक ढंग से विकसित कर तकनीकी के सहयोग से टेलीविजन, रेडियो, ऑनलाईन मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी विशेषज्ञता के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- टेलीविजन, रेडियो और ऑनलाईन मीडिया के लिये कैमरा संचालन, रिपोर्टिंग, संपादन, एंकरिंग और विशेष कार्यक्रम निर्माण हेतु कौशल निर्माण करना।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों में संपादन, प्रबंधन और संचालन का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों और समाज के साथ इसके अंतर-संबंध के बारे में एक विश्लेषणात्मक समझ विकसित करना।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और समसामयिक मुद्दों के बारे में समझ और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण बढ़ाना।

यदि आपको समाचार की समझ अच्छा लेखन कौशल के साथ-साथ लेखन में चुनौतिपूर्ण कैरियर बनाना चाहते हैं तो यह कार्यक्रम आपके लिये है।

भविष्य में इस पाठ्यक्रम के बाद आप अपने आप को विकसित कर सकते हैं।

- रिपोर्टर, कॉपी एडिटर, रेडियो के संपादक।
- वॉयस और आर्टिस्ट, वीडियो जॉकी, रेडियो जॉकी, न्यूज एंकर।
- प्रोमो, डाक्युमेन्ट्री, लघु फिल्मों के निर्माता।
- कैमरा पर्सन, वीडियो एडिटर, पैनल और ब्रॉडकॉस्ट प्रोड्युसर।
- स्वतंत्र पत्रकार/प्रोड्युसर, मीडिया स्टार्टअप उद्यमी।

ग्रामीण पत्रकारिता स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (PGDRJ)

पाठ्यक्रम स्तर–स्नातकोत्तर पत्रोपाधि अवधि – 1 वर्ष (2 सेमेस्टर) सीट – 20

शैक्षणिक अर्हता–मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उतीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

पाठ्यक्रम में सीखने - सिखाने की विधियां पूर्णतया प्रायोगिक और अनुप्रयोग आधारित होंगी । पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थी ग्रामीण समाज से संबंधित समाचार रपटों का सृजन और प्रस्तुतीकरण कर सकें, वे लेख लिख सकें और कार्यक्रम प्रोड्यूस कर सकें, विभिन्न टेलीविजन कार्यक्रमों में प्रस्तुतकर्ता बन सकें, रेडियो कार्यक्रम बना सकें और ऐसे शोध प्रतिवेदन लिख सकें जिनसे ग्रामीण समाज में कारगर सृजनशील हस्तक्षेप हो सके ।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों की ग्रामीण समाज पर समझ एवं संवेदनशीलता और नजरिए का विकास करना। जिससे वे रिपोर्ट लेखन व विश्लेषण कर समाज में सार्थक योगदान कर सकें ताकि ग्रामीण समाज का समग्र विकास हो सके।
- विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया जैसे प्रिंट मीडिया, लोक माध्यमों, इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया की कार्य प्रणाली से अवगत कराना।
- शोध में अभिरुचि और नजरिए को विकसित करना जिससे विद्यार्थी मीडिया को भलीभांति समझ सकें।
- समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन और वेब पत्रकारिता के लिए आवश्यक लेखन कौशल का विकास करना, जिससे विद्यार्थी विभिन्न शैलियों और प्रारूपों में लिख सकें।
- मीडिया की भूमिका, कार्य और समाज में उसके प्रभाव पर विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
- प्रायोगिक रूप से सीखने पर विशेष जोर।
- विद्यार्थियों द्वारा सृजित और उत्पादित मीडिया कार्यों पर विशेष जोर।
- विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रायोगिक कार्यों, प्रोजेक्ट और उनके द्वारा किए गए लेखन प्रोडक्शन पर विशेष जोर।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- रिपोर्टर,फीचर राइटर,स्तंभकार
- राजनीतिक विश्लेषक, मीडिया सलाहकार, मीडिया शिक्षक
- विकास पत्रकार, विकास संचारकर्ता, विकास कार्यक्रमों के प्रबंधक, ग्रामीण स्वास्थ्य प्रोफेशनल, ग्रामीण पर्यावरण संरक्षण प्रोफेशनल, ग्रामीण क्षमता विकास प्रोफेशनल
- इलेक्ट्रानिक माध्यमों में कॉपीराइटर, कम्युनिटी अखबार जारी करना और स्वतंत्र लेखन
- फिल्म निर्माण, ब्लॉगर, वेब प्रोफेशनल, महिला सशक्तिकरण उत्प्रेरक
- कम्युनिटी रेडियो प्रोफेशनल, महिला एवं बाल स्वास्थ्य प्रोफेशनल

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए)

स्तर - पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा अवधि- एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) सीट 40

शैक्षणिक अर्हता– किसी भी विषय में स्नातक उपाधि

पाठ्यक्रम के बारे में

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन का व्यापक उद्देश्य स्नातक विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर उद्योग में करियर के लिए तैयार करना है।

पाठ्यक्रम का समूचा जोर इस बात पर है कि विद्यार्थियों का सैद्धांतिक आधार होने के साथ-साथ वे सॉफ्टवेयर के विभिन्न अनुप्रयोगों और सॉफ्टवेयर के विकास में भी प्रवीणता हासिल करें।

यह पाठ्यक्रम इस बात पर बल देता है कि कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग विभिन्न गणितीय गणना , नेटवर्किंग, संचार और विभिन्न प्रबंधकीय और व्यावसायिक समस्या को हल कर सकता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- पाठ्यक्रम सेमेस्टर आधारित अवधि को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य कम्प्यूटर क्षेत्र में कौशल और दक्षता विकसित करना है। जिससे विद्यार्थी विभिन्न प्रौद्योगिकी उपयोग को भी समझ सके।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रोग्रामर और वेब डवलपर के कार्य के लिए प्रवीण बनाता है। जिससे वे व्यावसायिक ईकाई के लिए सॉफ्टवेयर न केवल डिजाइन कर सकें बल्कि विकसित भी कर सकें।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के बाद अनेक करियर की संभावनाएँ खुलती हैं। पीजीडीसीए पाठ्यक्रम उत्तीर्ण विद्यार्थी शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में निम्नानुसार क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं-

- बैंकिंग
- बीमा
- स्वास्थ्य
- उड्डयन
- शोध
- प्रौद्योगिकी
- वाणिज्य
- शासन/प्रशासन

डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (डीसीए)

स्तर - डिप्लोमा अवधि - एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) सीट - 40

शैक्षणिक अर्हता - मान्यता प्राप्त विद्यालय से किसी भी विषय में हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण।

पाठ्यक्रम के बारे में

कम्प्यूटर अनुप्रयोग के पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कम्प्यूटर अनुप्रयोग के विभिन्न आयामों के बारे में एक वर्ष की लघु अवधि में शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। पाठ्यक्रम वैज्ञानिक, व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान विद्यार्थियों को विभिन्न कम्प्यूटर अनुप्रयोगों और उपकरणों के बारे में देता है जो हर दिन जीवन में उपयोग और प्रयोग में आते हैं।

डीसीए पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम्प्यूटर अनुप्रयोग में गहराई से परिपूर्ण ऐसे विषयों पर ज्ञान देना है जिसमें माइक्रोसॉफ्ट टूल्स, ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट के विभिन्न आयाम और अन्य महत्वपूर्ण विषयों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी मिल सके।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विभिन्न अनुप्रयोग तैयार कर और विभिन्न प्रोग्राम बनाकर विद्यार्थी विभिन्न कार्यों को सरल करना सीखें और उपयोगकर्ता को भी सहजता दे सकें।
- कम्प्यूटर प्रोग्रामर व ऑपरेटर प्रौद्योगिकी रूप से विकसित हर क्षेत्र में गहराई से माँग को महसूस करते हुए समस्याओं के तकनीकी हल देता है।
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी इस्तेमाल होते हैं। जिनमें डाटाबेस भी तैयार किया जाता है। जिसमें तमाम आइटम्स को सीरियल नम्बर दिया जाता है और उनकी कीमत और मात्रा भी कोड में दी जाती है।
- पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी बड़े स्तर पर आँकड़ों का उपयोग और अनुप्रयोग कर सकते हैं जिसमें बैक ऑफिस के सारे ऑपरेशन्स के अलावा सारी जानकारियों को संग्रहित किया जाता है।

करियर की संभावनाओं वाले क्षेत्र-

विद्यार्थी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद अनेक करियर ऑप्शन, अनेक क्षेत्रों में करियर की संभावना देख सकता है। कम्प्यूटर ऑपरेटर किसी भी ऑफिस में अनेक तकनीकी सहायक पदों पर कार्य कर सकता है।

इसके अलावा अनेक संभावना वाले क्षेत्र निम्नानुसार हैं-

- नेटवर्किंग और इंटरनेट
- डाटाबेस डवलपमेंट और प्रशासनिक क्षेत्र
- प्रोग्रामिंग डवलपमेंट और प्रोग्रामिंग भाषाओं में कार्य
- तकनीकी लेखन
- सॉफ्टवेयर डिजाइन और इंजीनियरिंग

लोकप्रिय करियर के विकल्प निम्नानुसार हैं-

- कम्प्यूटर ऑपरेटर
- वेब डिजाइनर
- लेखा क्षेत्र
- सॉफ्टवेयर डवलपर
- C++ डवलपर

कर्मवीर विद्यापीठ, खंडवा

परिचय

देश के अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार और आदर्श संपादक "एक भारतीय आत्मा" पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी की कर्मभूमि खंडवा में कर्मवीर विद्यापीठ के नाम से विश्वविद्यालय द्वारा इस परिसर की स्थापना वर्ष 2000 में की थी। कर्मवीर विद्यापीठ, खंडवा को स्थापित हुए लगभग 20 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। वर्तमान में यहाँ मास्टर ऑफ आर्टस इन जर्नलिज्म (एम.ए.जे.) द्विवर्षीय पाठ्यक्रम, जनसंचार पाठ्यक्रम (बीएएमसी) त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम तथा एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (पीजीडीसीए एवं डीसीए) संचालित किये जा रहे हैं।

वर्तमान में संचालित विभाग एवं पाठ्यक्रम :-

कर्मवीर विद्यापीठ परिसर खंडवा में वर्तमान में जनसंचार विभाग, पत्रकारिता विभाग एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभागों के अंर्तगत विविध स्नातक/स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

- एम.ए.जे. (मास्टर ऑफ जर्नलिज्म)- 2 वर्षीय- प्रवेश हेतु किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि।
- बी.ए.एम.सी. (बैचलर ऑफ आर्ट इन मास कम्युनिकेशन)- 3 वर्षीय प्रवेश हेतु किसी भी विषय में बारहवीं पास की उपाधि।
- पी.जी.डी.सी.ए. (पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन)- 1 वर्षीय प्रवेश हेतु किसी भी विषय में स्नातक की उपाधि।
- डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन)- 1 वर्षीय - प्रवेश हेतु किसी भी विषय में बारहवीं उत्तीर्ण।

संदीप भट्ट
निर्देशक, खंडवा परिसर

मनोज निवारिया
सहायक प्राध्यापक

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर एमए (जे)

पाठ्यक्रम	अवधि :02 वर्ष (4 सत्र)	सीट- 25

शैक्षणिक अर्हता– आवेदक का मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के बारे में

प्रिंट मीडिया (मुद्रित माध्यम), चाहे वह कागज पर हो या डिजिटल रुप में, हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रिंट मीडिया (मुद्रित माध्यम) अन्तरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय घटनाओं से अवगत कराने में काफी प्रभावकारी सिद्ध होता है। इसके अलावा विश्लेषण करने, जनसामान्य के विषयों एवं समस्याओं से अवगत कराता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रिंट मीडिया (मुद्रित माध्यम) के विभिन्न पहलुओं जैसे-समाचार लेखन, संपादन, समाचार संकलन, अनुवाद कला और मीडिया की आधुनिक प्रवृत्तियों व आयामो से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- दक्ष पेशेवर पत्रकार तैयार करना, जो पत्रकारिता संचार सिद्धांतो के साथ ही तकनीकी रुप से उन्नत हों।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान कार्य एवं प्रासंगिक विषयों की समझ का संवर्धन करना।
- विश्लेषणात्मक चिंतन विकसित करना, मानवीय मूल्यों, संस्कृति, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, समाज संबंधित सामयिक विषयों की विवेचना में सक्षम करना। जिससे मौखिक एवं लिखित संचार क्षेत्र में दक्षता प्राप्त विद्यार्थी में विकसित हो सके।

यदि आप सामयिक विषयों के बारे में ज्ञान और समाचार मूलक विषयों में रुचि रखते हैं एवं समाचार लेखन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य क्षेत्र को व्यवसाय के रूप में अपनाने की इच्छा रखते हैं, तब यह पाठ्यक्रम आप के लिए है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- संपादक, सह संपादक, सहायक संपादक, उप संपादक
- लेखक, पुनर्लेखक, कॉपी राइटर, स्वतंत्र पत्रकार
- संवाददाता, स्तंभकार (कॉलमराइटर)
- राजनीतिक विश्लेषक, मीडिया सलाहकार, मीडिया शिक्षक
- मनोरंजन पत्रकार, खेल पत्रकार, फोटो पत्रकार
- पटकथा लेखक, रुपक (फीचर), रिपोर्ताज लेखक
- भारतीय सूचना सेवा अधिकारी
- न्यूज़ एंकर, निर्माता
- स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय और निजी संस्थानों में संपादक/ सलाहकार आदि।

बी .ए. (ऑनर्स) जनसंचार

स्तर : स्नातक (ऑनर्स) अवधि : 3+1 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट- 30

शैक्षणिक अर्हता– उम्मीदवार को उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है या किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा समानान्तर परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के बारे में

बीए (ऑनर्स) जनसंचार कार्यक्रम "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020" पर आधारित है। इस कार्यक्रम में अनेक प्रवेश एवं निकास विकल्प के साथ ही उपयुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक व्यापक शिक्षण ढांचा प्रदान करना है जिसके अन्तर्गत जनसंचार, पत्रकारिता और मानव पूंजी कार्यक्रम जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग (एम एण्ड ई उद्योग) की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसका उद्देश्य मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने और सफल करियर बनाने की क्षमता वाले पेशेवरों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संचार की मूल अवधारणाओं, नई संचार प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और समाज के प्रति जिम्मेदारी की समझ पैदा करना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को जनसंचार की समझ प्रदान करना और उन्हें वैश्विक दृष्टि से समाज के प्रति जिम्मेदार मीडिया पेशेवर, शोधकर्ता, शिक्षाविद् के रूप में विकसित करना।
- विद्यार्थियों को मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए सक्षम और कुशल पेशेवर के रूप में तैयार करना।
- डिजिटल मीडिया साक्षरता और दक्षताओं सहित सूचना संचार प्रौद्योगिकी कौशल प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना एवं समग्र और बहु-विषयक शिक्षा विद्यार्थियों तक पहुंचाना।
- अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता की संस्कृति को आत्मसात करना।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश एवं निकास विकल्प उपलब्ध हैं:

निम्नलिखित समयावधि पूर्ण होने पर	विद्यार्थी को प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/ डिग्री (ऑनर्स)/ डिग्री (ऑनर्स) (शोध सहित) प्रदान किया जायेगा।
1 वर्ष	जनसंचार में प्रमाणपत्र
2 वर्ष	जनसंचार में डिप्लोमा
3 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (3 वर्ष)
4 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (शोध सहित) (4 वर्ष)

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- पत्रकार एवं संवाददाता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादन (प्रिन्ट एवं दृश्य-श्रव्य)
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- समीक्षक
- जनसंपर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार एजेन्सियाँ
- विज्ञापन एजेंसियाँ
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए)

स्तर : पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा अवधि - एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) सीट – 40

शैक्षणिक अर्हता– किसी भी विषय में स्नातक उपाधि

पाठ्यक्रम के बारे में

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन का व्यापक उद्देश्य स्नातक विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर उद्योग में करियर के लिए तैयार करना है। पाठ्यक्रम का समूचा जोर इस बात पर है कि विद्यार्थियों का सैद्धांतिक आधार होने के साथ-साथ वे सॉफ्टवेयर के विभिन्न अनुप्रयोगों और सॉफ्टवेयर के विकास में भी प्रवीणता हासिल करें। यह पाठ्यक्रम इस बात पर बल देता है कि कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग विभिन्न गणितीय गणना, नेटवर्किंग, संचार और विभिन्न प्रबंधकीय और व्यवसायिक समस्या को हल कर सकता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- पाठ्यक्रम सेमेस्टर आधारित अवधि को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। पाठ्यक्रम का उदेश्य कम्प्यूटर क्षेत्र में कौशल और दक्षता विकसित करना है। जिससे विद्यार्थी विभिन्न प्रौद्योगिकी उपयोग को भी समझ सके।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रोग्रामर और वेब डवलपर के कार्य के लिए प्रवीण बनाता है। जिससे वे व्यावसायिक ईकाई के लिए सॉफ्टवेयर न केवल डिजाइन कर सकें बल्कि विकसित भी कर सकें।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के बाद अनेक करियर की संभावनाएँ खुलती हैं। पीजीडीसीए पाठ्यक्रम उत्तीर्ण विद्यार्थी शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में निम्नानुसार क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं-

- बैंकिंग
- बीमा
- स्वास्थ्य
- उड्डयन
- शोध
- प्रौद्योगिकी
- वाणिज्य
- शासन/प्रशासन

डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (डीसीए)

स्तर : डिप्लोमा अवधि - एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) सीट - 40

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विद्यालय से किसी भी विषय में हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

कम्प्यूटर अनुप्रयोग के पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कम्प्यूटर अनुप्रयोग के विभिन्न आयामों के बारे में एक वर्ष की लघु अवधि में शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। पाठ्यक्रम वैज्ञानिक, व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान विद्यार्थियों को विभिन्न कम्प्यूटर अनुप्रयोगों और उपकरणों के बारे में देता है जो हर दिन जीवन में उपयोग और प्रयोग में आते हैं। डीसीए पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम्प्यूटर अनुप्रयोग में गहराई से परिपूर्ण ऐसे विषयों पर ज्ञान देना है जिसमें माइक्रोसॉफ्ट टूल्स, ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट के विभिन्न आयाम और अन्य महत्वपूर्ण विषयों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी मिल सके।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विभिन्न अनुप्रयोग तैयार कर और विभिन्न प्रोग्राम बनाकर विद्यार्थी विभिन्न कार्यों को सरल करना सीखें और उपयोगकर्ता को भी सहजता दे सकें।
- कम्प्यूटर प्रोग्रामर व ऑपरेटर प्रौद्योगिकी रूप से विकसित हर क्षेत्र में गहराई से माँग को महसूस करते हुए, समस्याओं के तकनीकी हल देता है।
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी इस्तेमाल होते हैं। जिनमें डाटाबेस भी तैयार किया जाता है। जिसमें तमाम आइटम्स को सीरियल नम्बर दिया जाता है और उनकी कीमत और मात्रा भी कोड में दी जाती है।
- पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थी बड़े स्तर पर आँकड़ों का उपयोग और अनुप्रयोग कर सकते हैं जिसमें बैक ऑफिस के सारे ऑपरेशन्स के अलावा सारी जानकारियों को संग्रहित किया जाता है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

विद्यार्थी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद अनेक करियर ऑप्शन, अनेक क्षेत्रों में करियर की संभावना देख सकता है। कम्प्यूटर ऑपरेटर किसी भी ऑफिस में अनेक तकनीकी सहायक पदों पर कार्य कर सकता है।

इसके अलावा अनेक संभावना वाले क्षेत्र निम्नानुसार हैं-

- नेटवर्किंग और इंटरनेट
- डाटाबेस डवलपमेंट और प्रशासनिक क्षेत्र
- प्रोग्रामिंग डवलपमेंट और प्रोग्रामिंग भाषाओं में कार्य
- तकनीकी लेखन
- सॉफ्टवेयर डिजाइन और इंजीनियरिंग

लोकप्रिय करियर के विकल्प निम्नानुसार हैं-

- कम्प्यूटर ऑपरेटर
- वेब डिजाइनर
- लेखा क्षेत्र
- सॉफ्टवेयर डवलपर
- C++ डवलपर

दतिया परिसर

दतिया परिसर, जनसंचार और कम्प्यूटर अध्ययन अनुप्रयोग के अनुशासन में शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध में नवाचार कर उत्कृष्टता स्थापित करने के लिए प्रारंभ किया गया है। परिसर का उद्देश्य है कि उत्कृष्ट मीडिया और कम्प्यूटर प्रोफेशनल का सृजन और विकास किया जाए। जिससे प्रोफेशनल सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर सकें । दतिया परिसर इस दृष्टि से स्थापित किया गया है कि मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग की शिक्षा में सार्थक योगदान युवाओं का लिया जा सके। विश्वविद्यालय के दतिया परिसर का स्वतंत्र अस्तित्व है जिससे प्रोफेशनल उत्कृष्टता के प्रतिमान स्थापित किये जा सकें। दतिया परिसर की परिकल्पना इस उद्देश्य के साथ की गई है कि बुंदेलखंड क्षेत्र के महत्वाकांक्षी ऐसे युवा जो मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग के क्षेत्र में अपना करियर संवारने का सपना देखते हैं, अपना समग्र विकास कर सकें।

दतिया परिसर आधुनिक सुविधाओं, साज-सज्जा और पूर्णतया सक्षम आधारभूत ढांचे से सज्जित है। जिससे पूरे बुंदेलखंड से आने वाले विद्यार्थी अपनी क्षमताओं और नजरिए का विकास कर अपना समग्र विकास कर सकें। दतिया परिसर सृजनशील ऊर्जा और असाधारण उत्साह से भरपूर है। जिससे छात्रों की क्षमताओं का परिमार्जन कर उनका समग्र विकास किया जा सके। इससे विद्यार्थी अपनी भूमिका को पहचान कर अपने कौशल का पूर्ण विकास कर और अपने दृष्टिकोण का विकास कर राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें। जिला प्रशासन द्वारा प्रदत्त भवन एवं परिसर मीडिया और कम्प्यूटर अनुप्रयोग की शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। जिससे व्यापक सामाजिक कल्याण और समग्र उन्नति के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। परिसर के पास कई योजनाएं हैं जिनमें आगामी वर्षों में नए पाठ्यक्रम आरंभ किये जायेंगे। अकादमिक वर्ष 2022-23 से परिसर में निम्नानुसार पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

1- जनसंचार मे स्नात्कोत्तर उपाधि एम ए (एम सी)	02 वर्षीय
2- जनसंचार में स्नातक उपाधि बी ए (एम सी) ऑनर्स	03 वर्षीय/04 वर्षीय शोध के साथ
3- पी.जी.डी. आर. जे. (ग्रामीण पत्रकारिता)	01 वर्षीय

डॉ संजीव गुप्ता

एसोसिएट प्रोफेसर एवं परिसर प्रभारी, दतिया

मास्टर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन) एमए (एमसी)

स्तर: स्नातकोत्तर | अवधि: 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) | सीट - 20

शैक्षणिक अर्हता– आवेदक को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक होना चाहिए।

पाठ्यक्रम के बारे में

कार्यक्रम छात्रों को जनसंचार, मानव और सामाजिक क्षेत्रों पर इसके प्रभाव की समझ प्रदान करता है। पाठ्यक्रम जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करता है और मीडिया संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और उसके उच्च मानकों के अनुसार जानकारी का उत्पादन, प्रस्तुत और प्रसार करने की क्षमता रखने के लिए पेशेवरों को तैयार करता है

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- जनसंचार और समाज पर इसके प्रभाव की व्यापक समझ प्रदान करना।
- छात्रों को मजबूत शैक्षणिक ज्ञान और प्रोफेशनल कौशल के साथ सशक्त बनाना ताकि वे अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।
- रचनात्मकता, व्यावहारिक दृष्टिकोण, भाषा कौशल, नैतिकता और अन्य आवश्यक कौशल के साथ जनसंचार के भविष्य के प्रोफेशनल को तैयार करना।
- यदि आप भावुक, रचनात्मक हैं, अच्छा संचार कौशल रखते हैं और पारंपरिक समाचार मीडिया और प्रकाशन, विज्ञापन, जनसंपर्क या वेब पत्रकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह कार्यक्रम आपके लिए है।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- पत्रकार
- टेलीविजन/फिल्म निर्माता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादक
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक
- समीक्षक
- जनसंपर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार संस्थाएँ
- विज्ञापन एजेंसियां
- एन.जी.ओ.

बी .ए. (ऑनर्स) जनसंचार

स्तर : स्नातक (ऑनर्स) अवधि : 3+1 वर्ष (8 सेमेस्टर) सीट – 25

शैक्षणिक अर्हता– उम्मीदवार को उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है या किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा समानान्तर परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के बारे में

बीए. (ऑनर्स) जनसंचार कार्यक्रम "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020" पर आधारित है। इस कार्यक्रम में अनेक प्रवेश एवं निकास विकल्प के साथ ही उपयुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक व्यापक शिक्षण ढांचा प्रदान करना है जिसके अन्तर्गत जनसंचार, पत्रकारिता और मानव पूंजी कार्यक्रम जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग (एम एण्ड ई उद्योग) की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसका उद्देश्य मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने और सफल करियर बनाने की क्षमता वाले पेशेवरों को तैयार करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संचार की मूल अवधारणाओं, नई संचार प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और समाज के प्रति जिम्मेदारी की समझ पैदा करना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को जनसंचार की समझ प्रदान करना और उन्हें वैश्विक दृष्टि से समाज के प्रति जिम्मेदार मीडिया पेशेवर, शोधकर्ता, शिक्षाविद् के रूप में विकसित करना।
- विद्यार्थियों को मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए सक्षम और कुशल पेशेवर के रूप में तैयार करना।
- डिजिटल मीडिया साक्षरता और दक्षताओं सहित सूचना संचार प्रौद्योगिकी कौशल प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना एवं समग्र और बहु-विषयक शिक्षा विद्यार्थियों तक पहुंचाना।
- अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता की संस्कृति को आत्मसात करना।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रवेश एवं निकास विकल्प उपलब्ध हैं:

निम्नलिखित समयावधि पूर्ण होने पर	विद्यार्थी को प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा/ डिग्री (ऑनर्स)/ डिग्री (ऑनर्स) (शोध सहित) प्रदान किया जायेगा।
1 वर्ष	जनसंचार में प्रमाणपत्र
2 वर्ष	जनसंचार में डिप्लोमा
3 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (3 वर्ष)
4 वर्ष	बी.ए. (ऑनर्स) जनसंचार (शोध सहित) (4 वर्ष)

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित करियर के क्षेत्र

- पत्रकार एवं संवाददाता
- टीवी संवाददाता
- रेडियो जॉकी
- संपादन (प्रिन्ट एवं दृश्य-श्रृव्य)
- फोटो पत्रकार
- कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजमेंट)
- समीक्षक
- जनसंपर्क अधिकारी
- कंटेंट लेखक
- समाचार एजेन्सियाँ
- विज्ञापन एजेंसियाँ
- गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)

ग्रामीण पत्रकारिता स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (PGDRJ)

पाठ्यक्रम स्तर–स्नातकोत्तरपत्रोपाधि अवधि – 1 वर्ष (2 सेमेस्टर) सीट – 20

शैक्षणिक अर्हता–मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उतीर्ण

पाठ्यक्रम के बारे में

पाठ्यक्रम में सीखने - सिखाने की विधियां पूर्णतया प्रायोगिक और अनुप्रयोग आधारित होंगी । पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थी ग्रामीण समाज से संबंधित समाचार पत्रों का सृजन और प्रस्तुतीकरण कर सके, वे लेख लिख सकें, कार्यक्रम प्रोड्यूस कर सकें, विभिन्न टेलीविजन कार्यक्रमों में प्रस्तुतकर्ता बन सकें, रेडियो कार्यक्रम बना सकें और ऐसे शोध प्रतिवेदन लिख सकें जिनसे ग्रामीण समाज में कारगर सृजनशील हस्तक्षेप हो सके ।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों की ग्रामीण समाज पर समझ, संवेदनशीलता और नजरिए का विकास करना। जिससे वे रिपोर्ट लेखन, विश्लेषण कर समाज में सार्थक योगदान कर सकें, ताकि ग्रामीण समाज का समग्र विकास हो सके।
- विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया की कार्य प्रणाली से जैसे प्रिंट मीडिया, लोक माध्यमों, इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया से अवगत कराना।
- शोध में अभिरुचि और नजरिए को विकसित करना जिससे विद्यार्थी मीडिया को भलीभांति समझ सकें।
- समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन और वेब पत्रकारिता के लिए आवश्यक लेखन कौशल का विकास करना जिससे विद्यार्थी विभिन्न शैलियों और प्रारूपों में लिख सकें।
- मीडिया की भूमिका, कार्य और समाज में उसके प्रभाव पर विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।
- प्रायोगिक रुप से सीखने पर विशेष जोर।
- विद्यार्थियों द्वारा सृजित और उत्पादित मीडिया कार्यों पर विशेष जोर।
- विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रायोगिक कार्यों, प्रोजेक्ट और उनके द्वारा किए गए विभिन्न लेखन प्रोडक्शन पर विशेष जोर।

पाठ्यक्रम समाप्ति उपरांत संभावित कैरियर के क्षेत्र

- रिपोर्टर, फीचर राइटर, स्तंभकार
- राजनीतिक विश्लेषक, मीडिया सलाहकार, मीडिया शिक्षक
- विकास पत्रकार, विकास संचारकर्ता, विकास कार्यक्रमों के प्रबंधक, ग्रामीण स्वास्थ्य प्रोफेशनल, ग्रामीण पर्यावरण संरक्षण प्रोफेशनल,ग्रामीण क्षमता विकास प्रोफेशनल
- इलेक्ट्रानिक माध्यमों में कॉपीराइटर, कम्युनिटी अखबार जारी करना और स्वतंत्र लेखन
- फिल्म निर्माण, ब्लॉगर, वेब प्रोफेशनल,महिला सशक्तिकरण
- कम्युनिटी रेडियो प्रोफेशनल, महिला एवं बाल स्वास्थ्य प्रोफेशनल

सांध्यकालीन पाठ्यक्रम

जैसा कि वर्तमान परिदृश्य में देखा गया है, सभी क्षेत्रों में बहुत प्रतिस्पर्धा है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में संचार और मीडिया भी अछूता नहीं है। आज संचार और मीडिया के स्नातकों और स्नातकोत्तरों को बेहतर नौकरी और त्वरित करियर उन्नति प्राप्त करने हेतु संबंधित विषयों के कुछ अनुशासनों में उच्च स्तरीय विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। इसलिए विश्वविद्यालय बाजार और छात्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए सांध्यकालीन पाठ्यक्रम चला रहा है।

किसी भी सांध्यकालीन पाठ्यक्रम में आवेदन और प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में पहले से नामांकित या किसी अन्य विश्वविद्यालय से पीजी पाठ्यक्रम करने वाले उम्मीदवार भी इन सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों की कक्षाएं संध्या 5.30 बजे शुरू होती हैं। इन पार्ट टाइम ईवनिंग कार्से के लिए कामकाजी पेशेवर, सेवानिवृत व्यक्ति, गृहिणी और सेना के अधिकारी भी आवेदन कर सकते हैं। इस शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए सांध्यकालीन पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं -

वीडियो प्रोड्क्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडी-वीपी)

वीडियो प्रोड्क्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGD-VP) अवधि - 1 वर्ष (सेमेस्ट-2) सीट- 20

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक

वीडियो कार्यक्रम का निर्माण एक तकनीकी और रचनात्मक गतिविधि है। इसके लिए दृश्य संचार की समझ के साथ-साथ तकनीकी कौशल के उपयोग की आवश्यकता होती है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में प्रकाश तकनीक, ध्वनि, सेट/दृश्य, स्टूडियो और आउटडोर शूटिंग, गैर रेखीय संपादन और डिजिटल उपकरणों के संचालन में प्रशिक्षित करना है। इस पाठ्यक्रम में पोस्ट प्रोडक्शन और नॉन लीनियर एडिटिंग तकनीकों में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर का ज्ञान भी शामिल है। सफल छात्र डिजिटल कैमरा ऑपरेशन, प्रोग्राम डायरेक्शन, स्क्रिप्ट राइटिंग, विजुअल कम्युनिकेशन, पोस्ट प्रोडक्शन वर्क के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। उपरोक्त सभी अवसरों के अलावा स्वरोजगार की एक बड़ी गुंजाइश है।

यौगिक स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

अवधि - 1 वर्ष (सेमेस्ट-2) सीट- 20

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तरों पर उत्तम स्वास्थ्य के उन्नयन और प्रबंधन हेतु योग के उपयोग की व्यावहारिक प्रशिक्षण और ज्ञान प्रदान करना है। यह छात्रों को आध्यात्मिक संचार की गतिशीलता से भी परिचित कराएगा। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों को स्वास्थ्य केंद्रों, अस्पतालों, योग शिक्षण और सामाजिक सेवाओं में कई अवसर मिलते हैं।

ईवेंट मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडी-ईएम)

अवधि - 1 वर्ष (सेमेस्ट-2) सीट- 20

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक

घटनाएं भारतीय समाज का अभिन्न अंग रही हैं। बढ़ती जनसंख्या के साथ आज घटनाओं का बहुत बड़े पैमाने पर प्रबंधन करना होगा। बेहतर सुविधाओं और नवाचार की आवश्यकता ने पेशेवरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। यह स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम छात्रों को इसके विभिन्न संबंधित विषयों से परिचित होने और विशेष रूप से आयोजनों के लिए उनके पेशेवर कौशल और प्रबंधन प्रथाओं को पैना करने हेतु बनाया गया हे। इसलिए यह पाठ्यक्रम छात्रों को इवेंट प्लानिंग, इवेंट ऑपरेशंस, मीडिया प्लानिंग और ऑपरेशंस, डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, मार्केटिंग और विज्ञापन जैसे क्षेत्रों में अपना करियर बनाने का अवसर देता है।

साइबर सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा (पीजीडी-सीएस)

अवधि - 1 वर्ष (सेमेस्ट-2) सीट- 20

शैक्षणिक अर्हता– मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक

यह पाठ्यक्रम छात्रों, कामकाजी पेशेवरों तथा समुदाय को साइबर सुरक्षा के रोमांचक क्षेत्र से परिचित कराने के लिए तैयार किया गया है। प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा और इसके डोमेन के बारे में ज्ञान और समझ प्राप्त होगी। इसमें वे विशेषज्ञों द्वारा निर्मित वीडियों से जुड़ेंगे, उद्योगों के विशेषज्ञों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे, अपने ज्ञान के आकलन में भाग लेंगे साथ ही अपने माहौल की जागरुकता के आकलन का अभ्यास करेंगे और शासन एवं जोखिम प्रबंधन का पता करने वाली सामग्रियों तक पहुंच प्राप्त करेंगे। इस पाठ्यक्रम प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य साझा जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना पैदा करना है ताकि व्यक्ति मानवीय कारकों के कारण होने वाले हमलों से सुरक्षित रहे।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा 2022.23

ऑनलाइन आवेदन भरने हेतु निर्देश एवं विधि

- प्रवेश हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे। फीस का भुगतान प्राप्त करने के बाद ही आवेदन.पत्र मान्य होगा।
- ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा फार्म भरने हेतु वेबसाइट mcu.ac.in अथवा सीधे ही https://mcrpv.mponline.gov.in/ पर विजिट करें।
- आवेदन पत्र भरने से पहले सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ लें।
- आवेदन पत्र दिनांक 11/05/2022 से दिनांक 10/06/2022 को रात्रि 12.00 बजे तक ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।
- आप पाठ्यक्रमों के विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट mcu.ac.in पर प्राप्त कर सकते हैं।
- आवेदक एक अथवा एक से अधिक पाठ्यक्रमों के लिये आवेदन कर सकता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिये अलग.अलग फॉर्म भरकर निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा।
- ऑनलाइन फॉर्म भरने हेतु Apply for Admission-Session 2022-23 लिंक पर क्लिक करें। चाहे गए किसी एक कैम्पस के लिए एक पाठ्यक्रम का चयन कर फॉर्म भर कर भुगतान करें। इसके पश्चात् यदि आवेदक इसी स्तर के दूसरे कोर्स में प्रवेश के लिए फॉर्म भरना चाहता है तो Click Here to Fill Separate Form If You Are Applying More Than One Course In Same Course Level लिंक पर क्लिक करें तथा अपने पहले आवेदित पाठ्यक्रम हेतु जारी Form Number का उपयोग करते हुए दूसरे पाठ्यक्रम हेतु आवेदन करे। दूसरे स्तर के अथवा दूसरे परिसर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए पृथक से नया आवेदन करना होगा।
- प्रथम प्रवेश आवेदन फार्म का शुल्क:- सामान्य / अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु रुपये 500/- (पोर्टल शुल्क रुपये 50/- अतिरिक्त) देय होगा। मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवार नि:शुल्क आवेदन कर सकते हैं किन्तु रुपये 50/-पोर्टल शुल्क देय होगा।
- अतिरिक्त पाठ्यक्रम के लिये आवेदन शुल्क 300/- रुपये (पोर्टल शुल्क रुपये 50/- अतिरिक्त) देय होगा। मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवार निरुशुल्क आवेदन कर सकते हैं किन्तु प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए रुपये 50/-. पोर्टल शुल्क देय होगा।
- विश्वविद्यालय समूह-एच के पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन नहीं करेगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेशए आवेदक के अर्हताकारी परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिये आवेदन शुल्क 300/- रुपये (पोर्टल शुल्क रुपये 50/- अतिरिक्त) ऑनलाईन देय होगा। अतिरिक्त पाठ्यक्रम के लिये आवेदन शुल्क 200/- रुपये (पोर्टल शुल्क रुपये 50/- अतिरिक्त) देय होगा। मध्यप्रदेश के अनुसूचित जातिध्जनजाति के उम्मीदवार निशुल्क आवेदन कर सकते हैं किन्तु रुपये 50/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

- विश्वविद्यालय किसी भी स्थिति में ऐसा आवेदन फॉर्म स्वीकार नहीं करेगा जिसका ऑनलाइन शुल्क जमा नहीं है, अतः आवेदक यह सुनिश्चित कर लेवें कि उन्होंने ऑनलाइन फॉर्म भरकर भुगतान कर दिया है एवं ऑनलाइन रसीद प्राप्त कर ली है।
- आवेदन पत्र भरने तथा शुल्क भरने के पश्चात् प्राप्त प्रिन्टआउट की प्रति के साथ अंकसूची, जाति प्रमाण-पत्र, तथा अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र प्रवेश के समय संबन्धित विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। अतः विद्यार्थियों से अनुरोध है कि इसका प्रिंटआउट सुरक्षित रखे। यह प्रिंटआउट आवेदन करते समय या बाद में भी निकाला जा सकता है। बाद में प्रिंट निकालने के लिए आप Pay Unpaid/View Receipt for Admission Application Form 2022-23 लिंक पर क्लिक करें तथा अपना आवेदन क्रमांक डालें।
- ऑनलाइन आवेदन 10 जून 2022 को रात्रि 12:00 बजे तक भरे जा सकते हैं।
- प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र (Admit Card) प्राप्त करने के लिये "Download Admit Card" लिंक पर क्लिक करें।

(नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम) कृपया ध्यान दें....

- विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक सत्र 2021-22 से भारत सरकार द्वारा स्वीकृत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 (NEP-2020) के अंतर्गतए स्नातक स्तर के 3/4 वर्षीय (6/8 सेमेस्टर) ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए समग्र और बहुविषयक शिक्षा की समान व्यवस्था करने के साथ ही गुणवत्तायुक्त अकादमिक अनुसंधान को उत्प्रेरित करना है। NEP-2020 में -
- मल्टीपल एंट्री और एग्ज़िट सिस्टम लागू किया गया है। आप इसे ऐसे समझ सकते हैं - आज की व्यवस्था में अगर किसी तीन साल (अथवा छह सेमेस्टर) के पाठ्यक्रम में आप किसी वजह से पहले या दूसरे साल के बाद आगे नहीं पढ़ पाते हैं तो आपके पास कोई उपाय नहीं होता, लेकिन मल्टीपल एंट्री और एग्ज़िट सिस्टम में एक साल के बाद सर्टिफ़िकेटए दो साल के बाद डिप्लोमा और तीन.चार साल के बाद डिग्री मिल जाएगी. इससे उन छात्रों को बहुत फ़ायदा होगा जिनकी पढ़ाई बीच में किसी वजह से छूट जाती है।
- जो छात्र रिसर्च करना चाहते हैं उनके लिए चार साल का डिग्री प्रोग्राम होगा। जो लोग नौकरी में जाना चाहते हैं वो तीन साल का

विद्यार्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश

- पाठ्यक्रमों में प्रवेशए प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर दिए जाएंगे।
- कोविड.19 की तत्कालीन परिस्थितियों एवं इस हेतु सरकार द्वारा दिए गए दिशा.निर्देशों के आधार पर विश्वविद्यालय प्रवेश संबंधी प्रक्रिया एवं उससे संबंधित तिथियों में परिवर्तन कर सकता है। इसकी सूचना वेबसाइट पर दी जाएगी।

- आवेदन.पत्र में प्रदान की गई शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य आवश्यक अहर्ताओं के संदर्भ में प्रस्तुत समस्त जानकारियों की समस्त जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी।
- प्रवेश के समय भरे गए आवेदन-पत्र के प्रिंटआउट के साथ सभी प्रमाण.पत्रों की मूल प्रति परीक्षण के लिए प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- अहर्ताकारी परीक्षा के अंतिम वर्ष की परीक्षा देने वाले छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। लेकिन ऐसे छात्रों को प्रवेश के समय अहर्ताकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने व प्राप्त अंकों का प्रमाण आवश्यक रूप से प्रस्तुत करना होगा।
- विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में छात्र एवं छात्राओं की सुविधा हेतु परिसर में छात्रावास में सीमित संख्या में आवास की सुविधा उपलब्ध है। प्रवेश लेने के पश्चात् छात्रावास के लिये पृथक से आवेदन करना होगा। छात्रावास में प्रवेश देने या न देने का अंतिम निर्णय प्रवेश के समय ही लिया जा सकेगा।
- कोविड-19 की तत्कालीन परिस्थितियों, सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन, संबन्धित बोर्ड द्वारा 12वीं के परीक्षाफल या संबंधित विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों के परीक्षाफलों की घोषणा में देरी तथा अन्य परिस्थितियों में विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों में परिवर्तन कर सकता है। इसकी सूचना वेबसाइट पर दी जाएगी।
- प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर साक्षात्कार हेतु विद्यार्थियों को चयनित कर वेबसाइट पर सूची जारी की जायेगी। प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के प्राप्ताकों की मेरिट के आधार पर प्राविधिक प्रवेश दिया जायेगा। इन विद्यार्थियों को निर्धारित समय.सीमा में पाठ्यक्रम का निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। समय-सीमा में शुल्क जमा न होने पर उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों के आधार पर प्रवेश के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा घोषित आरक्षण नीति का पालन करता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40 (चालीस) प्रतिशत सीटें मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए आरक्षित हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा घोषित/निर्धारित नियमों के अनुसार सीटें अनुसूचित जातिए अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। प्रत्येक श्रेणी में 30 (तीस) प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। मध्यप्रदेश सरकार के दिशा.निर्देश के अनुसार जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थी और शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। संबंधित कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों को प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगेए अन्यथा सीट के लिए उनके दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन.पत्र के साथ संलग्न किए जा रहे शैक्षणिक और अन्य अहर्ताओं के सभी दस्तावेजों की जिम्मेदारी छात्र की ही होगी। अंतिम चयन के समय विश्वविद्यालय द्वारा दस्तावेजों की जाँच की जाएगी। इस वर्ष ईडब्लूएस (EWS का अर्थ है आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण का पालन भी किया जाएगा।
- नियमानुसार उत्पन्न परिस्थितियों में प्रवेश कार्यक्रम में कोई भी बदलाव करनेए सीटों की संख्या कम करने या बढ़ाने या किसी भी पाठ्यक्रम को बंद करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। कुलपति का निर्णय सभी मामलों में अंतिम और

बाध्यकारी होगा। सभी कानूनी विवाद केवल भोपाल न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन होगें।

- विद्यार्थी को विश्वविद्यालय के अधिनियम के प्रावधानों और विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समय.समय पर जारी किए जाने वाले आचरण/निर्देशों के तहत बनाए गए नियमों का पालन करना होगा। अधिसूचना के साथ पाठ्यक्रम में कोई भी बदलाव ध् संशोधन करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।
- शैक्षिक और अन्य अहर्ता सम्बंधित सभी दस्तावेजों को आवेदनपत्र के साथ संलग्न करने की जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी। अंतिम चयनध/प्रवेश के समय दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा।
- विद्यार्थी प्रवेश सम्बंधित अन्य सूचनाओं को विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट mcu.ac.in पर देख सकते हैं। वे व्यक्तिगत रूप से टेलीफोन 0755.2553523 (भोपाल), 9754870534 (खंडवा), 7693861752 (रीवा) एवं 9425028871 (दतिया) पर संपर्क कर सकते हैं या किसी मार्गदर्शन या सहायता के लिए admission@mcu.ac.in पर ईमेल कर सकते हैं।
- विश्वविद्यालय में प्रवेश होने के पश्चात् पाठ्यक्रम प्रारंभ होने की तिथि से पूर्व प्रवेश निरस्त करने पर राशि रू. 5,000/- प्रोसेसिंग शुल्क की कटौती की जाएगी। इसके पश्चात् प्रवेश निरस्त कराये जाने पर सिर्फ प्रतिभूति राशि (कॉशन मनी) ही वापस होगा।

* * *

मुद्रित एवं प्रकाशित प्रकाशन विभाग

डॉ. कंचन भाटिया
निदेशक प्रकाशन

डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय
प्रभारी प्रकाशन

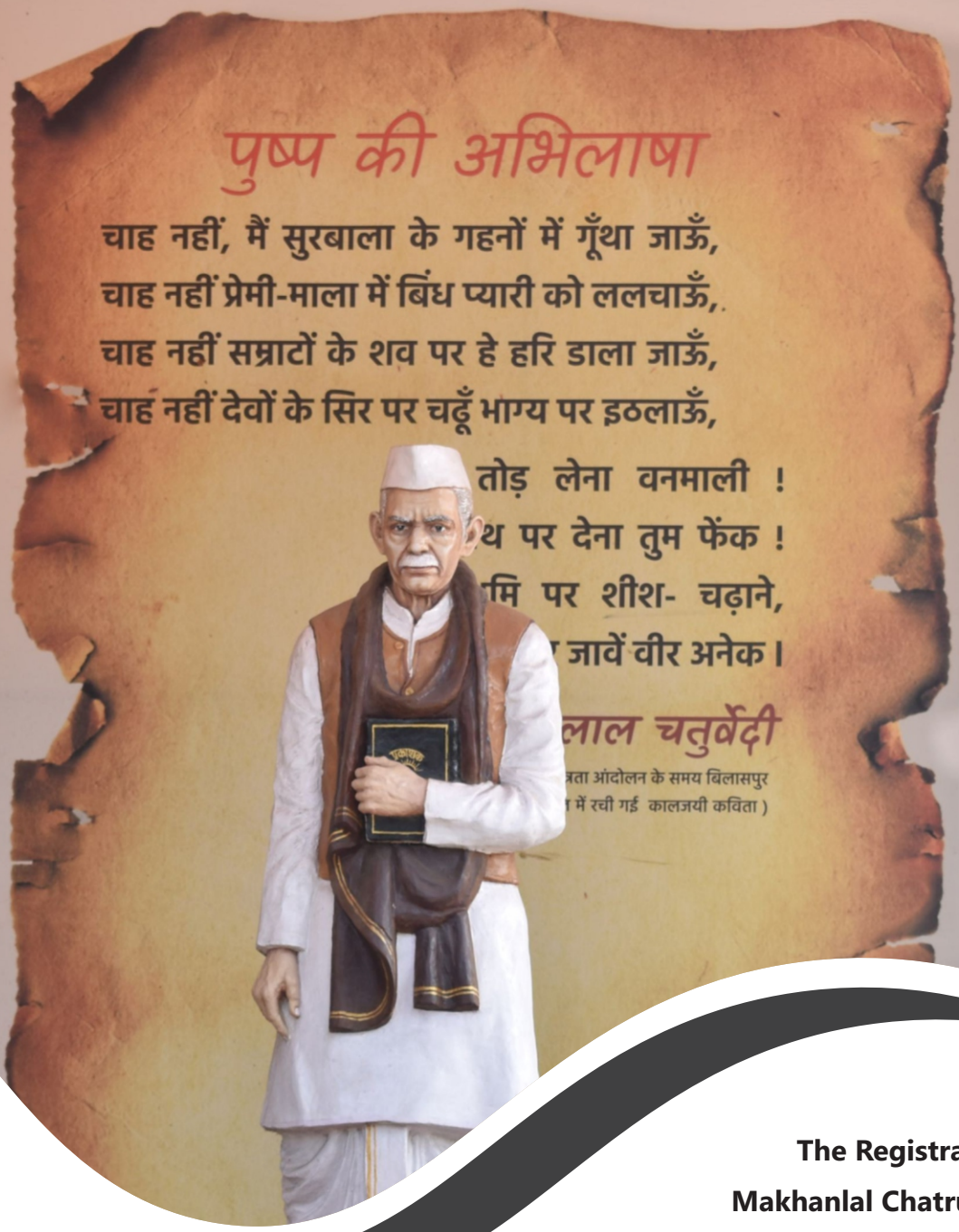

The Registrar

Makhanlal Chatrurvedi
National University of
Journalism & Communication
B-38, Press Complex, Zone-1, MP Nagar,
Bhopal (M.P.) 462 011
Ph.: 0755- 2553523
Website: **www.mcu.ac.in**
E-mail: **mcu.pravesh@gmail.com**